नई दिल्ली
सोमवार
25 अप्रैल 2022
वर्ष: 08, अंक: 233
पृष्ठ: 08, मूल्य 2 रु0

E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सद्भावना टुडे

आवाज़ अधिकार की

DELHIN/2014/58158

पूर्वी बिहार में वन्य जीवों से संबंधित पर्यटन की अपार... पेज-05

शाह ने अरबिंदो की 150वीं जयंती समारोह का किया उद्घाटन पेज-05

एक नजर

पुलवामा मुठभेड़ में लश्कर के शीर्ष कमांडर सहित तीन आतंकवादी ढेर

श्रीनगर,एजेंसी। दक्षिणी कश्मीर के पुलवामा जिले में रविवार को आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा के शीर्ष कमांडर समेत तीन आतंकवादी मारे गये। पुलिस ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में सूचना के आधार पर पाहू में घेराबंदी एवं तलाशी अभियान के दौरान मुठभेड़ हुयी। कश्मीर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्ष विजय कुमार ने कहा, पुलवामा मुठभेड़ में लश्कर के शीर्ष कमांडर (बासित) आरिफ हजार उर्फ रेहान मारा गया। अन्य दो आतंकवादियों की अभी तक पहचान नहीं हो पायी है। पुलिस ने बताया कि इलाके में तलाशी अभियान जारी है। दक्षिणी कश्मीर में पिछले 24 घंटों के दौरान मुठभेड़ की यह दूसरी घटना है। इससे पहले शनिवार को कुलगाम जिले के मिरहमा इलाके में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद समूह के दो पाकिस्तानी आतंकवादी मारे गये थे।

नौसेना के कमांडरों का चार दिन का सम्मेलन आज से

नई दिल्ली,एजेंसी। नौसेना के शीर्ष कमांडरों का चार दिन का सम्मेलन सोमवार से यहां शुरू होगा जिसमें समुद्री सुरक्षा से संबंधित सामरिक महत्व के मुद्दों से लेकर नौसेना की संचालन तैयारियों तथा अन्य विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर भी शीर्ष कमांडरों के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर बातचीत करेंगे। थल सेना प्रमुख और वायु सेना प्रमुख भी सम्मेलन में नौसेना के शीर्ष कमांडरों के साथ तीनों सेनाओं के बीच समन्वय बढ़ाने तथा संयुक्त संचालन के अनुकूल परिस्थितियों पर बातचीत करेंगे। नौसेना के कमांडरोन का सम्मेलन ऐसा मंच है जहां वरिष्ठ सैन्य अधिकारी सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बल से संबंधित व्यापक मुद्दों पर विस्तार से विचारों का आदान-प्रदान करते हैं। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरिकुमार वरिष्ठ कमांडरों के साथ पिछले छह महीनों के दौरान मुख्य संचालन अभियानों, सैन्य साजो सामान, जनशक्ति , प्रशिक्षण और प्रशासनिक गतिविधियों से संबंधित विषयों की समीक्षा करेंगे इसके अलावा भविष्य की महत्वपूर्ण गतिविधियों से संबंधित योजनाओं और पहल पर भी विचार विमर्श किया जाएगा। सम्मेलन में पड़ोसी देशों में सुरक्षा परिदृश्य के मद्देनजर तथा रूस और यूक्रेन युद्ध के कारण बदलती परिस्थितियों पर भी चर्चा होगी।

मनीष सिसोदिया ने आश्रम अंडरपास का उद्घाटन किया

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने दक्षिणी दिल्ली में मथुरा रोड पर बहुप्रतीक्षित 'आश्रम अंडरपास' का रविवार को उद्घाटन किया और कहा कि इस सुविधा का यहां से गुजरने वाले लाखों यात्रियों को फायदा मिलेगा। आठ बार समयसीमा निकलने और एक साल से अधिक की देरी के बाद आश्रम अंडरपास का उद्घाटन किया गया है। यह अंडरपास भोगल को मथुरा रोड पर न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी से जोड़ता है। इसके उद्घाटन के बाद न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी और बदरपुर से आईटीओ तथा मध्य दिल्ली के अन्य इलाकों से गुजरने वाले वाहन चालकों को व्यस्त आश्रम क्रॉसिंग पर जाम नहीं मिलेगा। आश्रम चौक मध्य और दक्षिणी दिल्ली के बीच तथा फरीदाबाद के साथ भी महत्वपूर्ण लिंक है। यह जंक्शन मथुरा रोड और रिंग रोड को जोड़ता है।

सिसोदिया ने कहा कि अंडरपास से न केवल यात्रियों का समय बचेगा बल्कि इससे रोजाना 1,550 लीटर ईंधन भी बचेगा। उपमुख्यमंत्री के पास लोक निर्माण विभाग का कार्यभार भी है। उन्होंने कहा, ''मुझे यहां इंजीनियरों ने बताया कि केवल आश्रम क्रॉसिंग पर इंतजार करते हुए ही वाहनों का रोज करीब 1,550 लीटर ईंधन बर्बाद होता है। इससे 3,600 किलोग्राम कार्बन गैस का उत्सर्जन भी कम होगा। अब यात्रा के समय के साथ ईंधन और पैसा भी बचेगा। इससे दिल्ली के लाखों लोगों को फायदा होगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह जटिल निर्माण कार्य था और भारी संख्या में वाहनों की मौजूदगी के दौरान अंडरपास का निर्माण करना बहुत मुश्किल था। सिसोदिया ने यह भी कहा कि यह सुनिश्चत करने के लिए पर्याप्त बंदोबस्त किए गए हैं कि मानसून के दौरान अंडरपास में जलभराव न हो। उन्होंने पिछले महीने कहा था कि इस अंडरपास को 22 मार्च को खोला जाएगा लेकिन काम पूरा न होने के कारण ऐसा नहीं हो सका। हालांकि, पीडब्ल्यूडी ने इस अंडरपास का परीक्षण 22 मार्च से ही शुरू कर दिया था। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 24 दिसंबर 2019 को इस अंडरपास की नींव रखी थी और इसे एक साल के भीतर बनाया जाना था। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के मुख्य परियोजना प्रबंधक पीके कुमार ने कहा कि परियोजना की अनुमानित लागत करीब 77 करोड़ रुपये थी लेकिन अंडरपास के निर्माण पर केवल 53 करोड़ रुपये खर्च किए गए जबकि बाकी पैसा अन्य चीजों पर खर्च किया गया। कालकाजी से विधायक आतिशी और जंगपुरा से विधायक प्रवीण कुमार भी उद्घाटन समारोह में उपस्थित रहे।

आश्रम चौक अंडरपास की विशेषताएं

- 410 मीटर लम्बा, 4 लेन का अंडरपास
- मानसून के दौरान अंडरपास में पानी न भरे इसके लिए दोनों ओर कैरिज-वे
- 1.5 लाख लीटर क्षमता के 2 टैंक
- अंडरपास को ऊपर की ओर से किया गया है कवर
- 40 मीटर का बॉक्स पोर्शन
- बरसाती पानी को रोड से अंडरपास में आने से रोकने के लिए रोड हम्प डिज़ाइन
- अंडरपास में बेहतर रौशनी की व्यवस्था हो इसके लिए एलईडी स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था

आश्रम चौक अंडरपास से क्या लाभ होगा

- प्रतिदिन 2-3 लाख लोगों को ट्रैफिक से मिलेगा निजात
- रोजाना 1536 लीटर ईंधन को होगी बचत जिससे 3.6 टन कार्बन डाईआक्साइड गैस का उत्सर्जन होगा कम
- रोजाना लगभग 933 कार्य-दिवस की होगी बचत

'गांवों के विकास में पंचायत की भूमिका बढ़ाना चाहती है सरकार'

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पल्ली पंचायत में आयोजित राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस समारोह को संबोधित

जम्मू,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकतंत्र की भावना को मजबूत करने में पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका को अहम बताते हुए कहा कि आजादी का ये अमृतकाल भारत का स्वर्णिम काल होने वाला है। ये संकल्प सबका प्रयास से सिद्ध होने वाला है। इसमें लोकतंत्र की सबसे ज़मीनी ईकाई, ग्राम पंचायत की भूमिका बहुत अहम है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार योजना बनाने से लेकर गांवों में विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन तक में पंचायत की भूमिका बढ़ाना चाहती है। इससे राष्ट्रीय संकल्पों की सिद्धि में पंचायत अहम कड़ी बनकर उभरेगी। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री रविवार को सांबा जिले की पल्ली पंचायत में आयोजित राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने देशभर की ग्राम पंचायतों से कुपोषण और एनीमिया के बारे में जागरूकता पैदा करने का आह्वान करते हुए कहा कि जब तक हम इन बुराइयों से मुक्त नहीं हो जाते, हमें अपने प्रयास जारी रखने चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का आह्वान करते हुए कहा कि खेती में इस्तेमाल होने वाले रसायन हमारी धरती मां को नुकसान पहुंचा रहे हैं। हमें अपनी जमीन को रासायनिक उर्वरकों से बचाने और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की जरूरत है। आजादी के 75वें साल (अमृत महोत्सव) में देश के प्रत्येक जिले में एक अमृत सरोवर बनाने के संकल्प को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि मैं आप सभी से हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पर अमृत सरोवर विकसित करने में मदद करने का आग्रह करता हूं। प्रधानमंत्री ने इससे पहले जम्मू कश्मीर में कनेक्टिविटी और बिजली से जुड़े लगभग 20,000 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। विकास और रोजगार सृजन के लिहाज से आज के दिन को अहम बताते हुए उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के विकास को नई गति देने के लिए तेजी से काम चल रहा है और इन प्रयासों से यहां नौजवानों को रोज़गार मिलेगा। उन्होंने कहा कि आज अनेक परिवारों को गांवों में उनके घर के प्रॉपर्टी कार्ड भी मिले हैं। ये स्वामित्व कार्ड गांवों में नई संभावनाओं को प्रेरित करेंगे। 100 जनऔषधि केंद्र जम्मू कश्मीर के गरीब और मिडिल क्लास को सस्ती दवाएं, सस्ता सर्जिकल सामान देने का माध्यम बनेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि पल्ली पंचायत देश की पहली कार्बन न्यूट्रल पंचायत बनने की तरफ बढ़ रही है। इस बार का पंचायती राज दिवस, जम्मू कश्मीर में मनाया जाना, एक बड़े बदलाव का प्रतीक है।

देशभर में 2,600 के करीब पहुंचे कोरोना के दैनिक मामले

नई दिल्ली,एजेंसी। देश में कोरोना वायरस के नये मामलों में एक बार फिर हो रही वृद्धि के बीच पिछले 24 घंटों के दौरान संक्रमण के करीब 2,600 नये मामले सामने आये हैं। देश में शनिवार को 19,05,374 कोरोना टीके लगाये गये। देश भर में अब तक कोरोना वैक्सीन की 1,87,67,20,318 डोज दी जा चुकी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से रविवार सुबह जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान देश में संक्रमण के 2,593 नये मामले सामने आए। इसी के साथ देश में दर्ज कुल मामलों की संख्या 4,30,57,545 हो गयी। पिछले 24 घंटों में 44 लोगों की मृत्यु के बाद कोरोना मृतकों का आंकड़ा पांच लाख 22 हजार 193 पर पहुंच गया। इस दौरान देश में सक्रिय मामलों में 794 की बढ़ोतरी हुई है, जिससे इनकी कुल संख्या 15,873 हो गयी है। इसी दौरान 1755 मरीज स्वस्थ हुए हैं, जिसके साथ ही कोरोनामुक्त होने वालों की संख्या बढ़कर 4,25,19,479 हो गयी है। देश में सक्रिय मामलों की दर 0.04 प्रतिशत, रिकवरी दर 98.75 फीसदी तथा मृत्यु दर 1.21 प्रतिशत पर है। पिछले 24 घंटे में

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सबसे अधिक 452 सक्रिय मामले बढ़े हैं। इसके बाद यहां कोरोना मरीजों की संख्या 3,705 हो गयी है। इस दौरान 640 लोगों के स्वस्थ होने से संक्रमणमुक्त होने वाले मरीजों की कुल संख्या 1843922 हो गयी। इस अवधि में कोविड-19 से दो मरीजों की मौत हुई और मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 26,166 हो गया। हरियाणा में सक्रिय मामलों में 60 की वृद्धि हुई है। राज्य में इस समय 1692 सक्रिय मामले हैं। इस दौरान 274 लोगों के स्वस्थ होने से महामारी से उबरने वाले मरीजों की कुल संख्या 976565 हो गयी। पिछले 24 घंटों के दौरान यहां कोविड-19 से किसी मरीज की मौत नहीं हुई और मृतकों का आंकड़ा 10,618 पर स्थिर रहा। केरल में कोरोना वायरस के सक्रिय मामलों में 45 की वृद्धि होने से इनकी संख्या 2658 हो गयी है।

विदेशी पर्यटकों का फिर से भारत का रूख, उद्यमियों और व्यापारियों में उत्साह

नई दिल्ली,एजेंसी। कोरोना काल में बुरी तरह प्रभावित पर्यटन क्षेत्र गत फरवरी में महामारी की तीसरी लहर के बाद इसका असर घटने के बाद विदेशी पर्यटक आगमन (एफटीए) से फिर से सुधार की ओर बढ़ रहा है और इससे जुड़े उद्यमियों एवं व्यापारियों में उत्साह की लहर भी है। पर्यटन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक फरवरी 2022 में एफटीए बढ़कर 2.40 लाख रहा जोकि इससे पिछले महीने 2.01 लाख था।

एफटीए में इजाफा स्थानीय टूर ऑपरेटरों और इससे जुड़े अन्य कारोबारियों के लिए बड़ी राहत है। दिसंबर 2021 में एफटीए 3.03 लाख पर पहुंच गया था लेकिन इससे अगले कोरोना संक्रमण के डर के कारण इसमें गिरावट दर्ज की गयी। विदेशी पर्यटकों के आगमन की संख्या अक्टूबर और नवंबर

2021 में क्रमश: 1.81 लाख और 2.51 लाख थी।

एसटीआईसी ट्रैवल ग्रुप के चेयरमैन और कन्फेडरेशन ऑफ टूरिज्म प्रोफेशनल्स के अध्यक्ष सुभाष गोयल ने यूनीवार्ता से कहा कि निर्धारित अंतरराष्ट्रीय उड़ानें और ई वीजा की शुरुआत के बाद भारत में आने वाले पर्यटन में तेजी आई है। उन्होंने कहा कि अगर स्थिति बरकरार रहती है और कोविड के कारण कोई रूकावट पैदा नहीं होती है तो हम 1.10 करोड़ का लक्ष्य छू लेंगे , बल्कि उसे भी पार कर जाएंगे। वर्ष 2019 में भारत ने करीब 30 अरब डालर की विदेशी मुद्रा कमायी थी। हम, वर्ष 2022-23 में 35 अरब डालर की कमायी करने की उम्मीद करते हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को फिर से शुरू करने और वीजा प्रतिबंधों में ढील के चलते आगामी महीनों में भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होने की उम्मीद है, सरकार घरेलू पर्यटन को पुनर्जीवित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। पर्यटन मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक पर्यटन क्षेत्र में पुनरुद्धार बड़े पैमाने पर घरेलू पर्यटन द्वारा किए जाने के तथ्य को स्वीकार करते हुए %देखो अपना देश% के विषय के तहत वेबिनार की एक श्रृंखला का आयोजन कर घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

मनोरंजक ज्ञान के साथ पर्यटन को लगेंगे पंख

गोरखपुर में बनेगा पूर्वांचल का पहला प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय

संजय सिंह, वरिष्ठ पत्रकार

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूसरे कार्यकाल में भी गोरखपुर की विकास की यात्रा रफ्तार बनाए हुए है। विकास के विविध आयामों से समृद्ध करने के क्रम में गोरखपुर को प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय (नेचुरल साइंस म्यूजियम) की सौगात मिलने जा रही है। इससे मनोरंजक ज्ञान के साथ पर्यटन संवर्धन को भी पंख लगेंगे। यह पूर्वांचल का पहला प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय होगा और जल्द ही सीएम योगी इसकी आधारशिला रखेंगे। अपने दूसरे कार्यकाल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के हस्तिनापुर, मेरठ व गोरखपुर में प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय की स्थापना के निर्देश दिए हैं। गोरखपुर में स्थापित होने वाले इस संग्रहालय की परियोजना पर तकरीबन 25 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इस प्राकृतिक संग्रहालय का निर्माण तारामण्डल एरिया में शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणी उद्यान के निकट स्थित 'बौद्ध संग्रहालय' के परिसर में ही डेढ़ एकड़ में बहुमंजिला इमारत के रूप में किया जाएगा। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर संस्कृति विभाग पहले ही भारत सरकार को प्रस्ताव भेज चुका है। अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की घोषणा के बाद इसके निर्माण के लिए प्रशासनिक सरगर्मियां पुन: बढ़ गई हैं। इससे प्रकृति प्रेमियों में भी खासा उत्साह है। प्रख्यात पर्यावरणविद और ग्रीन ऑस्कर से सम्मानित माइक एच. पांडेय कहते हैं कि गोरखपुर में प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय स्थापित होना पूर्वांचल के लिए गौरव की बात है। इससे यहां विलुप्त हो चुके या विलुप्त होने की कगार पर आ चुके जीव-जन्तुओं, पक्षियों, विलुप्तप्राय पेड़-पौधों का भी संग्रह संभव हो सकेगा। संग्रहालय हमारी नई पीढ़ी को प्रकृति, विज्ञान, जीव जन्तु और वनस्पतियों और उनके पारस्परिक संबंध की समझ पैदा करेगा।

''गोरखपुर के लिए नेचुरल साइंस म्यूजियम के रूप में बड़ी उपलब्धि मिलने वाली है। इसे प्राणी उद्यान के निकट बौद्ध संग्रहालय परिसर में बहुमंजिला इमारत में बनाने की योजना है। म्यूजियम में विलुप्त हो चुके पक्षियों एवं अन्य-जीव जन्तुओं के शरीर को स्टफिंग कर रखा जाएगा।''

-विजय किरण आनंद, जिलाधिकारी गोरखपुर

सुरक्षित रखे जाएंगे जीव-जंतुओं के शरीर

प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय में पहले विलुप्त हो चुके जीव-जंतुओं, पक्षियों के शरीर को रखा जाएगा। देश में विभिन्न स्थानों एवं संग्रहालयों से उन्हें चयनित कर लाया जाएगा। ऐसी वनस्पतियों एवं जीव-जंतु के शरीर को केमिकल कोटिंग कर या स्टफिंग कर सुरक्षित रखा जाएगा। संग्रहालय में उन्हें इस तरह से रखा जाएगा कि वे जीवित स्थिति में नजर आएंगे। यहां उनसे जुड़ा साहित्य एवं आडियो विजुअल गैलरी भी निर्मित की जाएगी। गोरखपुर हेरिटेज फाउंडेशन की संरक्षिका डॉ अनिता अग्रवाल बताती है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की गोरखपुर को ज्ञान की नगरी बनाने की कड़ी में एक और बड़ा कदम होगा। उनके इस कदम का स्वागत किया जाना चाहिए।

पर्यटन विकास को मिलेगा बढ़ावा

प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय के निर्माण से नई पीढ़ी को प्राकृतिक संपदा एवं इतिहास को जानने का अवसर मिलेगा वहीं पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। यहां पयर्टक सुविधाओं का ध्यान रखा जाएगा। बौद्ध संग्रहालय, नौका विहार, रामगढ़ताल, शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणी उद्यान, इंटरनेशनल वॉटर स्पोर्ट्स काम्पलेक्स, गीता प्रेस, गोरखनाथ मंदिर, सूर्य मंदिर, गीता वाटिका, बुढ़िया माता मंदिर, विनोद वन, कुसम्ही जंगल, गोरखपुर-सोहगीबरवा इको टूरिस्ट सर्किट ये सब मिल कर देश विदेशी पयर्टको को न केवल आकर्षित करेंगे, बल्कि प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर भी बढ़ाएंगे।

दिल्ली सरकार ने शुरू किया 'विलुप्त' जलाशयों को बचाने का अंतिम प्रयास

मो. हबीबुल्लाह उर्फ मुन्ना, सद्भावना टुडे संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार बड़े पैमाने पर अतिक्रमण और वर्षों की अनदेखी के कारण विलुप्त जलाशयों को बचाने के लिए एक आखिरी प्रयास कर रही है। राष्ट्रीय राजधानी में कुल 1,043 जल निकाय हैं जिन्हें विशिष्ट पहचान संख्या आवंटित की गई है। इनमें से 1014 को भौगोलिक सूचना तंत्र (जीआईएस प्लेटफॉर्म) पर अंकित भी किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, 2019 में गठित दिल्ली आर्द्रभूमि प्राधिकरण (दिल्ली वेटलैंड अथॉरिटी) अब अगले साल जनवरी तक आर्द्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियम, 2017 के तहत उनमें से कम से कम 20 को अधिसूचित करने के लिए तेजी से कदम उठा रही है। इनमें संजय झील, हौज खास झील, भलस्वा झील, टीकरी खुर्द झील, वेलकम झील, दरियापुर कलां और सरदार सरोवर झील शामिल हैं। अधिसूचित होने के बाद, जल निकायों को अतिक्रमण, कूड़ा-करकट फेंकने, अनुपचारित अपशिष्ट जल और उद्योगों से निकलने वाले अपशिष्ट पदार्थों, और उद्योगों की स्थापना और विस्तार आदि के खिलाफ संरक्षित किया जाएगा।

अधिकारियों के अनुसार, 62 जलाशयों के स्थान पर निजी भवन बन गए हैं, 52 अब सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने के लिए उपयोग किए जा रहे हैं, 37 का पता नहीं चल पा रहा है, 14 जलाशयों का शिक्षण संस्थानों द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया है, 11 जलाशयों को पार्क और मनोरंजन केंद्र में बदल दिया गया है, 6 जलाशय वाणिज्यिक सेवाओं के लिए उपयोग में लाए जा रहे हैं और पांच जलाशयों पर अनधिकृत कॉलोनियां बन गई हैं। नाम न बताने की शर्त पर एक तकनीकी समिति के सदस्य ने बताया कि जमीनी हकीकत का पता लगाने के लिए फील्ड टीमों का गठन किया गया है। ये महत्वपूर्ण जानकारी एकत्र करेंगे जैसे कि इन जल निकायों का ऐतिहासिक प्रसार, उनकी क्षमता, वे कैसे विलुप्त हुए, कौन जिम्मेदार था, उनके स्थान पर क्या बन गया है, आदि।

भाजपा की अवैध वसूली के खिलाफ आप ने दिल्ली के सभी 272 वार्डों में की पदयात्रा

सैफुल्लाह सिद्दिकी, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने भाजपा की अवैध वसूली के खिलाफ आज (24 अप्रैल) दिल्ली के सभी 272 वार्डों में पदयात्रा की। %आप% का कहना है कि आम आदमी पार्टी और दिल्लीवाले मिलकर भाजपा की गुंडई और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ेंगे। आप विधायक आतिशी ने कहा कि हम दिल्ली के लोगों को यह बताना चाहते हैं कि अगर आपको कोई परेशान करे तो आम आदमी पार्टी के विधायक और आम आदमी पार्टी का नेतृत्व आपके साथ है। आपको डरने की जरूरत नहीं है। आम आदमी पार्टी का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली में दंगे का माहौल बनाया हुआ है। दिल्लीवालों को धमका रहे हैं कि हमें पैसे दो, नहीं तो तुम्हारे घर पर बुल्डोजर चलवा देंगे। इस प्रकार वह गरीबों को प्रताड़ित कर रहे हैं। 18 मई को भाजपा पार्षदों का कार्यकाल खत्म हो रहा है जिसके चलते यह लोग उगाही के पैसों से अपनी जेबें भरना चाहते हैं। इसी के खिलाफ आज आम आदमी पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं ने दिल्ली के सभी वार्डों में पदयात्रा कर लोगों को जागरूक करने का काम किया। उनसे जनसंवाद किया गया। इस दौरान लोगों में भाजपा शासित एमसीडी को लेकर अत्यधिक रोष देखने को मिला। उनका कहना है कि भाजपा उन्हें लगातार धमकियां दे रही है कि पैसे दो नहीं तो घर तुड़वा देंगे। भाजपा की गुंडागर्दी से लोग परेशान हैं। जिसको देखते हुए हमने लोगों को संगठित किया और भाजपा की उगाही के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए पूरी तैयार हैं। आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता एवं कालकाजी से विधायक आतिशी ने कहा कि पिछले कई दिनों से भारतीय जनता पार्टी अपनी बुल्डोजर राजनीति से दिल्ली के लोगों को धमका रही है। वह दिल्ली के लोगों से कह रहे हैं कि हमें पैसे दो नहीं तो हम तुम्हारे घर तोड़ डालेंगे। दुकानदारों से कह रहे हैं कि हमें पैसे तो नहीं तो हम तुम्हारी दुकान तोड़ देंगे। तो आज आम आदमी पार्टी भारतीय जनता पार्टी की इस बुल्डोजर और उगाही की राजनीति और गुंडागर्दी की राजनीति के खिलाफ दिल्ली भर के अलग-अलग वार्ड में पदयात्रा निकाल रही है। हम दिल्ली के लोगों को भी यह बताना चाहते हैं कि अगर आपको कोई परेशान करे तो आम आदमी पार्टी के विधायक और आम आदमी पार्टी का नेतृत्व आपके साथ है। हमें भाजपा की गुंडागर्दी भाजपा की उगाही से डरना नहीं है।

कला महोत्सव में दिखा छोटे बच्चों की कलाकृतियों का जलवा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं कालकाजी से विधायक आतिशी ने कल्चर चौराहा द्वारा आयोजित 22वें वार्षिक कला उत्सव का उद्घाटन किया। इस वर्ष के उत्सव की थीम थ्रू द आई ऑफ ए चाइल्ड थी। प्रदर्शनी का आयोजन अर्पणा कौर आर्ट गैलरी में किया गया था। इस आयोजन में 7 से 15 आयु वर्ग के छात्रों ने भाग लिया और अपने चित्रकला कौशल का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी का आयोजन कोरोना महामारी के कारण दो साल के अंतराल के बाद किया गया था। विधायक आतिशी ने कहा कि आज इस कार्यक्रम में भाग लेना सम्मान की बात है। एक कलाकार के रूप में ये छात्र उम्र में भले ही कम उम्र के लगें, लेकिन उनकी पेंटिंग बहुत परिपक्व हैं। इस साल प्रदर्शनी का विषय बच्चों की नजर से दुनिया की खोज पर केंद्रित था। इस प्रदर्शनी में विभिन्न आयु वर्ग के 18 छात्रों ने भाग लिया। कल्चर चौराहा की संस्थापक रितु संगल ने कहा किए पेंटिंग भी मैडिटेशन यानी ध्यान का एक रूप है और इसने वास्तव में इन बच्चों को महामारी के दौरान तनाव और चिंता से निपटने में मदद की है। रितु संगल एक कला शिक्षिका भी हैं और पिछले 34 वर्षों से युवा छात्रों को एक्सप्रेसिव आर्ट थेरेपी की कला सिखा रही हैं। आतिशी ने सहसंस्थापकों को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। विधायक आतिशी ने कला को हमारे स्कूलों के मुख्य धारा पाठ्यक्रम में लाने के महत्व पर भी जोर दिया।

शिक्षकों को फिर से दी कोविड ड्यूटी की जिम्मेदारी

शहजाद सैफ, सद्भावना टुडे संवाददाता

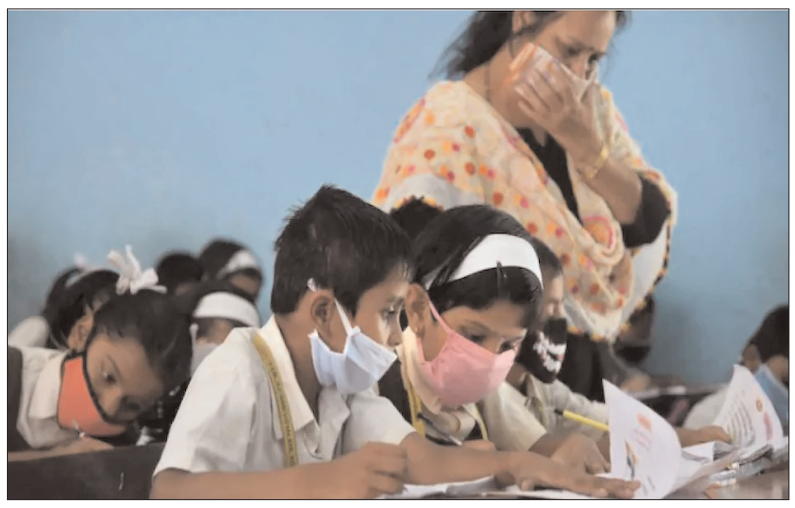

नई दिल्ली। राजधानी में कोरोना की बढ़ती रफ्तार को देखते हुए एक बार फिर से शिक्षकों को कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन कराने को लेकर जिम्मेदारी सौंपी गई है। दिल्ली के अलग-अलग जिला कार्यालयों की ओर से शिक्षकों की ड्यूटी के संबंध में आदेश जारी किए गए हैं, जिसे लेकर शिक्षकों में रोष भी है।

शाहदरा जिला की ओर से 50 पीआरटी, टीजीटी, पीजीटी शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। इस संबंध में शिक्षकों को सीमापुरी एसडीएम को रिपोर्ट के निर्देश दिए गए हैं। इनका अनुपालन न करने पर उचित कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। इसी प्रकार से दक्षिण-पश्चिम जिला की ओर से शिक्षकों की कोविड ड्यूटी के संबंध में आदेश जारी किया गया है। बता दें कि एक अप्रैल से नए शैक्षणिक सत्र में स्कूलों को छात्रों के लिए पूरी क्षमता के साथ खोला गया था। सत्र शुरू होने से पहले जब कोरोना के मामलों में गिरावट आ थी तो शिक्षकों को वापस शिक्षण कार्य के लिए बुला लिया गया था। लेकिन, अब दोबारा से कोविड ड्यूटी में लगा दिया गया है। राजकीय विद्यालय शिक्षक संघ जिला पश्चिमी-ए के सचिव संतराम ने कहा कि हाल में स्कूल सभी छात्रों के लिए खुले थे। शिक्षकों की कोविड ड्यूटी से शिक्षण कार्य प्रभावित होने की संभावना रहती है। स्कूलों में मिशन बुनियाद कार्यक्रम चल रहा है। बोर्ड की परीक्षा भी होनी है। ऐसे में शिक्षकों की ड्यूटी कुछ समय बाद भी लगाई जा सकती थी।

रेलवे स्टेडियम में आयोजित किया योग अभ्यास सत्र, सभी जोन, मंडल, यूनिट्स में होगा आयोजन

नई दिल्ली,एजेंसी। स्वस्थ और निरोगी जीवन के लिए रेल कर्मियों को योगाभ्यास हेतु प्रोत्साहित करने के लिए भारतीय रेल ने आज नई दिल्ली के करनैल सिंह स्टेडियम में योग अभ्यास सत्र का आयोजन किया। यह कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से एक कदम पहले के रूप में आयोजित किया गया है। इस सत्र में रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव, रेलवे बोर्ड अध्यक्ष एवं सीईओ वीके त्रिपाठी एवं रेलवे बोर्ड के अन्य सदस्य, उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक आशुतोष गंगल तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों, खिलाडि़यों, रेल कर्मचारियों ने भाग लिया। सत्र के दौरान पतंजलि योगपीठ के दिल्ली प्रांत प्रभारी श्याम गुप्ता ने योग आसन करवाए। इसी प्रकार के सत्रों का आयोजन अन्य क्षेत्रीय रेल मुख्यालय, मंडल, यूनिट्स, कारखानों और रेलवे के सार्वजनिक उपकरणों में भी किया गया। बता दें कि पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून, 2015 को मनाया गया। योगासनों के समग्र और सूक्ष्म स्वरूप ने कोरोना महामारी के बाद रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और मानसिक व भावनात्मक स्थिरता का विकास करने में मदद की है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से एक कदम पहले भारतीय रेलवे ने योग के लाभ के संबंध में जागरूकता फैलाने के लिए इस सत्र का आयोजन किया। इस अवसर पर रेलमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने पश्चिमी दुनिया का योग से परिचय करवाया। विश्व को एक बार फिर से योग के प्रति जागरूक करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र जनरल एसेम्बली में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का प्रस्ताव दिया है।

7 से 15 वर्ष की आयु के युवा कलाकारों ने कलाकृतियों में दिखाई उल्लेखनीय रचनात्मकता-आतिशी

शाहनवाज सैफ, सद्भावना टुडे संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं कालकाजी से विधायक आतिशी ने 'कल्चर चौराहा' द्वारा आयोजित 22वें वार्षिक कला उत्सव का उद्घाटन किया। इस वर्ष के उत्सव की थीम थ्रू द आई ऑफ ए चाइल्ड (Through the Eyes of a Child) थी। प्रदर्शनी का आयोजन अर्पणा कौर आर्ट गैलरी में किया गया था। इस आयोजन में 7 से 15 आयु वर्ग के छात्रों ने भाग लिया और अपने चित्रकला कौशल का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी का आयोजन कोविड महामारी के कारण दो साल के अंतराल के बाद किया गया था। विधायक आतिशी ने कहा कि आज इस कार्यक्रम में भाग लेना सम्मान की बात है। एक कलाकार के रूप में ये छात्र उम्र में भले ही कम उम्र के लगें, लेकिन उनकी पेंटिंग बहुत परिपक्व हैं।

इस साल प्रदर्शनी का विषय बच्चों की नजर से दुनिया की खोज पर केंद्रित था। इस प्रदर्शनी में विभिन्न आयु वर्ग के 18 छात्रों ने भाग लिया। कल्चर चौराहा की संस्थापक रितु संगल ने कहा कि, पेंटिंग भी मैडिटेशन यानी ध्यान का एक रूप है और इसने वास्तव में इन बच्चों को महामारी के दौरान तनाव और चिंता से निपटने में काफ़ी मदद की है। रितु संगल एक कला शिक्षिका भी हैं और पिछले 34 वर्षों से युवा छात्रों को एक्सप्रेसिव आर्ट थेरेपी की कला सिखा रही हैं। आतिशी ने सह-संस्थापकों को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। विधायक आतिशी ने कला को हमारे स्कूलों के मुख्य धारा पाठ्यक्रम में लाने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, यदि हम सभी अपने स्कूल के दिनों को याद कर सकते हैं, तो शायद हम मुख्यधारा के विषयों के बजाय कक्षाओं के बाहर अपने अनुभवों से अधिक सीखते हैं। विधायक आतिशी ने व्यक्ति के समग्र विकास में कला के महत्व के बारे में भी बताया। अयान, जिसकी उम्र केवल 7 वर्ष है, प्रदर्शनी में भाग लेने वालों में से एक था। उन्होंने कहा, मेरे लिए मेरी कला जीवन के प्रति मेरी भावनाओं की अभिव्यक्ति का एक रूप है। अयान महान पेंटर पिकासो को अपना आदर्श मानते है और बड़े हो कर उनकी तरह कई उत्कृष्ट कृतियों को बनाने की तम्मना रखते है। विधायक आतिशी के साथ, प्रदर्शनी में सांस्कृतिक चौराहा के दो सह-संस्थापकों और कई स्कूल के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया, जिन्हें इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। प्रदर्शनी मई 23, 2022 तक www.culturechauraha.com पर ऑनलाइन देखी जा सकती है।

राजधानी में इस सप्ताह छह डिग्री तक अधिक रहेगा तापमान

नई दिल्ली। राजधानी में इस सप्ताह तापमान सामान्य से छह डिग्री अधिक रहने के आसार हैं। 25 से 30 अप्रैल के बीच अधिकतम तापमान 41 से 44 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 से 25 डिग्री सेल्सियस तक रहने का अनुमान है। 28 से 30 अप्रैल के बीच मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। इन तीन दिनों के दौरान लू चलेगी और तेज धूप रहेगी। दिनभर मौसम साफ रहेगा। अधिकतम तापमान 44 डिग्री तक रहेगा। दिल्ली में रविवार को अधिकतम तापमान 39.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वर्ष 2021 और 2020 में 24 अप्रैल के दिन यह क्रमश-33.6 डिग्री और 35.6 डिग्री सेल्सियस रहा था। मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ के नहीं आने और बारिश नहीं होने से इस बार अप्रैल माह में तापमान अधिक है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 25 अप्रैल को कुछ इलाकों में बादल छाए रहेंगे, वहीं कहीं-कहीं धूलभरी आंधी और गरज-चमक के साथ मामूली बूंदाबादी भी हो सकती है। रविवार को दिल्ली में प्रदूषक कण पीएम-10 की मात्रा 263 अंक और पीएम-2.5 की मात्रा 103 अंक रही। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की वायु गुणवत्ता निगरानी एजेंसी सफर के मुताबिक अगले कुछ दिन प्रदूषक तत्व खराब श्रेणी में रहेंगे। 25 अप्रैल को पीएम-10 खराब श्रेणी में 289 और पीएम-2.5 खराब श्रेणी में 113 अंक रहने के आसार हैं। इसी तरह 26 अप्रैल को पीएम-10 खराब श्रेणी में 342 और पीएम-2.5 बेहद खराब श्रेणी में 134 रहने के अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक पिछले कुछ सालों में 26 से 30 अप्रैल के बीच अधिकतम तापमान 38.6 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहा था। इस बार यह पांच से छह डिग्री तक अधिक रहेगा। 28 से 30 अप्रैल के बीच अधिकतम तापमान 44 और न्यूनतम तापमान 24 से 25 डिग्री सेल्सियस तक रहने का अनुमान है।

जहांगीरपुरी हिंसाः हिंदू-मुस्लिम निवासियों ने निकाली तिरंगा यात्रा, घरों पर भी फहराए गए झंडे

नई दिल्ली। दिल्ली के जहांगीरपुरी के दंगा प्रभावित इलाके के हिंदू और मुस्लिम निवासियों ने रविवार को तिरंगा यात्रा निकाली। यात्रा पर लोगों ने फूलों की पंखुड़ियां चढ़ाते हुए नजर आए इसके साथ-साथ इलाके के सभी घरों पर तिरंगा फहरत नजर आया। शाम छह बजे शुरू हुई तिरंगा यात्रा का मकसद शांति का संदेश देना है। जहांगीरपुरी इलाके के सी, बी और डी ब्लॉक में भी सांप्रदायिक सौहार्द का संदेश देदे नजर आए। तिरंगा यात्रा के लिए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात था। पुलिस ने बताया कि दोनों समुदायों के 50-50 लोग यात्रा में हिस्सा ले रहे हैं। उत्तर-पश्चिम दिल्ली की पुलिस उपायुक्त उषा रंगानानी ने कहा कि जुलूस के लिए सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। यात्रा का उद्देश्य शांति का बढ़ावा देना और सामान्य स्थिति बहाल करना है। बता दें कि 16 अप्रैल को हनुमान जयंती के जुलूस के दौरान दिल्ली के जहांगीरपुरी में दो समूहों के बीच सांप्रदायिक झड़प हो गई थी, जिसमें नौ लोग घायल हो गए। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने हिंसा की जांच शुरू कर दी है और मामले में अब तक 25 लोगों और दो नाबालिगों को गिरफ्तार किया गया है। दिल्ली पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना ने शुक्रवार को खुद जहांगीरपुरी हिंसा के मास्टरमाइंड अंसार से पूछताछ करने के बाद क्राइम ब्रांच के अधिकारियों से इस मामले में विस्तृत जांच रिपोर्ट तैयार करने को कहा है। जहांगीरपुरी निवासी अंसार फिलहाल पुलिस रिमांड में है। सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच और स्थानीय पुलिस जहांगीरपुरी हिंसा के आरोपी अंसार की कॉल डिटेल और वॉट्सऐप चैट की जांच कर रही है।

देश के प्रधानमंत्री की प्रेरणा से एवं आजादी के अमृत महोत्सव की थीम पर

शोएब आलम, रिपोर्टर संद्भावना टुडे

नई दिल्ली। माननीय प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत मिशन के दृष्टिकोण और पूरे देश में भारत की आजादी के 75 साल को आजादी का अमृत महोत्सव (ञ्चरू) के रूप में मनाए जाने के उपलक्ष्य में, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) आम जनता के बीच आजादी का अमृत महोत्सव आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में अफ्रीका एवेन्यू रोड से सत्य मार्ग राउंड-अबाउट तक एक थीम आधारित "AKAM" चौराहा विकसित करेगा और सफदरजंग फ्लाईओवर पर 75 स्वतंत्रता सेनानियों और उनके उद्धरणों की खूबसूरत पेंटिंग्स को व्यू-कटर साइड वॉल / रेलिंग द्वारा विकसित करके प्रदर्शित करेगी, यह सूचना एनडीएमसी के उपाध्यक्ष, श्री सतीश उपाध्याय ने दी। विवरण देते हुए श्री उपाध्याय ने कहा कि रेलवे ब्रिज के अंडर पास और खंभों तक पहुंचने वाली दोनों ओर की दीवारों को प्रसिद्ध कलाकार/एनजीओ द्वारा थीम आधारित कलात्मक कृतियों से खूबसूरती से रंगा गया है। सरोजिनी नगर डिपो से सत्य मार्ग चौराहे तक अफ्रीका एवेन्यू रोड से कवर किए गए लंबे खंड क्षेत्र को "AKAM" चौराहा / क्षेत्र के रूप में विकसित किया गया है। उन्होंने कहा कि यह चित्रकलाऐ विभिन्न विषयों में विभाजित की जाएगी जिसमें प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों के चित्र, दांडी मार्च, दिल्ली की ऐतिहासिक स्मारक, योग और प्राचीन मुद्राओं को रेलवे पुल के खंभों पर खूबसूरती से कलात्मक डिजाइन में प्रदर्शित किया जाता है ताकि जनता को इसके स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रेरित किया जा सके। उन्होंने आगे बताया कि परियोजना की कुल अनुमानित लागत लगभग 24 लाख रुपये है और साइट पर काम शुरू कर दिया गया है।

सफदरजंग फ्लाईओवर की परियोजना का विवरण देते हुए उन्होंने बताया कि 75 स्वतंत्रता सेनानियों के फोटो और उद्धरणों (कोट) को सफदरजंग फ्लाईओवर पर व्यू-कटर के रूप में एसीएम बोर्ड पर चिपकाए गए रेट्रो-रिफ्लेक्टिव शीट पर डिजिटल पेंटिंग पर बनाए जाएंगे। उन्होंने आगे बताया कि सफदरजंग फ्लाईओवर रेलिंग पर मौजूदा ऐक्रेलिक शीट व्यू-कटर वीवीआईपी संचालन की सुरक्षा और बचाव के लिए लगाए गए हैं, लेकिन इन्हें अक्सर तोड़ दिया जाता है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित व्यू-कटर न केवल क्षेत्र की सुंदरता को बढ़ाएंगे बल्कि टिकाऊ और लंबे समय तक चलने वाले भी होंगे । वह से गुजरने वाले लोगों द्वारा स्टेट ऑफ आर्ट व्यू-कटर चित्रों को देखा जाएगा।

उन्होंने यह भी बताया कि इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत 75 लाख रुपए है। उन्होंने कहा कि समयबद्ध तरीके से टेंडर की औपचारिकताएं पूरी होने के बाद जल्द ही काम सौंपा जाएगा। श्री उपाध्याय ने कहा कि यह पहल उन गुमनाम नायकों की कहानियों को जीवंत करने में मदद करेगी जिनके बलिदानों ने स्वतंत्रता को एक वास्तविकता रूप दिया है और 15 अगस्त, 1947 की ऐतिहासिक यात्रा में मील के पत्थर, स्वतंत्रता आंदोलनों आदि की भी समीक्षा की है। श्री उपाध्याय ने कहा कि भारत के माननीय प्रधान मंत्री ने पहले ही 2014 के दौरान प्रत्येक शहर में बाजार क्षेत्रों, सार्वजनिक स्थानों, सड़कों, पार्कों आदि में स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए स्वच्छता मिशन की घोषणा की थी। इस पहल के पीछे एनडीएमसी का मकसद एनडीएमसी क्षेत्र को सुशोभित करना और आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 में 7 स्टार रैंकिंग हासिल करना है। उन्होंने कहा कि टीम एनडीएमसी भारत के माननीय प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण को सच्ची भावना के साथ लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

आप विधायक नरेश बाल्यान ने कहा- यह है तालिबानी सोच, दर्ज होना चाहिए मुकदमा

नई दिल्ली। अपने एक ट्वीट में भारतीय सेना को कायर लिखने वाले पत्रकार रिफत जावेद पर आप विधायक नरेश बाल्यान जमकर बरसे हैं। मामला यह है कि जम्मू कश्मीर में भारतीय सेना की ओर से इफ्तार पार्टी देने के बाद उसकी फोटो ट्वीट की गई थी। इसमें भारतीय सेना की ओर से लिखा गया कि धर्मनिरपेक्षता की परंपरा को जिंदा रखने के लिए भारतीय सेना की ओर से डोडा जिले में इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। बाद में सेना की ओर से इस ट्वीट को डिलीट कर दिया गया। इसपर रिफत जावेद ने भारतीय सेना को लिखा कि धर्मनिरपेक्षता को लेकर किए गए ट्वीट की रक्षा तो कर नहीं सके। इन कायरों से उम्मीद करते हैं कि देश की रक्षा करेंगे। इस पर उत्तम नगर से आम आदमी पार्टी के विधायक नरेश बाल्यान एक के बाद एक ट्वीट करते हुए रिफत पर जमकर बरसे। नरेश बाल्यान ने अपने ट्वीट में लिखा, देखो इस तालिबानी को, भारतीय फौज को कायर बोल रहा है। देश छोड़ के अफगानिस्तान क्यों नहीं चले जाते तालिबानी ?। इस पर तो मुकदमा होना चाहिए। अपने दूसरे ट्वीट में उन्होंने लिखा कि किसी पीआर कंपनी ने ट्वीट डिलीट किया तो इस तालिबानी ने पूरे भारतीय फौज को कायर कह गाली दी। ये और लश्कर दोनों में फर्क क्या है। ये भी विदेश में बैठकर भारतीय सेना को डरपोक बोल रहा है और लश्कर वाले भी। खैर, भारतीय सेना अच्छे से इलाज करना जानती है ऐसे आतंकियों की। बहुतों का किया है।

एक नजर

नोएडा जलवायु टावर में आरडब्ल्यूए कार्यकारिणी का गठन, इन लोगों को मिली जिम्मेदारी

नोएडा,एजेंसी। सेक्टर-47 जलवायु टावर रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन की बोर्ड बैठक में कार्यकारिणी का गठन हुआ है। जिसमें मनीष शुक्ला अध्यक्ष और प्रवीण सेठ महासचिव चुने गए। वहीं, उपाध्यक्ष राजेश सूरी और कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी हरीश त्रिपाठी की दी गई। अध्यक्ष मनीष शुक्ला ने कहा कि टावरों की लिफ्टों का आधुनिकीकरण, ग्रिट रिपेयर का कार्य पूर्ण करना पहले चरण में आरडब्ल्यूए टीम की प्राथमिकता में होगा। वहीं कोषाध्यक्ष हरीश त्रिपाठी ने कहा कि पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए पूर्व में एक डीजी सेट का पीएनजी करण, एक टावर पर सौर संयंत्र लगाया गया था। जिसे इस सत्र में और आगे बढ़ाया जाएगा। इसके साथ ही अधिकतम ग्रीन ऊर्जा के लिए टीम प्रयास करेगी। महासचिव प्रवीण सेठ ने कहा कि क्लब हाउस का नवीनीकरण किया जाएगा। उपाध्यक्ष राजेश सूरी ने कहा कि आरडब्ल्यूए की टीम ने कोरोना काल में किए अच्छे कार्यों को आगे बढ़ाते हुए इसे जारी रखेगा। सेक्टर-47 जलवायु टावर में पिछले रविवार 17 अप्रैल को आरडब्ल्यूए के बार्ड ऑफ मेंबर्स का चुनाव हुआ था। जिसमें चुनाव अधिकारी एवीएम जेएस पनेशर, एमके गुप्ता और अनिल नेगी की निगरानी में हुए चुनाव में मनीष शुक्ला पैनल जीत था। जिसके बाद इन चारों बोर्ड मेंबर्स में से बैठक के बाद पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई। जिसमें मनीष शुक्ला अध्यक्ष, प्रवीण सेठ महासचिव, हरीश त्रिपाठी कोषाध्यक्ष, राजेश सूरी उपाध्यक्ष, गौरव अत्री संयुक्त सचिव बनाए गए। वहीं एके भट्टाचार्य और आसीम अफसर को एग्जिक्यूटिव मेंबर बनाया गया।

उधार पैसे मांगने पर युवक के प्राइवेट पार्ट पर किया हमला, 3 गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा,एजेंसी। दादरी के बादलपुर छपरौला बस स्टैंड के पास पड़ोस के कुछ लोगों ने एक युवक के घर में घुसकर उसके प्राइवेट पार्ट को काटने का प्रयास किया। परिवार वालों ने बेहोश युवक को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़ित के परिजनों ने बादलपुर थाना शिकायत दर्ज की है। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए एक ही परिवार के तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया की गिरधरपुर गांव निवासी प्रिंस कुमार 4 दिन पहले ड्यूटी से आने के बाद अपने घर पर बैठा था। तभी अचानक पड़ोस के एक घर में रहने वाले तीन लोग जयप्रकाश, शिवकुमार और कैलाश जबरदस्ती घर में घुस आए और गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने पीड़ित के प्राइवेट पार्ट पर हमला कर दिया। जिसकी वजह से प्रिंस बेहोश होकर गिर पड़ा। परिजनों ने प्रिंस को बेहोशी की हालत में गाजियाबाद के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। परिजनों का आरोप है कि करीब 1 साल पहले मकान निर्माण के लिए पड़ोस में रहने वाले आरोपियों ने 40 हजार रुपए उधार लिए थे। 19 अप्रैल को पैसे वापस मांगने पर आरोपितों ने शाम को हमला कर जान से मारने का प्रयास किया है। बादलपुर के एसएचओ रविंद्र कुमार ने बताया कि प्राइवेट पार्ट को क्षतिग्रस्त करने के प्रयास में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस मामले की कार्रवाई कर रही है।

हरेरा ने आरडब्ल्यूए को सौंपे ग्रेटर फरीदाबाद के दो टावर

फरीदाबाद। ग्रेटर फरीदाबाद, सेक्टर-80 स्थित कैलिफोर्निया कंट्री के अधूरे पड़े दो टावर का बकाया काम अब स्थानीय आरडब्ल्यूए करेगी। हरियाणा रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथारिटी (हरेरा) ने ये आदेश दिया है। इससे 223 फ्लैटधारकों को बड़ी राहत मिल गई है। अब फ्लैट धारकों को अपनी बकाया राशि बिल्डर की बजाए आरडब्ल्यूए को देनी होगी, जिससे फ्लैटों में बचा हुआ काम पूरा होगा। बता दें बिल्डरों से परेशान काफी लोग हरेरा का दरवाजा खटखटा चुके हैं। टावर सी में फ्लैट बुक कराने वाले विनोद मलिक ने बताया कि टावर का निर्माण 2006 में शुरू हुआ था। इसके बाद लोगों ने फ्लैट बुक कराने शुरू कर दिए। उन्होंने भी एक फ्लैट बुक कराया। इसके बाद अभी तक फ्लैटों का निर्माण पूरा नहीं हो सका है। इस वजह से यहां कब्जा नहीं मिला। ढेर सारी शिकायतें शासन-प्रशासन व बिल्डर को दी, लेकिन समाधान नहीं हो सका। लोग कई साल से इधर-उधर भटकते रहे, लेकिन कोई सुनवाई करने वाला नहीं मिला। इसके बाद 2019 में हरेरा में केस दायर किया गया। कई सुनवाई के बाद अब उनके पक्ष में फैसला आया है। उनके टावर सी में 95 फ्लैट हैं। जेमिनी डूपलैक्स में फ्लैट बुक कराने वाले मुकेश खंडूजा ने बताया कि उनके टावर में 128 फ्लैट हैं। वे बिल्डर को फ्लैट की कीमत का 95 फीसद तक अदा कर चुके हैं। अब हरेरा ने आदेश दिए हैं कि सभी फ्लैटधारकों से बकाया पैसा लेकर फ्लैटों का निर्माण पूरा कराया जाए। बिल्डर की किसी भी देनदारी का फ्लैटधारकों को कोई मतलब नहीं है। अब टावर का बकाया निर्माण पूरा कराने के लिए एक कमेटी का गठन किया जाएगा। इसका सदस्य सभी फ्लैटधारकों को बनना जरूरी है। जो सदस्य नहीं बनेगा, उसका फ्लैट कैंसिल करने का अधिकार हरेरा की ओर से कमेटी को दे दिया गया है। विनोद मलिक व मुकेश खंडूजा ने बताया कि वे सभी फ्लैटधारकों से संपर्क कर रहे हैं, ताकि जल्द बचा हुआ काम पूरा कराया जा सके।

दिल्ली क्लाउड किचन नीति तैयार करने के लिए डीडीसी 26 अप्रैल को क्षेत्र से जुड़े लोगों से करेगा चर्चा

शबाना बेगम,सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली के डायलॉग एंड डेवलपमेंट कमीशन और उद्योग विभाग की ओर से दिल्ली सचिवालय में 26 अप्रैल को दिल्ली के क्लाउड किचन नीति को लेकर विभिन्न क्लाउड किचन ऑपरेटरों के साथ चर्चा आयोजित की जाएगी। क्लाउड किचन को बढ़ावा देने का प्रस्ताव केजरीवाल सरकार के रोज़गार बजट 2022-23 का हिस्सा था। जिसमें दिल्ली में 5 वर्षों में 20 लाख नौकरियां पैदा करने की योजना थी।

डीडीसी उपाध्यक्ष जस्मिन शाह की अध्यक्षता में नीति परामर्श के लिए सभी प्रमुख क्लाउड किचन ऑपरेटरों और खाद्य वितरण एग्रीगेटर्स को आमंत्रित किया है, यह सुनिश्चित करने के लिए कि आगामी नीति में सभी स्टेकहोल्डर्स के लिए सकारात्मक परिणाम देने की क्षमता है। इस चर्चा का उद्देश्य दिल्ली के क्लाउड किचन ऑपरेटरों के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों को समझना और पूरे दिल्ली में क्लाउड किचन क्लस्टर स्थापित करने की क्षमता और व्यवहार्यता की खोज करना होगा। दिल्ली के 2022-23 के बजट सत्र के दौरान उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने राजधानी में खाद्य और पेय पदार्थ (एफएंडबी) उद्योग के लिए क्लाउड किचन नीति तैयार करने की दिल्ली सरकार की योजना का ऐलान किया। सरकार का नीतिगत थिंक टैंक डीडीसी दिल्ली और उद्योग विभाग के सहयोग से क्लाउड किचन के लिए भूमि और अन्य प्रोत्साहनों के प्रावधान पर विचार कर रहा है। ऐसी इकाइयों के लिए लाइसेंस नियमों में ढील और दिल्ली में विभिन्न लैंड पार्सल में प्लग एंड प्ले सुविधाओं के साथ क्लाउड किचन क्लस्टर स्थापित करने पर विचार कर रही है। डीडीसी दिल्ली के उपाध्यक्ष जस्मिन शाह ने कहा कि यह पहली बार है जब किसी राज्य सरकार ने क्लाउड किचन को खाद्य उद्योग में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता के रूप में मान्यता दी है, क्लाउड किचन में निवेश आकर्षित करने, एफ एंड बी क्षेत्र के बाजार के आकार को बढ़ाने और बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा करने की बहुत बड़ी क्षमता है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के विजन को साकार करने के लिए हम पूरी दिल्ली में साझा वाणिज्यिक रसोई स्थानों की स्थापना को प्रोत्साहित करके, इस क्षेत्र के विकास को और सुविधाजनक बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दिल्ली में क्लाउड किचन की संख्या हर साल 20 फीसदी से अधिक की दर से बढ़ रही है। वर्तमान में शहर में 20 हजार से अधिक क्लाउड किचन सक्रिय हैं, जो लगभग 2 लाख लोगों को प्रत्यक्ष और लगभग 50 हजार लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करते हैं। क्लाउड किचन 2024 तक भारत में 2 बिलियन डॉलर का उद्योग बनने के लिए तैयार हैं। 2019 में 400 मिलियन डॉलर से अधिक रहा है। क्लाउड किचन फूड एग्रीगेटर्स / ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑर्डर लेकर ग्राहक के दरवाजे पर खाना पहुंचाते हैं। इसमें कोरोना महामारी के दौरान एक महत्वपूर्ण उछाल देखा गया। अब कई रेस्तरां क्लाउड किचन सेटअप पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जो डाइन-इन के बजाय भोजन डिलीवरी के लिए बनाए गए हैं।

सीबीएसई टर्म-2 की परीक्षाएं आज से, 36400 परीक्षार्थी होंगे शामिल

फरीदाबाद,एजेंसी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ओर से टर्म-2 की परीक्षाएं 26 अप्रैल यानि मंगलवार से आयोजित की जा रही हैं। जिले में परीक्षा के लिए कुल 41 केंद्र बनाए गए हैं। इन केंद्रों पर 10वीं और 12वीं के कुल 36400 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। जिला स्तर पर परीक्षाओं तैयारी पूरी करने का दावा किया जा रहा है। डेटशीट के मुताबिक 10वीं कक्षा की परीक्षाएं 24 मई तक, जबकि 12वीं की परीक्षाएं 15 जून तक चलेंगी।

26 अप्रैल को 10वीं व 12वीं के परीक्षार्थी मंगलवार को वैकल्पिक विषयों की परीक्षा देंगे। इस बार 10वीं कक्षा के 19 हजार छात्र और 12वीं कक्षा के 17400 छात्र पंजीकृत हैं। सीबीएसई की ओर से जारी निर्देशानुसार परीक्षा केंद्रों पर कोरोना संक्रमण से बचाव पर विशेष ध्यान दिया गया है। एक कमरे में 18 परीक्षार्थी ही बिठाए जाएंगे। एक कमरे में निगरानी के लिए दो पर्यवेक्षक तैनात रहेंगे। छात्रों को प्रवेश पत्र पर दिए गए सभी निर्देशों का पालन करना होगा। परीक्षा शुरू होने से आधे घंटे पहले प्रवेश बंद हो जाएगा। 10 बजे के बाद छात्रों को परीक्षा केंद्रों में प्रवेश की अनुमति नहीं मिलेगी। प्रश्न पत्र पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया जाएगा। जिला संयोजक (सीबीएसई) नीलिमा जैन ने कहा कि परीक्षा के दौरान परीक्षार्थियों को सभी कोरोना प्रोटोकाल का पालन करना होगा। परीक्षार्थियों का मास्क लगाना आवश्यक है। पारदर्शी बोतल में सैनिटाइजर लेकर आना होगा। परीक्षार्थी पानी की बोतल साथ लेकर जा सकते हैं।

परिवहन विभाग गौतमबुधनगर के द्वारा रोटरी क्लब ग्रेटर नोयडा के सहयोग से चतुर्थ सड़क सुरक्षा सप्ताह का समापन समारोह मनाया गया

अशोक कुमार, सद्भावना टुडे संवाददाता

गौतमबुधनगर। शासन के निर्देश के क्रम में परिवहन विभाग गौतमबुधनगर के द्वारा रोटरी क्लब ग्रेटर नोयडा के सहयोग से चतुर्थ सड़क सुरक्षा सप्ताह का समापन समारोह कार्यक्रम जगत फार्म गोलचक्कर (बीटा 1 की तरफ),ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्ध नगर पर मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री गणेश प्रसाद साहा,डीसीपी ट्रैफ़िक-गौतमबुद्ध नगर रहे। डीसीपी ट्रैफिक महोदय ने उपस्थित जनमानस से यातायात के नियमों का पालन करके जनपद में सड़क पर सफर को सुरक्षित बनाने में सहयोग का आह्वान किया और इस कार्य हेतु सिविल सोसाइटी की महत्वपूर्ण भूमिका होने पर बल दिया। उनके द्वारा रोटरी क्लब के सदस्यों को RWAs आदि से जुड़कर अधिकाधिक ट्रैफ़िक वोलिंटियर बनने के लिये जनपद वासियो को प्रेरित करने व ट्रैफ़िक नियमों का पालन करने के लिए कहा।

इस अवसर पर ए.आर.टी.ओ.(प्रवर्तन) दीपक कुमार शाह जी ने चतुर्थ सड़क सुरक्षा सप्ताह (18 अप्रैल 2022 से 24 अप्रैल 2022) तक परिवहन विभाग - गौतमबुद्ध नगर के द्वारा यातायात पुलिस व अन्य स्टेक होल्डर्स के समन्वय से रोज़ाना चलने वाले अवेयरनेस प्रोग्राम व सद्भावपूर्ण चेकिंग की कार्यवाही के वारे में अवगत कराया। कार्यक्रम में रोटरी क्लब के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल जी व अन्य पदाधिकारियों के द्वारा यातायात नियमों के पालन एवं सड़क सुरक्षा के उद्देश्य को पूर्ण करने में आमजन की सक्रिय भागीदारी का आश्वासन देते हुए निरंतर अपने दायित्व का निर्वहन करने की बात कही। इस कार्यक्रम में लोगों को जागरूक कर, जिन दोपहिया वाहन चालकों के पास हेलमेट नहीं थे,उनको क्लब की तरफ़ से हेलमेट देकर, उनको स्वयं एवं अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी यातायात के नियमों के पालन के लिए प्रेरित करने की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर यात्री कर अधिकारी,गौतम बुद्ध नगर डॉ. ज्योति मिश्रा के द्वारा सड़क सुरक्षा एवं यातायात के नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए महिलाओं की सक्रिय भूमिका के महत्व पर प्रकाश डाला गया और इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए महिलाओं को स्वयं वाहन चलाते समय नियमानुसार हेलमेट/सीट बेल्ट इत्यादि का प्रयोग करने और परिवार के सदस्यों को इसके लिए निरंतर प्रेरित करने के लिए आह्वान किया। कार्यक्रम में रोटरी क्लब अध्यक्ष अशोक अग्रवाल, कपिल गुप्ता, मुकुल गोयल, कपिल शर्मा, विकास गर्ग, विनय गुप्ता, अनिल चौधरी, शुभम गोयल, परविंदर चौहान, मनोज गोयल, सचिन गर्ग, राकेश शर्मा आदि सदस्य एवं समाजसेवी सरदार मनजीत सिंह, हरेंद्र भाटी हेलमेट मैन राघवेंद्र कुमार, अजय निगम, ट्रांसपोर्ट यूनियन के प्रतिनिधि आदि लोग भी मोजूद रहे। इसके अतिरिक्त परिवहन विभाग के प्रवर्तन अधिकारियों के द्वारा यातायात पुलिस की टीम के साथ संयुक्त चेकिंग में पार्किंग नियमों का उल्लंघन करने वाले 47 वाहनों के विरुद्ध चालान की कार्यवाही की ।साथ ही ओवरलोड माल का परिवहन करने वाले 07, अनधिकृत रूप से संचालित 04, नियमानुसार रिफ्लेक्टिव टेप का वाहन पर प्रयोग ना करने वाले 06, रॉन्ग साइड वाहन चलाने वाले पांच वाहनों, बिना हेलमेट का प्रयोग कर दो पहिया वाहन चलाने वाले अट्ठारह वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तन कार्यवाही कर सद्भावपूर्ण चेकिंग अभियान नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा एरिया में चलाया गया तथा 03 यात्री वाहनों को नियमानुसार प्रपत्र न होने के अभियोग में पुलिस थाना बीटा 2 व नॉलेज पार्क में निरुद्ध भी किया गया। इस चेकिंग अभियान के दौरान प्रवर्तन अधिकारियों के द्वारा चालकों को यातायात नियमों का पालन करने, वाहनों के प्रपत्र नियमानुसार अद्यतन रखने, रात्रि के समय वाहन चलाते समय लो बीम/हाई बीम लाइट का उचित प्रयोग करने,ओवरस्पीडिंग ना करने, नशा करके वाहन ना चलाने, पार्किंग नियमों का पालन करने,स्टंट आदि ना करने के संबंध में व्यक्तिगत रूप से काउंसलिंग भी की गई।

इंटरपोल की मदद से नेपाल में ढूंढा गायब शेफ

फरीदाबाद,एजेंसी। तीन महीने पहले कभी वापस न लौटने की कहकर घर से निकले शेफ को क्राइम ब्रांच एनआइटी ने इंटरपोल की मदद से नेपाल में ढूंढ निकाला। नेपाल से लाकर शेफ को रविवार उसके स्वजन को सौंप दिया है। परिवार वाले उसे ढूंढकर थक चुके थे। शेफ को वापस पाकर उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा ने इस कार्य के लिए क्राइम ब्रांच एनआइटी को प्रथम श्रेणी प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया है। पल्ला क्षेत्र निवासी सुनीता देवी ने 23 फरवरी को पल्ला थाने में आकर पति भरत सिंह की गुमशुदगी की सूचना दी थी। उसने बताया कि उसके पति पिछले 15 साल से यूरोप में शेफ की नौकरी करते थे। वह हर साल दो-तीन महीने की छुट्टी लेकर घर आते थे। इस बार भरत सिंह 19 जनवरी को यूरोप से घर आए थे। घर में उनका पत्नी के साथ किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। 1 फरवरी को वह नाराज होकर घर से चले गए। जाते हुए कह गए कि अब कभी लौटकर नहीं आएंगे। सुनीता ने पति की तलाश के लिए हर संभव प्रयास किया। रिश्तेदारों में भी पता किया, मगर भरत सिंह का कुछ पता नहीं चला। थककर उसने पुलिस को सूचना दी। पल्ला थाना पुलिस ने भी अपने स्तर पर भरत सिंह की तलाश की मगर कुछ जानकारी नहीं मिली।

इसके बाद सुनीता पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा से मिली और पति को ढूंढने की गुहार लगाई। पुलिस आयुक्त ने क्राइम ब्रांच एनआइटी प्रभारी नरेंद्र शर्मा को भरत सिंह को ढूंढने की जिम्मेदारी सौंपी। नरेंद्र शर्मा ने हवलदार रोहताश, सिपाही सुमित और नरेश के साथ मिलकर इस मामले की जांच शुरू की। तकनीक की सहायता से उन्होंने पता लगाया कि भरत सिंह नेपाल में है। टीम यहां से नेपाल के लिए रवाना हो गई। वहां इंटरपोल की सहायता से पता लगाया कि नेपाल में भरत सिंह एक बड़े कसीनो में काम करते हैं। वहां बड़ी मशक्कत के बाद भरत सिंह को ढूंढा जा सका। पत्नी से झगड़ा न करने की हिदायत देकर उन्हें स्वजन को सौंप दिया।

एसएसपी ने दिया बलवा ड्रिल का प्रशिक्षण व कराया अभ्यास

गाज़ियाबाद,एजेंसी। हरसांव स्थित पुलिस लाइन में रविवार को बलवा ड्रिल का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के कार्यवाहक कप्तान मुनिराज जी ने पुलिसकर्मियों को बलवा ड्रिल का प्रशिक्षण दिया और अभ्यास कराया। इस दौरान पुलिस कर्मियों को बलवा होने पर उसे कंट्रोल करने और उस दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के कप्तान ने टिप्स दिए। एसएसपी मुनिराज जी ने बताया कि पुलिस लाइन ग्राउंड में दंगा नियंत्रण ड्रिल का प्रशिक्षण एवं अभ्यास का आयोजन किया गया। उक्त ड्रिल के दौरान शस्त्रों एवं दंगा नियंत्रण उपकरणों के संचालन का परीक्षण किया गया। समस्त पुलिस बल को आंसू गैस, पिलट गन, रबर बुलेट गन व एंटी रायट गन आदि दंगा नियंत्रण उपकरणों का अभ्यास कराया गया। साथ ही विभिन्न टीमें बनाकर दंगा नियत्रंण के लिए अमल में लाए जाने वाले सभी विधिक प्रावधानों एवं टैक्टिस का अभ्यास किया गया।

एसएसपी मुनिराज ने पुलिस फ़ोर्स को दंगे पर त्वरित काबू पाने के दिए टिप्स

गाजियाबाद। दिल्ली के जहांगीरपुरी बलवे के बाद गाजियाबाद की पुलिस काफी सक्रिय दिख रही है। जिले में इस तरह की कोई घटना न हो इसके लिए जहां शांति कमेटी की बैठकें समाज के लोगों के साथ की जा रही हैं, वहीं बॉर्डर इलाकों में लगातार बड़े अधिकारियों का भ्रमण चल रहा है। इसी कड़ी में रविवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुनिराज ने पुलिस लाइन ग्राउंड पर दंगा नियंत्रण ड्रिल के प्रशिक्षण एवं अभ्यास कराया। उन्होंने

पुलिस फ़ोर्स को दंगे पर नियत्रण पाने के टिप्स दिए। इस दौरान जनपद के पुलिस अधीक्षक, सहायक अधीक्षक, थाना प्रभारी, उनके हमराह पुलिस लाइन, पुलिस कार्यालय एवं विभिन्न थानों से आये पुलिसकर्मियों ने भाग लिया। ड्रिल के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने विभिन्न शस्त्रों एवं दंगा नियंत्रण उपकरणों के संचालन का परीक्षण किया। उन्होंने समस्त पुलिस बल को अश्रु गैस, पिलट गन, रबर बुलेट गन, एंटी रायट गन आदि दंगा नियंत्रण उपकरणों का अभ्यास कराया। साथ ही विभिन्न टीमें बनाकर दंगा नियत्रंण के लिए अमल में लाये जाने वाले सभी विधिक प्रावधानों एवं टैक्टिस का क्रमवार अभ्यास किया गया। मुनिराज ने सभी पुलिस बल को यह निर्देशित किया गया कि किसी भी ड्यूटी में शांति भंग करने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की जानी चाहिए। इसके लिए सदैव मानसिक एवं शारीरिक रूप से तत्पर रहें एवं दंगा नियंत्रण के समस्त उपकरण सक्रिय दशा में सदैव अपने साथ रखें।

पृथला फ्लाईओवर का निर्माण अंतिम चरण में, जल्द फर्राटा भरेंगे वाहन

नोएडा,एजेंसी। नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट के निवासियों को जल्द जाम से राहत मिलने जा रही है। नोएडा प्राधिकरण द्वारा बन रहे पृथला फ्लाईओवर का निर्माण लगभग अंतिम चरण में है। अगले 3 महीने के अंतर्गत शहर के लोगों को फ्लाईओवर सौंप दिया जाएगा। अक्सर इस मार्ग पर सुबह शाम जाम से लोगों को जूझना पड़ता था। इस फ्लाईओवर से वाहन चालकों के सफर में भी 30 से 40 मिनट समय की बचत होगी। इसका निर्माण जुलाई 2022 में पूरा कर लिया जाएगा। सीईओ रितु माहेश्वरी ने समय ये काम पूरा करने के निर्देश दिए हैं। पर्थला फ्लाईओवर का कार्य काफी तेजी के साथ चल रहा है। इस मार्ग से रोजाना करीब 18 हजार से अधिक वाहन गुजरते हैं। सुबह और शाम के समय वाहनों का ज्यादा दवाब रहता हैं। नोएडा अथॉरिटी ने पर्थला फ्लाईओवर बनाने की डेडलाइन जुलाई 2022 रखी है, लेकिन अधिकारियों का दावा है कि इससे पहले ही कार्य पूरा हो जाएगा। पर्थला चौक पर बन रहे फ्लाईओवर को 80.54 करोड़ रुपए की लागत से बनाया जा रहा है। यह फ्लाईओवर को 697 मी लम्बे 6 लेन का होगा। फ्लाईओवर के निर्माण से सेक्टर -51, 52, 61, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 121 और 122 के निवासियों को यातायात में काफी सुविधा होगी। इसके अतिरिक्त दिल्ली, सरिता विहार से गाजियाबाद, हापुड़ और ग्रेटर नौएडा वेस्ट को जाने के लिए सिग्नल फ्री यातायात मिल सकेगा। साथ ही ग्रेटर नौएडा वेस्ट में रहने वाले कई लाख लोगों को आवागमन की सुविधा भी मिलेगी। पर्थला चौक पर निर्माणाधीन फ्लाईओवर परियोजना के स्थल पर उपस्थित सम्बन्धित अभियन्ताओं द्वारा अवगत कराया गया कि परियोजना के अन्तर्गत पाईल, पाईल कैप, पियर और पियर कैंप का कार्य, सभी 784 प्रीकास्ट क्रैशर बैरियर की कास्टिंग का कार्य, निर्धारित 7732 वर्गमीटर आरई वॉल पैनल की कास्टिंग भी पूर्ण हो चुकी है। वर्तमान में दोनों पाईलोनों की 49.066 मी के सापेक्ष 34.70 मी तक कास्टिंग पूर्ण हो चुकी है और 288 नग डेक स्लैब के सापेक्ष 236 नग डेक स्लैब का कास्टिंग का कार्य पूर्ण हो चुका है।

नोएडा की सबसे बड़ी मार्किट में अब नहीं लगेगा जाम

नोएडा,एजेंसी। शहर में लगातार लोगों को जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए ट्रैफिक विभाग नए-नए नियम लेकर आ रहा है। अक्सर लोग सुबह और शाम के समय सेक्टर-18 की मार्केट अट्टा में खरीदारी करने के लिए आते हैं। ऐसे में इस मार्ग पर हर दिन जाम की समस्याओं से लोगों को जूझना पड़ता है। जानकारी के मुताबिक जाम की समस्या कम करने के लिए अट्टा बाजार के रास्ते पर व्यस्त समय में ऑटो-रिक्शा और व्यवसायिक वाहनों के चलाने पर प्रतिबंध लगाया जाएगा।

इसकी एडवाइजरी ट्रैफिक विभाग की तरफ से जल्द जारी कर दी जाएगी। अट्टा मार्केट की सामने की सड़क पर सुबह और शाम पीक आवर्स में ऑटो-ई रिक्शा की नो एंट्री पर रोक लगाई जाएगी। सुबह 8:00 से 11:00 और शाम को 5:00 से रात 10:00 बजे तक यह व्यवस्था अगले सप्ताह से लागू होगी। यहां पर अट्टा पीर से सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन के आगे अंडरपास के बीच में पीक आवर्स में बढ़ रहे ट्रैफिक दबाव को कम करने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने ये योजना बनाई है। शेयरिंग वाहन सेक्टर-15 गोल चक्कर से सेक्टर 37 और फेस टू तक आते जाते हैं। इन

ऑटो और रिक्शा पर रहेगी पाबंदी

वाहनों को रोकने के लिए पुलिसकर्मी अट्टा पीर चौराहे और अट्टा अंडरपास पर तैनात रहेंगे। बता दें शहर के सबसे ज्यादा लोग खरीदारी करने के लिए इस बाजार में आते हैं। हर दिन वाहन चालकों को जाम से सुबह और शाम जूझना पड़ता है। खरीदारी करने वाले लोग और वाहन चालकों को दिक्कतों का सामना ना करना पड़े, इसको को देखते हुए यातायात पुलिस ने डायवर्जन प्लान तैयार किया है। डीसीपी गणेश शाह ने कहा कि अट्टा पीर से 28 तक सड़क पर गाड़ियों को खड़ा नहीं होने दिया जाएगा। जो वहां खड़े होंगे, तत्काल उन पर कार्रवाई की जाएगी। ऑटो, ई-रिक्शा चालकों को भी फीडबैक लिया जा रहा है। ट्रैफिक पुलिस व्यवस्था के लिए जल्द एसओपी तैयार करेगी। वही नोएडा-ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेस वे पर जुगाड़, ऑटो और ई-रिक्शा के चलाने पर रोक लगाई जाएगी।

नियति और पुरुषार्थ का समन्वय है 'प्रधानमंत्री संग्रहालय'

रामबहादुर राय

तीन मूर्ति परिसर में ही प्रधानमंत्री संग्रहालय क्यों बनाया गया? यह जिज्ञासा भी हो सकती है और इसे प्रश्न भी कह सकते हैं। ये दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। इसका समाधान नृपेंद्र मिश्र के कथन में है। प्रधानमंत्री संग्रहालय के लोकार्पण का अवसर था। वे नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय के अध्यक्ष हैं। इस रूप में वे तीन मूर्ति परिसर के विधिवत प्रधान हैं। प्रधानमंत्री संग्रहालय का निर्माण उनकी निगरानी में हुआ है। अवश्य ही इसकी परिकल्पना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की है। शुरू से ही वे समय-समय पर प्रगति की समीक्षा और अपनी सलाह देते रहे हैं। संस्था के प्रधान होने के कारण बहुत स्वाभाविक है कि नृपेंद्र मिश्र लोकार्पण के समय पहला अर्थात स्वागत भाषण करते और किया भी। उन्होंने अपने संक्षिप्त भाषण में जो कहा वह कई दृष्टियों से अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि 'यह संग्रहालय भविष्य में 'हाउस ऑफ डेमोक्रेसी', लोकतंत्र का मठ के रूप में पहचाना जाएगा। दूसरी बात जो उन्होंने कही, वह उस प्रश्न का उत्तर है जो कुछ लोग पूछ सकते हैं, 'प्रधानमंत्री संग्रहालय के स्थल चयन पर भी व्यापक विचार-विमर्श हुआ था। अगर अन्यत्र स्थान पर संग्रहालय का निर्माण होता तो देश के प्रथम प्रधानमंत्री के पूर्व स्थापित संग्रहालय को अपेक्षित सम्मान नहीं मिल पाता। इसलिए यह उपयुक्त पाया गया कि पूर्व स्थापित संग्रहालय को जोड़ते हुए अब इसे प्रधानमंत्री संग्रहालय के नाम से जाना जाए। इस कथन के अभिप्राय पर बहुत दिनों तक विचार होता रहेगा। इसके अर्थ निकाले जाएंगे। उसमें यह भी खोजने की कोशिश होगी कि नए बने संग्रहालय में पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का स्थान उतना ही महत्वपूर्ण है या नहीं, जितना होना चाहिए। संभवत: इसका ही ख्याल रखकर नृपेंद्र मिश्र ने प्रधानमंत्री संग्रहालय को लोकतंत्र का मठ कहा। जहां मठ है, वहां महंत रहते हैं। एक मठाधीश भी होता है।

संग्रहालय दो खंडों में है। पहला खंड पुराना है, जो नेहरू संग्रहालय है। उसे न केवल सुरक्षित रखा गया है, बल्कि सुसज्जित भी किया गया है। उस संग्रहालय के साथ दस जनपथ के निर्देश पर जो छेड़-छाड़ एक समय में की गई थी, उसे पुन: निर्मित कर दिया गया है। दूसरे खंड में नया संग्रहालय है। जिसमें हर प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व और उनके महत्वपूर्ण आयामों को नई तकनीक का प्रयोग कर दर्शाया गया है। इस तरह जो लोकतंत्र का यह मठ है, उसके मठाधीश तो पंडित जवाहरलाल नेहरू हुए। सोचिए! यह उनका महिमामंडन है या नहीं? मैं समझता हूं कि नृपेंद्र मिश्र ने मठ शब्द का प्रयोग उसके मूल भाव में किया। मूलत: भारत में मठ धर्म की रक्षा में बने थे। प्रधानमंत्री संग्रहालय जिसे उन्होंने लोकतंत्र का नया मठ बताया, वह संविधान की आत्मारूपी धर्म की रक्षा के लिए बना है। वह संसदीय लोकतंत्र है। जिसकी यात्रा अविराम तभी चलती रहेगी जब हर प्रधानमंत्री को इतिहास में उचित स्थान प्राप्त होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2018 में इस संग्रहालय की शुरूआत कराई थी। इसे वे देश की लोकतांत्रिक धरोहर का स्वरूप मानते हैं। जिसे उनके ही शब्दों में समझना उचित होगा, 'ऐसे समय में जब देश अपनी आजादी के 75 वर्ष का पर्व, आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, तब यह संग्रहालय एक भव्य प्रेरणा बनकर आया है।' यही दृष्टि इस संग्रहालय के निर्माण में रही है। प्रधानमंत्री का यह कथन भविष्य की बड़ी लकीर है, 'इस संग्रहालय में जितना अतीत है, उतना ही भविष्य भी है।' प्रधानमंत्री जब भारत की लोकतांत्रिक परंपरा का उल्लेख कर रहे थे, तब उन्होंने जो शब्द कहे वे भारतीयता के पर्याय हैं। जिनमें लोकतंत्र की विविधता जहां है, वहीं उसकी ऐतिहासिकता और सभ्यता का चित्रण भी है। नए विचारों को स्वीकार करने के लिए नरेन्द्र मोदी जाने जाते हैं। यह उस दिन भी उपस्थित लोगों ने उन्हें सुनकर अनुभव किया। जो लोग भी लंबे समय से तीन मूर्ति परिसर में आते-जाते रहे हैं, वे अब नए अनुभव से गुजरेंगे। उन्हें कदम रखते ही नए जमाने की आहट सुनाई पड़ेगी। बदली हुई आबोहवा से वे दो-चार होंगे। तीन मूर्ति भवन स्वयं अपने परिवर्तनों का साक्षी बन रहा है। वह जो ब्रिटिश भारत में कमांडर-इन-चीफ का निवास था, उसे 1948 में आजाद भारत के पहले प्रधानमंत्री का आवास बनने का अवसर मिला। वह पहला रूपांतरण था। दूसरा घटित हुआ जब राष्ट्रपति सर्वेपल्ली राधाकृष्णन ने 14 नंवबर, 1964 को इसे नेहरू स्मारक संग्रहालय घोषित किया। जिसके कामकाज के लिए दो साल बाद एक सोसायटी बनाई गई। पर एक चूक हो गई। इस परिसर का 'लैंड यूज' बदला नहीं गया। तीन दशक बाद समाजवादी नेता और लोकसभा सदस्य मोहन सिंह के एक प्रश्न पर आश्वासन समिति ने जब जांच की और रिपोर्ट दी तो सभी चकित थे। उससे एक रस्योद्घाटन हुआ था कि तीन मूर्ति परिसर तो सरकारी कागजातों में अभी भी आवासीय ही बना हुआ है। तब पीवी नरसिन्हा राव की सरकार में उस चूक को सुधारा

> संग्रहालय दो खंडों में है। पहला खंड पुराना है, जो नेहरू संग्रहालय है। उसे न केवल सुरक्षित रखा गया है, बल्कि सुसज्जित भी किया गया है। उस संग्रहालय के साथ दस जनपथ के निर्देश पर जो छेड़-छाड़ एक समय में की गई थी, उसे पुनः निर्मित कर दिया गया है। दूसरे खंड में नया संग्रहालय है। जिसमें हर प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व और उनके महत्वपूर्ण आयामों को नई तकनीक का प्रयोग कर दर्शाया गया है। इस तरह जो लोकतंत्र का यह मठ है, उसके मठाधीश तो पंडित जवाहरलाल नेहरू हुए। सोचिए! यह उनका महिमामंडन है या नहीं? मैं समझता हूं कि नृपेंद्र मिश्र ने मठ शब्द का प्रयोग उसके मूल भाव में किया। मूलतः भारत में मठ धर्म की रक्षा में बने थे। प्रधानमंत्री संग्रहालय जिसे उन्होंने लोकतंत्र का नया मठ बताया, वह संविधान की आत्मारूपी धर्म की रक्षा के लिए बना है। वह संसदीय लोकतंत्र है। जिसकी यात्रा अविराम तभी चलती रहेगी जब हर प्रधानमंत्री को इतिहास में उचित स्थान प्राप्त होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2018 में इस संग्रहालय की शुरूआत कराई थी। इसे वे देश की लोकतांत्रिक धरोहर का स्वरूप मानते हैं।

गया। लेकिन प्रश्न तो अपनी जगह है ही कि ऐसी चूक हुई क्यों? इसका संबंध एक मानसिकता से है। याद करने का यही सही समय है कि तीन मूर्ति भवन 1930 में बना था। उसी व्यक्ति ने बनवाया, जिसने कनॉट प्लेस की रचना करवाई थी। तीन मूर्ति भवन में ब्रिटिश और फ्रेंच स्थापत्य का समन्वय है। इसका नाम था- फ्लैग स्टाफ हाउस। प्रश्न है कि आजादी के बाद तीन मूर्ति परिसर का जो स्वरूप 1964 में बना, उसकी निरंतरता नए संग्रहालय में है या नहीं? इसका उत्तर हां में है। कहना चाहिए कि नए संग्रहालय ने तीन मूर्ति परिसर को उन्मुक्त किया है। उसे अनंत आकाश से जोड़ा है। संग्रहालय के लोकार्पण पर पूर्व प्रधानमंत्रियों के वे परिवारी जो हर्षित हैं, आए।

जो नहीं आए, वे स्वयं को प्रश्नों के वर्तुल में खड़े पाएंगे। इसके ठोस कारण हैं। उनकी अनुपस्थिति वहां चर्चा में थी। लेकिन जो उपस्थित थे वे चकित भी थे। इस बात पर कि ऐसी अनोखी सूझ पहले किसी प्रधानमंत्री के मस्तिष्क में क्यों नहीं आई! यह अलग बात है कि ऐसी अनगिनत अनोखी पहल के लिए लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कायल होते जा रहे हैं, तो दूसरी तरफ संवैधानिक संस्थाओं को ध्वस्त करने के निराधार आरोप भी लगाने का अभियान चलाया जा रहा है। भले ही, वे आरोप उनपर चिपक नहीं सके हैं। संस्कृति मंत्री गंगापुरम किशन रेड्डी ने वहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पनाओं से बने अनेक संग्रहालयों का उल्लेख भी किया। क्या तीनमूर्ति परिसर अपनी नियति से साक्षात्कार की मंजिल पर पहुंच गया है? इस प्रश्न से इतिहास के कई अगर-मगर सामने आते हैं। जिस दिन संग्रहालय का लोकार्पण हुआ, उस दिन डॉ. भीमराव आंबेडकर का जन्मदिन था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें इन शब्दों में याद किया, 'बाबा साहब जिस संविधान के मुख्य शिल्पकार रहे, उस संविधान ने हमें संसदीय प्रणाली का आधार दिया। इस संसदीय प्रणाली का मुख्य दायित्व देश के प्रधानमंत्री का पद रहा है।' प्रधानमंत्री संग्रहालय का मर्म इन शब्दों में मिलता है, अगर उसे खोजें। आजाद भारत के 75 साल की यात्रा का यह ऐसा संग्रहालय है, जिसमें सत्य की रक्षा की गई है और लोकतांत्रिक गणराज्य की यात्रा के वर्णन में तथ्य और विवरण देते समय अप्रिय प्रसंग को अनावश्यक महत्व नहीं दिया गया है। भावी पीढ़ी इसका निर्णय करेगी कि तीन मूर्ति परिसर का लोकतंत्र के शक्ति केंद्र के रूप में रूपांतरण उसकी नियति से साक्षात्कार कराता है या नहीं। जैसे ही इसे जांचने और जानने का प्रयास कोई करेगा, वह पाएगा कि एक परिवार की 'जमींदारी' का उन्मूलन हो गया है। जिससे तीन मूर्ति परिसर ने स्वतंत्रता की सांस ली है। परिसर में कदम-कदम पर इसे अनुभव किया जा सकता है। एक उदाहरण से इसे सरल ढंग से समझा जा सकता है। जिसका उल्लेख प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने भाषण में परोक्ष रूप से किया, 'एक दो अपवाद छोड़ दें तो हमारे यहां लोकतंत्र को लोकतांत्रिक तरीके से मजबूत करने की गौरवशाली परंपरा रही है।' उन्होंने इसमें जोड़ा कि 'इसलिए हमारा भी यह दायित्व है कि अपने प्रयासों से हम लोकतंत्र को और ज्यादा मजबूत करते रहे।' इसकी उन्होंने विस्तार से व्याख्या की। लेकिन संग्रहालय में वह तथ्य मात्र एक तथ्य के रूप में वर्णित किया गया है। वह यह कि 1975 में इमरजेंसी घोषित की गई। इसका उल्लेख न होता तो इतिहास का उपहास होता। लेकिन इमरजेंसी की ज्यादतियों के वर्णन से संग्रहालय को बचा लिया गया है। जो लोग प्रधानमंत्री संग्रहालय देखेंगे, वे पाएंगे कि तीन मूर्ति परिसर अपनी नियति की मंजिल पर अब पहुंचा है। नियति ने उसे नए संग्रहालय का स्थान बनाया है। यह संग्रहालय नियति और पुरुषार्थ का समन्वय स्थल बन गया है। तीन मूर्ति परिसर को उसकी नियति के इस मंजिल पर पहुंचाने के लिए जो पुरुषार्थ चाहिए, वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में ही देश देख रहा है।

> मलेरिया बुखार पांच प्रकार का होता है, लास्मोडियम फैल्सीपैरम, सोडियम विवैक्स, प्लाज्मोडियम ओवेल मलेरिया, प्लास्मोडियम मलेरिया तथा प्लास्मोडियम नोलेसी। प्लास्मोडियम फैल्सीपैरम में पीड़ित व्यक्ति एकदम बेसुध हो जाता है और इस बुखार में निरन्तर उल्टियां होने से व्यक्ति की जान भी जा सकती है। सोडियम विवैक्स में मच्छर बिनाइन टर्शियन मलेरिया पैदा करता है, जो 48 घंटों के बाद अपना असर दिखाना शुरू करता है। प्लाज्मोडियम ओवेल मलेरिया का यह रूप बिनाइन टर्शियन मलेरिया उत्पन्न करता है। प्लास्मोडियम मलेरिया एक प्रकार का प्रोटोजोआ है, जो बेनाइन मलेरिया के लिए जिम्मेदार होता है। इस रोग में क्वार्टन मलेरिया उत्पन्न होता है, जिसमें मरीज को हर चौथे दिन बुखार आ जाता है। रोगी के यूरिन से प्रोटीन निकलने लगते हैं और शरीर में प्रोटीन की कमी होकर सूजन आ जाती है। प्लास्मोडियम नोलेसी दक्षिण पूर्व एशिया में पाया जाने वाला एक प्राइमेट मलेरिया परजीवी है। इस मलेरिया से पीड़ित रोगी में सिरदर्द, भूख नहीं लगना जैसे लक्षण दिखाई देने लगते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक कई मलेरिया बहुत खतरनाक होते हैं, जिससे मरीज की मौत हो जाती है। भारत में रेजिस्टेंट मलेरिया का जोन है, इसके अलावा फैल्सीपेरम मलेरिया तो और भी ज्यादा खतरनाक होता है, जिसमें रक्तचाप कम हो सकता है, किडनी और लिवर फेल हो सकते हैं तथा मरीज कोमा में जा सकता है। इसमें मरीज को शीघ्र उचित इलाज नहीं मिले तो उसकी मौत भी हो सकती है। मलेरिया होने पर प्राय: तेज बुखार होता है, जो 103 से 105 डिग्री तक हो सकता है।

जानलेवा हो सकती है मलेरिया के इलाज में लापरवाही

योगेश कुमार गोयल

विश्व मलेरिया दिवस (25 अप्रैल)

मलेरिया दिवस प्रतिवर्ष 25 अप्रैल को अलग-अलग विषय के साथ मनाया जाता है। हर साल मलेरिया से होने वाली लाखों लोगों की मौत को देखते हुए ही लोगों में इस बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से यूनिसेफ द्वारा 25 अप्रैल 2008 को 'विश्व मलेरिया दिवस' मनाने की शुरुआत की गई थी। दरअसल मच्छरों के काटने से होने वाली जानलेवा बीमारी मलेरिया के कारण प्रतिवर्ष लाखों लोग मौत के मुंह में समा जाते हैं। जागरूकता के अभाव में आज भी मलेरिया से मरने वालों की संख्या बहुत ज्यादा है। यूनिसेफ द्वारा मलेरिया दिवस की थीम तय करने का उद्देश्य किसी भी प्रकार से विश्व को मलेरिया से मुक्त करना है। तय की जाने वाली थीम पर दुनिया भर के चिकित्सक, वैज्ञानिक और विशेषज्ञ वर्ष भर कार्य करते हैं। वर्ष 2022 के लिए विश्व मलेरिया दिवस की थीम है 'मलेरिया रोग के बोझ को कम करने और जीवन बचाने के लिए नवाचार का उपयोग करें' जबकि 2021 की थीम थी 'जीरो मलेरिया लक्ष्य की ओर बढ़ना है। विगत दो दशकों में हुए तीव्र वैज्ञानिक विकास और मलेरिया उन्मूलन के लिए चलाए गए वैश्विक कार्यक्रमों के कारण जानलेवा बीमारी मलेरिया के आंकड़ों में कमी तो आई है किन्तु अभी भी इस पर पूर्ण रूप से नियंत्रण नहीं पाया जा सका है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार दुनियाभर में मलेरिया के बीस करोड़ से भी ज्यादा नए मामले दर्ज किए जाते हैं, जिनमें से कई लाख लोगों की मौत हो जाती है। माना जाता है कि यह बीमारी सबसे पहले चीन में पाई गई थी, जहां गंदगी से यह बीमारी पनपने के कारण उस समय इसे 'दलदली बुखार' कहा जाता था। वैसे 'मलेरिया' इतालवी भाषा के शब्द माला एरिया से बना है, जिसका अर्थ है 'बुरी हवा'। मलेरिया एनोफेलीज मादा मच्छर के काटने से होता है, जो प्लास्मोडियम परजीवी से संक्रमित होता है और जब यह मच्छर किसी को काटता है तो ये परजीवी मानव रक्त में प्रवेश करके लिवर तथा लाल रक्त कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाने लगते हैं और व्यक्ति को बीमार बना देते हैं। इस रोग की गंभीरता परजीवी पर ही निर्भर करती है।

मलेरिया बुखार पांच प्रकार का होता है, लास्मोडियम फैल्सीपैरम, सोडियम विवैक्स, प्लाज्मोडियम ओवेल मलेरिया, प्लास्मोडियम मलेरिया तथा प्लास्मोडियम नोलेसी। प्लास्मोडियम फैल्सीपैरम में पीड़ित व्यक्ति एकदम बेसुध हो जाता है और इस बुखार में निरन्तर उल्टियां होने से व्यक्ति की जान भी जा सकती है। सोडियम विवैक्स में मच्छर बिनाइन टर्शियन मलेरिया पैदा करता है, जो 48 घंटों के बाद अपना असर दिखाना शुरू करता है। प्लाज्मोडियम ओवेल मलेरिया का यह रूप बिनाइन टर्शियन मलेरिया उत्पन्न करता है। प्लास्मोडियम मलेरिया एक प्रकार का प्रोटोजोआ है, जो बेनाइन मलेरिया के लिए जिम्मेदार होता है। इस रोग में क्वार्टन मलेरिया उत्पन्न होता है, जिसमें मरीज को हर चौथे दिन बुखार आ जाता है। रोगी के यूरिन से प्रोटीन निकलने लगते हैं और शरीर में प्रोटीन की कमी होकर सूजन आ जाती है। प्लास्मोडियम नोलेसी दक्षिण पूर्व एशिया में पाया जाने वाला एक प्राइमेट मलेरिया परजीवी है। इस मलेरिया से पीड़ित रोगी में सिरदर्द, भूख नहीं लगना जैसे लक्षण दिखाई देने लगते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक कई मलेरिया बहुत खतरनाक होते हैं, जिससे मरीज की मौत हो जाती है। भारत में रेजिस्टेंट मलेरिया का जोन है, इसके अलावा फैल्सीपेरम मलेरिया तो और भी ज्यादा खतरनाक होता है, जिसमें रक्तचाप कम हो सकता है, किडनी और लिवर फेल हो सकते हैं तथा मरीज कोमा में जा सकता है। इसमें मरीज को शीघ्र उचित इलाज नहीं मिले तो उसकी मौत भी हो सकती है। मलेरिया होने पर प्राय: तेज बुखार होता है, जो 103 से 105 डिग्री तक हो सकता है। सिरदर्द, बदन दर्द, घबराहट, अत्यधिक पसीना आना, जी मिचलाना, उल्टी होना, अत्यधिक ठंड लगना, कमजोरी इत्यादि मलेरिया के अन्य प्रमुख लक्षण हैं। इन लक्षणों को लंबे समय तक नजरअंदाज करना भी खतरनाक हो सकता है। वैसे तो मलेरिया के लक्षण प्राय: 24 से 48 घंटे में ही नजर आ सकते हैं लेकिन कई बार लक्षण सामने आने में ज्यादा समय भी लग सकता है। मलेरिया की जांच से ही पता चल पाता है कि मरीज किस तरह के मलेरिया से ग्रसित है और उसी के आधार पर विभिन्न दवाओं से उसका इलाज शुरू किया जाता है। साधारण मलेरिया होने पर सही इलाज से मरीज 3-5 दिनों में ही ठीक हो सकता है लेकिन यदि सीवियर फैल्सीपेरम मलेरिया हुआ तो समय पर और सही इलाज नहीं कराने पर मरीज की मौत भी हो सकती है। इसलिए बेहद जरूरी है कि मलेरिया की जांच और इलाज में कोताही न बरतें। गर्मी और मानूसन के दौरान मच्छरों की संख्या बहुत बढ़ जाती है, इसलिए आमतौर पर मलेरिया इन्हीं मौसम में सबसे ज्यादा होता है। वैसे मलेरिया के मच्छर अधिकांशत: उन्हीं जगहों पर पनपते हैं, जहां गंदगी होती है या गंदा पानी जमा होता है। इसलिए मलेरिया की रोकथाम के लिए सबसे जरूरी है कि अपने घरों में तथा आसपास गंदगी और गंदा पानी एकत्र न होने दें।

विचार

यादों में हरदम एक जीवंत यूक्रेन

संजीव कुमार शर्मा

अज़रबैजान की राजधानी बाकू में बुनियादी शिक्षा के बाद, आगे इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए मेरा यूक्रेन के शहर खमिलनित्सकी जाना तय हुआ। अगस्त 1990 का आखिरी हफ्ता था जहां तीन बिहारी 'रूम-पार्टनर्ज़' से बिछड़ने का दुख था, वहीं एशिया से निकल कर यूरोप पहुंचने की खुशी भी थी। करीब 2,500 किलोमीटर की यात्रा ट्रेन से लगभग दो दिन में पूरी होनी थी। एक अच्छे कूपे में यह यात्रा अपने आप में एक सुखद अनुभव था। मेरे अलावा, कूपे में रूसी मां-बेटी और एक यूक्रेनी बुज़ुर्ग थे। रूसी भाषा पर पकड़ होने से जल्दी ही उनसे दोस्ती हो गई, खासकर ऐलेना के साथ, शायद हमउम्र होने के कारण। एक ही केबिन में 48 घंटे से ज्यादा का सफर, एक-दूसरे को जानने के लिए यह काफी होता है। मां और बेटी को खमिलनित्सकी के पास एक शहर विनित्सा में कुछ काम था, और फिर उन्होंने अपने शहर वोल्गोग्राद (रूस) जाना था। ऐलेना ने अपना पता और फ़ोन नंबर साझा किया। चंडीगढ़ जितना ही छोटा, लेकिन बहुत ही साफ-सुथरा, खूबसूरत शहर था खमिलनित्सकी। दिल खुश हो गया। अच्छा हॉस्टल। कहां 'शरीफजादे मार्ग' वाला हॉस्टल, जहां एक कमरे में चार लोग, पूरी मंजिल के लिए साझा स्नान कक्ष, वो भी कमरे से 150-200 फुट दूर और कहां यह साफ-सुथरा 'इंस्तितुत्सकाया मार्ग' वाला हॉस्टल, दो और तीन लोगों वाले कमरों का एक सेट, बगल में शौचालय और बाथटब के साथ बाथरूम। मुझे दो लोगों वाला एक कमरा मिला और 'रूम-पार्टनर' यमन का लड़का आरिफ था। बहुत ही अच्छा। यूक्रेनियन भी बहुत अनुशासित, मिलनसार और नियमों का पालन करने वाले थे। मेरा पढ़ाई का कोई खर्चा नहीं था, हर महीने खर्च के लिए 90 रूबल स्टाइपेंड अलग से मिलता था। शहर में हम आठ-नौ भारतीय थे। इसके बावजूद फिजा में बदलाव था, गोर्बाचोव के 'ग्लासनोस्त' और 'पिरिसत्रोइका' के कारण लोग कहीं न कहीं वर्तमान व्यवस्था के प्रति अपनी नाराज़गी व्यक्त करने और स्वतंत्रता के लिए आवाज़ उठाने लगे थे। इसका एक बड़ा प्रमाण यूक्रेन के लोग जनवरी 1990 में दे भी चुके थे। हालांकि गोर्बाचोव द्वारा मार्च 1991 में सभी राज्यों में करवाए गए जनमत संग्रह में 70 प्रतिशत से अधिक यूक्रेनियन लोगों ने सोवियत संघ के साथ बने रहने की इच्छा व्यक्त की थी। फिर भी नाराज़गी साफ थी। 'भ्रष्टाचार', 'रूसी प्रभुत्व', 'गिरती अर्थव्यवस्था', 'आवश्यक वस्तुओं की कमी', 'लंबी लाइनें', 'चेरनोबिल दुर्घटना और इसके प्रबंधन में केंद्र की गैर-संजीदगी' और सबसे महत्वपूर्ण 'रूसी भाषा को प्राथमिकता और लोगों की मातृभाषा को दोयम दर्जा' जैसे अनेकों कारण थे। तीनों बाल्टिक राज्य (एस्टोनिया, लातविया और लिथुआनिया) 1990 के मध्य तक स्वयं को स्वतंत्र घोषित कर चुके थे। हमारी ज़िंदगी बहुत मज़े से गुज़र रही थी क्योंकि उपरोक्त सभी कुछ बड़े शहरों तक सीमित था। सब कुछ सस्ता था। इसलिए हम पढ़ाई के साथ-साथ घूमने, दोस्तों से मिलने, दूसरे हॉस्टल या दूसरे शहरों में चले जाते थे। यहां आने के बाद मैंने ऐलेना से 2-3 बार बात भी की थी। उसने कभी मिलने की इच्छा भी जताई थी। अगस्त 1991 की छुट्टियां थीं। हमारे एक मित्र और वरिष्ठ संत लाल जी विनित्सा मेडिकल यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे थे। बातों-बातों में मैंने संत लाल जी से ऐलेना के बारे में बात की। संत लाल जी ने कहा कि उनका एक मित्र वोल्गोग्राद में पढ़ता है। हम तीनों ने वहां जाने की योजना बनाई। संत लाल जी ने अपने मित्र से बात भी कर ली। मैंने ऐलेना को फोन कर अपने आने के बारे में बताया। अगले दिन गाड़ी थी। यात्रा लंबी थी, शायद 20-22 घंटे की। लेकिन अगली सुबह पता चला कि गोर्बाचोव को उसके परिवार के साथ क्रीमिया वाले 'दाचे' में नज़रबंद कर दिया गया है। उपराष्ट्रपति व कुछ कट्टरपंथी कम्युनिस्टों ने आपातकाल की घोषणा कर उपराष्ट्रपति की अध्यक्षता में आठ सदस्यीय समिति का गठन कर दिया, जिसने गोर्बाचोव को 'अक्षम' करार दे कर 'सब कुछ अच्छा करने के लिए' सत्ता अपने हाथों में ले ली। येल्तसिन के नेतृत्व में, आम लोगों के भारी समर्थन से, यह 'तख्तापलट' तीन दिनों में विफल हो गया। येल्तसिन ने सारा नियंत्रण अपने हाथों में ले लिया। 'पार्टी' की सभी गतिविधियों पर रोक लगा दी। दिसंबर, 1991 में यूक्रेन में एक और जनमत संग्रह हुआ, और 90 प्रतिशत से अधिक आबादी ने स्वतंत्र होने की इच्छा ज़ाहिर की। दिसंबर में सोवियत संघ भंग हो गया और सभी 15 राज्य अलग-अलग देश बन गए। इस उथल-पुथल में वोल्गोग्राद और ऐलेना तो भूल ही गए। अत्यंत महंगाई शुरू हो गई। यूक्रेन की अपनी मुद्रा, 'कूपोन' का इतना अवमूल्यन हो गया कि सटाईपेंड 'मिलियनों' में मिलने लगा। 20 कोपेक में उपलब्ध होने वाली ब्रेड पहले कुछ हजार कूपोन में और बाद में 50,000 कूपोन तक की मिलने लग गई। असली मुसीबत तब आई जब हमें कहा गया कि या तो अपने देश वापस चले जाओ या फिर पढ़ाई के लिए फीस का भुगतान करो। बहुत बड़ा तनाव पैदा हो गया। बहुत हाथ-पैर मारे, डीन-रेक्टर से मिन्नतें कीं, लेकिन कोई हल नहीं निकला। फिर मास्को में भारतीय दूतावास और अंतर्राष्ट्रीय मामलों के मंत्रालय को हर दूसरे-तीसरे दिन फोन करने शुरू कर दिये।

एक नजर

विदेश भेजने के नाम पर 86 हजार की ठगी

अहमद-सद्भावना टुडे, संवाददाता

नौतन। विदेश भेजने के नाम पर बिचौलिये द्वारा 86 हजार रुपये ठगी कर लेने का मामला सामने आया है।ठगी के शिकार बैकुंठवा डबरिया गाँव के हसनैन खान ने नौतन थाने में आवेदन देकर तिलंगही बढई टोला गाँव के ठगेरा बशरूददीन को नामजदबनाया है। आवेदन के आलोक में थानाध्यक्ष खालिद अखतर मामले की गहन जांच में जुट गए हैं। बैकूंठवा डबरिया गाँव के पीड़ित हसनैन खान ने कहा कि गत साल तिलंगही बढई टोला के बशरूददीन केबेटा साजिद खान ने विदेश भेजने के नाम पर 86 हजार रूपये लिये। विदेश भेजनेमें आनाकानी करता रहा। दबाव बनाया गया तो बशरूददीन केबेटा साजिद खान को आनन फानन में मुंबई से दुबई के लिए उडानतो करा दिया लेकिन। विदेश जाने के बाद बेटा साजिद खान काम के लिए इधर से उधर भटकता रहा। लेकिन कही काम नहीं मिला। विवश होकर परिजनों ने दस हजार रुपये घरसे भेज वापस इंडिया बुलाया।इस संबंध में तिलंगही के सरपंच और पंचो ने पंचायती की तो बशरूददीन ने दो किस्तों में रूपये वापस करने का एकरनामा बनाया। लेकिन बशरूददीन ने आजतक रूपये वापस नहीं किया। विवश होकर हसनैन खान ने बशरूददीन के विरुद्ध आवेदन देते हुए राशि वापस कराने की गुहार पुलिस से लगाया है।इस मामले को गंभीरता से लेते हुए थानाध्यक्ष खालिद अखतर आरोपी को तलाश करने में जुट गए हैं।

एसी एसटी एक्ट में मझौलिया पुलिस ने तीन को किया गिरफ्तार

अनिसुल वरा,सद्भावना टुडे संवाददाता

बेतिया। एस पी उपेंद्र नाथ वर्मा के निर्देश पर विशेष अभियान के तहत बीती रात्रि मझौलिया पुलिस ने माधोपुर गांव से दो सगे भाई को एस सी एसटी एक्ट में गिरफ्तार किया तथा माधोपुर वार्ड नं 1 से एक लड़की का वीडियो वायरल करने व एस सी एसटी एक्ट के आरोप में गिरफ्तार कर मझौलिया पुलिस महिला थाना बेतिया को सुपुर्द कर दिया । यह जानकारी प्रभारी थानाध्यक्ष अशोक साह ने दी। उन्होंने बतया की थाना कांड संख्या 449/21 धारा 341,323,324,307,354,379,504,506,34 भा.द.वी. एव 3(i)(r)(s) sc st एक्ट के नामजाद अभियुक्त भीम सिंह पिता चंदेश्वर सिंह छोटू कुमार उर्फ पुरुषोत्तम कुमार सिंह पिता चंदेश्वर सिंह तथा महिला थाना बेतिया कांड संख्या 8/22 दिनांक 23/4/22 धारा 354(a),354(c),384,505,504,34 भा.द.वी. एव पोक्सो एक्ट तथा एस सी /एस टी एक्ट व 67 आईटी एक्ट के नामजाद अभियुक्त विनोद शर्मा पिता रामाश्रय शर्मा साकिन माधोपुर वार्ड नंबर 1 निवासी को गिरफ्तार कर मझौलिया पुलिस ने महिला थाना पुलिस बेतिया को सुपुर्द कर दिया। यह तीनो माधोपुर पंचायत के निवासी है।

दो कार्टून विदेशी शराब व बाईक के साथ दो धंधेबाज धराये

अहमद-सद्भावना टुडे, संवाददाता

नौतन। यूपी से दियरावर्ती इलाके में शराब का कारोबार करने वाले शराब धंधेबाजों के खिलाफ पुलिस ने सघन छापेमारी अभियान चला कर लगाम कसना शुरू कर दिया है। आये दिन शराब धंधेबाजों के धर पकड़ के बाद भी शराब धंधे का मामला थम नहीं रहा है। शुक्रवार को थानाध्यक्ष खालिद अखतर को गुप्त सूचना मिली कि यूपी से बुधवलिया गाँव में शराब धंधेबाज विदेशी शराब का खेप लेकर पहुंचे हैं। थानाध्यक्ष ने त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस की टीम गठित कर इलाके में छापेमारी के दौरान दो कार्टून विदेशी शराब को बरामद कर लिया। पुलिस ने तेल्हुआ के शराब धंधेबाज धर्मेन्द्र सहनी और वृजेश सहनी को शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने शराब तस्कर का एक बाइक बिना नंबर का भी जप्त किया है। थानाध्यक्ष ने कहा कि यूपी से शराब का खेप दियारा क्षेत्र में लाने वाले शराब धंधेबाजों पर पुलिस की विशेष नजर है। शराब धंधेबाजों की पहचान कर इलाके में लगातार छापेमारी अभियान तेज कर दिया गया है। पुलिस की लगातार छापेमारी व कारवाई से धंधेबाजों में हड़कंप मचा है।

मिथिला गौरव प्रतीक कंदर्पी मैथिली डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन

सहरसा। सुल्तानपुर (कुशेश्वरस्थान) दरभंगा में रविवार को जय राम शोध संस्थान द्वारा सदगृहस्थ संत जगन्नाथ चौधरी पूण्य पर्व समारोह का आयोजन किया गया। मिथिला रत्न प्रभाकर पाठक, उदय चंद्र झा %%विनोद%%, डॉ. महेंद्र नारायण राम, डॉ. रंगनाथ दिवाकर, डॉ. श्यामानंद चौधरी आदि ने सम्मिलित रूप से दीप जलाकर समारोह का विधिवत शुभारंभ किया। समारोह में डॉ. महेंद्र नारायण राम को सन्त जगन्नाथ चौधरी शोध सम्मान प्रदान किया गया।समारोह में डॉ. रंगनाथ दिवाकर द्वारा निर्माण और युवा फ़िल्म निर्देशक सुमित सुमन द्वारा निर्देशित मिथिला गौरव प्रतीक कंदर्पी डॉक्यूमेंट्री फ़िल्म का सफल प्रदर्शन किया गया। यह डॉक्यूमेंट्री जल्द ही मिथिभोज यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया जाएगा। जिसकी जानकारी डॉक्यूमेंट्री के संपादक सह मिथिभोज के संस्थापक नरेश मंडल ने दी। उन्होंने बताया डॉक्यूमेंट्री के सफल प्रदर्शन के लिए समारोह में पहुंचे मिथि भोज के संस्थापक नरेश मंडल का समारोह के संयोजक द्वारा सम्मान किया गया। आगत अतिथियों द्वारा फ़िल्म की सराहना किया गया। साथ ही सभी अतिथियों का कहना हुआ कि इसी तरह हमारे मिथिला समाज के सभी धरोहरों और विभूतियों पर डॉक्यूमेंट्री बनाया जाय। जिससे आम जन अपने धरोहरों को जान सके। बताते चलें कि यह डॉक्यूमेंट्री फ़िल्म मैथिली भाषा मे शिम्मर फिल्म्स इंटरनेशनल द्वारा प्रस्तुत किया गया है। जिसमें दरभंगा महाराज नरेंद्र सिंह और अलीवर्दी के सेना के बीच कंदर्पी युद्ध के बारे में विस्तार से दिखाने की कोशिश हुई है। समारोह में सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

पूर्वी बिहार में वन्य जीवों से संबंधित पर्यटन की अपार संभावनाएं: चौबे

भागलपुर,एजेंसी। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने आज कहा कि पूर्वी बिहार में वन्य जीवों से संबंधित पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। श्री चौबे ने रविवार को जिले के कहलगांव स्थित एनटीपीसी के बिजली संयंत्र में रविवार को एनटीपीसी, जिला प्रशासन, वन विभाग व प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण के साथ साथ वन्य जीवों के संरक्षण एवं उनके प्रति आमलोगों में प्रेम की भावना लाने के लिए एनटीपीसी के कहलगांव सहित सभी बिजली संयंत्रों में एक कार्य योजना बनाने की जरुरत है। ताकि देश-विदेश के पर्यटकों का ध्यान इस ओर जा सके और पर्यावरण संतुलन भी बना रहे।

मंत्री ने कहा कि कहलगांव बिजली संयंत्र से उत्सर्जित सूखा राख को लेकर लगातार किसानों एवं ग्रामीणों द्वारा शिकायत की जा रही है। इससे बीमारी एवं फसलों के नुकसान आदि के बारे में जनप्रतिनिधियों के माध्यम से अवगत कराया जा रहा था। इस मुद्दे पर पिछले साल अगस्त में हुई बैठक में भी चर्चा हुई थी। लेकिन इस दिशा में कोई खास पहल नहीं हुई है जो चिंता जनक है। केन्द्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि इस बिजली संयंत्र के द्वारा जो भी स्थानीय स्तर पर कार्यक्रम बने, इसमें लोगों को

कैसे जोड़ा जाए, संयंत्र के अधिकारी इसे सुनिश्चित करने का काम करें। ताकि स्थानीय लोगो, भू विस्थापित युवकों और किसानों को इसका लाभ मिल सके। श्री चौबे ने पर्यावरण के प्रति कहलगांव बिजली संयंत्र के द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और अधिकारियों के साथ पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। बैठक में स्थानीय विधायक पवन कुमार यादव, पीरपैंती के विधायक ललन पासवान, कहलगांव संयंत्र के मुख्य महाप्रबंधक अरिंदम सिन्हा, जिला वन अधिकारी भरत चिंतापल्ली, वन्यजीव विशेषज्ञ अरविंद मिश्रा सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

कांग्रेस का सभी 320 प्रखंडों में संवाद सम्मेलन आयोजित

रांची। संगठन सशक्तीकरण अभियान के तहत राज्य के सभी 320 सांगठनिक प्रखंडों में रविवार को एक साथ प्रखंड स्तरीय संवाद सम्मेलन का आयोजन किया गया। संवाद कार्यक्रम में प्रखंड कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पदाधिकारी, मोर्चा संगठनों, विभागों के पदाधिकारी, पीसीसी एवं एआईसीसी डेलीगेट तथा प्रमुख कांग्रेस जनों ने हिस्सा लिया और संगठन की मजबूती के लिए अपने सुझाव दिये हैं।

संवाद कार्यक्रम के संयोजक आलोक कुमार दूबे ने गुमला जिले के बसिया, कामडारा और पालकोट में आयोजित प्रखंड स्तरीय सम्मेलन में हिस्सा लिया। मौके पर आलोक कुमार दूबे ने कहा कि एक जमाने के बाद बड़े नेताओं की उपस्थिति में एक साथ सभी प्रखंडों में संवाद स्थापित किया गया। इसके लिए पूरी तरह से झारखंड कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडेय की सोच को धन्यवाद दिया जाना चाहिए। दूबे ने पार्टी प्रखंड स्तरीय सम्मेलन के दौरान पार्टी नेताओं-कार्यकर्ताओं की भावनाओं एवं सुझावों से अवगत हुए। उन्होंने कहा कि जिला सम्मेलन और प्रखंड संवाद सम्मेलन में निकले सुझाव और भावनाओं से पार्टी हाईकमान को अगली बैठक में अवगत कराया जाएगा एवं लिखित प्रतिवेदन भी दिया जाएगा। संवाद कार्यक्रम के दौरान अधिकांश कार्यकर्त्ताओं ने देश में बढ़ती महंगाई के खिलाफ आंदोलन को तेज करने और संगठनात्मक मजबूती को लेकर कई सुझाव दिये। इस दौरान सरकार और संगठन में आपसी समन्वय एवं कार्यकर्त्ताओं के मान-सम्मान की भी बात कही गयी। कार्यकर्ताओं ने कहा कि एनपीए वालों का केसीसी लोन माफ नहीं हुआ है। गठबंधन की सरकार होते हुए भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बात नहीं सुनी जाती है। पंचायत अध्यक्ष जसिन्ता केरकेट्टा ने कहा गरीबों का भविष्य उज्जवल नहीं अंधकार मय हो गया है। पंचायत अध्यक्ष विमल होरो ने कांग्रेस ने हरित क्रांति लाया और भाजपा सरकार महंगाई एवं बेरोजगारी लेकर आई है, जिसके वजह से हम सभी त्रस्त हैं।

लूटने वाले प्रचलन को बचाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होम्योपैथिक चिकित्सकों पर: रेणू देवी

पटना/सोनपुर। उपमुख्यमंत्री रेणू देवी ने रविवार को बर्नेट होम्योपैथी के सौजन्य से 267 वां डॉ.हैनिमैन जयंती समारोह के उद्घाटन के पश्चात मौजूद लोगो को सम्बोधित करते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ी को साइड इफेक्ट से बचाना और बाजार में ईलाज के नाम पर गरीब लोगों से लूटने वाले प्रचलन को बचाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होम्योपैथिक चिकित्सकों पर है। रेणू देवी ने कहा कि होमियोपैथिक चिकित्सकों को सबसे पहले अपने आप पर विश्वास करना होगा। आयुष चिकित्सा में चार चिकित्सा पद्धति है,जिसमें होमियोपैथ भी शामिल है।डिप्टी सीएम ने कहा पहले मै भी होम्योपैथी चिकित्सा का प्रशंसक नहीं थी लेकिन जब मैंने होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति से इलाज करवाया और इसका फायदा हुआ तब से मैं भी प्रशंसक हो गई। उन्होंने कहा कि देशवासियों के लिए होम्योपैथी सबसे सस्ता इलाज है। मुजफ्फरपुर होम्योपैथिक चिकित्सालय एवं महाविद्यालय को 200 करोड़ रुपये सरकार ने देने का प्रावधान किया है। आयुष चिकित्सा के विकास के लिए टीम का गठन किया जाएगा। दूसरी पाली में वैज्ञानिक संगोष्ठी में बिहार और बिहार के बाहर के जाने-माने कई वैज्ञानिक एवं प्रख्यात चिकित्सकों ने भी अपने अपने विचार एवं सुझाव रखे। डॉ निशिकांत दुबे ने होम्योपैथिक चिकित्सा के माध्यम से अपनी मजबूत उपस्थिति का एहसास कराने की सलाह चिकित्सकों को दी। उन्होंने कहा कि होम्योपैथिक चिकित्सा का दवा 99 प्रतिशत अल्कोहल पर आधारित है,लेकिन आज बिहार में होम्योपैथिक चिकित्सकों को अल्कोहल के नाम पर परेशान करने का मामला आ रहा है। इसलिए दवा और दारू को समझने और समझाने की जिम्मेदारी भी हम लोगों और सरकार को निभानी है। डॉक्टर रामजी सिंह ने कहा कि होम्योपैथिक चिकित्सा में कोई साइड इफेक्ट नहीं है।

युवाओं के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य का सबसे सशक्त माध्यम है खेल : गरिमा

अनिसुल वरा,सद्भावना टुडे संवाददाता

बेतिया। मझौलिया प्रखंड के जौकटिया में आयोजित जीडी मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन रविवार को नगर निगम की निवर्तमान सभापति गरिमा देवी सिकारिया ने किया। फ़रियाद आलम की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में श्रीमती सिकारिया ने कहा कि दो साल से भी ज्यादा समय तक प्रभावी रही कोरोना महामारी के गुजरने के बाद लोगों में स्वास्थ्य रक्षा के प्रति सजगता काफी बढ़ गई है। विशेष कर युवाओं में इसकी ललक ज्यादा है। उन्होंने बताया कि समाज में आपसी जुड़ाव व सौहार्द बढ़ाने के लिए खेल सबसे कारगर उपाय बन गया है।

समारोह की अध्यक्षता कर रहे फ़रियाद आलम ने गरिमा देवी सिकारिया को सबसे सक्रिय और जन सेवा के प्रति समर्पित राजनेत्री बताया। उन्होंने कहा कि समाज के हर तबके के दु:ख सुख में ये शामिल रहतीं हैं। आयोजक संस्थान के अध्यक्ष आनन्द कुमार ने कहा कि समाज का हर वह आदमी जो गरिमा देवी सिकारिया को याद करता है वहां ये जरूर पहुंचतीं हैं। टूर्नामेंट के आयोजन समिति सदस्यों यथा विकास प्रभाकर, आशीष कुमार, रंजन प्रसाद, विजय कुमार यादव, झुन्नू कुमार, टुन्ना कुमार और कृष्णा कुमार ने गरिमा सिकारिया का स्वागत किया।

- जौकटिया में जीडी मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का नगर निगम की निवर्तमान सभापति ने किया उद्घाटन
- शहरी व ग्रामीण परिवेश में सामाजिक सरोकार बढ़ाने हेतु खेल को बताया सबसे मजबूत माध्यम

आईएमए के तत्वावधान में रीसेंट एडवांसेज इन कार्डियोलोजी विषय पर सेमिनार

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण आईएमए भवन में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के तत्वावधान में रीसेंट एडवांसेज इन कार्डियोलोजी विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया।जिसका उद्घाटन डीएम शीर्षत कपिल अशोक,डा.विनय दूबे,सिविल सर्जन डा.अंजनी कुमार व डा.आशुतोष शरण ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

मौके पर जिलाधिकारी ने उपस्थित चिकित्सको को संबोधित करते हुए कहा कि समाज मे डॉक्टर्स की भूमिका काफी अहम होती है। वही प्रसाशन के लिए भी स्वास्थ्य विभाग काफी महत्वपूर्ण विषय होता है। मोतिहारी में कोविड काल मे दो साल पहले जब फर्स्ट वेव आया तो लोग पीड़ित से बात भी नही करना चाहते थे। तब चिकित्सक आगे आये और उन्होंने बेहतर काम किया। पूर्वी चंपारण में डॉक्टर्स की गुणवत्ता उच्चतर है। बेतिया मेडिकल कॉलेज की कैपेसिटी फूल हो गई थी तब यहां के चिकित्सकों ने 550 मरीजों का इलाज शुरू किया। कभी नही थके यहां के डॉक्टर। यहां के डॉक्टर कोरोना काल मे नेवर गिव अप थ्योरी पर काम किया। वैक्सीनशन में भी जिला में बेहतर कार्य हुआ है। जब लोग टीका लेने से डर रहे रहे थे तब चिकित्सक आगे आएं व वैक्सीन लेकर लोगो के सामने नजीर पेश किया। यहां का ट्रीटमेंट प्रोटोकॉल काफी बेहतर है।वही कार्यक्रम मे दिल्ली से आये कार्डियो सर्जन डॉ विपिन दुबे ने चिकित्सको को बताया कि नए तकनीक से बिना स्टेन लगाए नसों को साफ कर देने से

हार्ट के रोगियी को ठीक किया जा सकता है।इस नये तकनीक से वाल्व व ब्लॉकेज बिल्कुल ठीक हो सकता है। दिल्ली मणिपाल हॉस्पिटल के कार्डियो के एचओडी डा.विपिन दूबे ने कहा कि नए तकनीकों में जहा रिस्क कम है वही इसमें दवाओं का डोज भी सीमित होता है। इसके अलावे इलाज में खर्च भी तकरीबन सामान्य है। यह नया तकनीक 90 फीसदी से अधिक सफल है।मौके पर सिविल सर्जन,डॉ अंजनी कुमार,आईएमए के अध्यक्ष डा आशुतोष शरण,सचिव डॉ विनोद कुमार पांडेय,कोषाध्यक्ष डॉ गौतम भारद्वाज, डॉ अतुल कुमार,डॉ तबरेज अजीज,डॉ गगनदेव प्रसाद,डॉ डी नाथ,डॉ सुशील कुमार,डॉ नीरज सिन्हा,डॉ एसएन सिंह,डॉ सुनील कुमार, डॉ टीपी सिंह, डॉ जेएन गुप्ता, डॉ दिलीप कुमार,डॉ सौरभ गुप्ता,डॉ.नागमणि सिंह,डॉ शत्रुध्न प्रसाद,डॉ सौरभ कुमार,डॉ संजय कुमार,डॉ मेजर एबी सिंह डॉ प्रफुल,डॉ आशुतोष कुमार,डॉ निरंजन सागर व डॉ सरफराज सहित जिले के कई चिकित्सक उपस्थित थे।

मृत परिवार को मुआवजा और इस घटना में जेल गए 40 मजदूरों को रिहाई को लेकर माले विधायक ने लिखा मुख्यमंत्री को पत्र

अनिसुल वरा,सद्भावना टुडे संवाददाता

बेतिया। भाकपा माले केंद्रीय कमेटी सदस्य सह सिकटा विधायक वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर तमिलनाडु के इरोड मोडाकुरूची में आयल मिल दुर्घटना में मृत कमोद राम के परिवार को तत्काल चार लाख मुआवजा देने और दुर्घटना का विरोध करने पर जेल बंद 40 मजदूरों को तमिलनाडु सरकार से पहल कर रिहाई करने की मांग किया है, माले विधायक वीरेन्द्र प्रसाद गुप्ता ने अपने पत्र में लिखा है कि विगत 6 अप्रैल को तमिलनाडु के इरोड मोडाकुरूची के आयल मिल दुर्घटना में मृतक मजदूर कमोद राम जो रामपुरवा पकड़ीदयाल पूर्वी चंपारण के निवासी थे जो एसकेएम फील्ड एंड फूड कंपनी में कार्यरत थे, कंपनी में ट्रक से ठोकर लगने की वजह से उनकी मौत हो गई, मृतक की लाश को मील प्रबंधक द्वारा छुपाने की कोशिश किया गया जिसके खिलाफ मजदूरों ने प्रदर्शन किया, प्रदर्शनकारी पर मजदूरों पर बर्बरता के साथ लाठीचार्ज किया गया और सैकड़ों मजदूरों के नाम नामजद एफआईआर कर तमिलनाडु पुलिस ने कंपनी से मिलकर 40 मजदूरों को जेल भेज दिया है, मृतक के पत्नी को अभी तक किसी सरकार द्वारा कोई मुआवजा या सहयोग राशि नहीं दी गई है, मृतक

- प्रवासी मजदूरों की सुरक्षा के लिए राज्य व केंद्र सरकार बनाए कानून- वीरेंद्र गुप्ता
- तमिलनाडु के इरोड मोडाकुरूची में आयल मिल में कमोद राम की हुई थी मृतु, विरोध करने पर 40 मजदूरों को डाल दिया गया है जेल, यही है मोदी सरकार का कम्पनी राज-माले

के तीन लड़की और एक लड़का है, मृतक की पत्नी तमिलनाडु में ही है, गांव पर वृद्ध माता-पिता रहते हैं, जिनसे माले विधायक मिलकर उन्हें सांत्वना देते हुए सरकार से सहयोग दिलाने का भरोसा दिलाया है, वही उक्त कांड में बिहार के रक्सौल प्रखंड के सिरसिया गांव के जेल में बंद मजदूर संतोष साह और धर्मेंद्र साह के परिजनों से भी मुलाकात की परिवार के लोगों ने कहा की जेल में बंद मजदूरों की रिहाई के मामले में बिहार सरकार द्वारा कोई सुधि नहीं ली गई है, विधायक ने मुख्यमंत्री से निवेदन करते हुए कहा है कि मृतक के परिवार को बिहार सरकार की तरफ से चार लाख मुआवजा दिया जाए तथा जेल में बंद चंपारण सहित बिहार के अन्य जगहों के 40 गिरफ्तार मजदूरों की रिहाई के लिए तमिलनाडु सरकार से बात कर रिहाई कराने व मुकदमा वापस कराने की पहल सरकार करें, माले विधायक ने कहा कि बिहार की तरह दुर्घटना में मारे गए प्रवासी मजदूरों को भी बिहार सरकार 4 लाख रुपए मुआवजा देने का प्रवधान करें और एसकेएम एंड फूड कंपनी इरोड मोडाकुरूची तमिलनाडु में दुर्घटना के शिकार कमोद राम को बिहार सरकार 4 हजार रुपए तत्काल मुआवजा दे। प्रवासी मजदूरों की सहायता के लिए देश के हर जिला मुख्यालय में प्रवासी मजदूर सहायता कार्यालय स्थापित हो, प्रवासी मजदूर सुरक्षा के लिए राज्य व केंद्र सरकार कानून बनाए।

48वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धापूर्वक याद किए गए राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर

बेगूसराय। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर के 48वें पुण्यतिथि पर हिंदी साहित्य और कृतज्ञ देशवासियों ने रविवार को उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया। इस अवसर पर राष्ट्रकवि के गृह जनपद बेगूसराय में विविध कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रमों की शुरुआत रामधारी सिंह दिनकर के पैतृक गांव सिमरिया से हुई। जहां सबसे पहले गांव के प्रवेश द्वार पर पंचायत भवन के समीप स्थित प्रतिमा पर प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों ने माल्यार्पण किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्ष विशंभर सिंह तथा संचालन पुस्तकालय समिति के सचिव संजीव फिरोज ने किया। इसके बाद दिनकर जी के आवास पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। मौके पर डीएम अरविंद कुमार वर्मा, एसपी योगेन्द्र कुमार, डीडीसी सुशांत कुमार, सांसद प्रतिनिधि अमरेंद्र कुमार अमर, जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के साथ जनप्रतिनिधि, दिनकर स्मृति समिति एवं दिनकर पुस्तकालय के प्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। डीएम एवं एसपी ने दिनकर जी के आवास पर उनके पुत्र केदारनाथ सिंह से बातचीत करने के साथ-साथ आवास पर मौजूद राष्ट्रकवि के वस्त्र, उनके द्वारा पढ़े जाने वाले रामायण, रचित पुस्तकें, पलंग, बिछावन, छड़ी आदि के संबंध में जानकारी ली। मौके पर डीएम अरविंद कुमार वर्मा ने कहा कि राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की जन्मभूमि होना बेगूसराय के लिए गर्व की बात है। राष्ट्रकवि हमारे शान हैं, इनके नाम से बेगूसराय जिला पूरे देश में पहचाना जाता है। आज 48वीं पुण्यतिथि पर हम सब उन्हें याद कर रहे हैं, उनके आदर्शों पर चलने का प्रयास करते हैं। एसपी योगेन्द्र कुमार ने कहा कि जिला पुलिस की तरफ से आज दिनकर जी के पैतृक गांव और आवास पर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया है।

एक नजर

अफगानिस्तानः मस्जिद में बम धमाका, 30 की मौत, कई घायल

काबुल,एजेंसी। अफगानिस्तान में उत्तरी कुंदुज प्रांत के इमाम साहिब जिले के मावलवी सिकंदर मस्जिद में रमजान माह के जुमे की नमाज के समय हुए बम धमाके में कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई है और 50 से अधिक घायल हो गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, कुंदुज के इमाम साहिब जिले के पुलिस प्रमुख हाफिज उमर ने कहा कि आज दोपहर जिले के मावलवी सिकंदर मस्जिद में जुमे की नमाज के समय भयंकर विस्फोट हुआ। सुरक्षा सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि इस घटना में 30 से अधिक लोग मारे गए और घायल हुए हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि बम धमाके में घायल हुए पीड़ितों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इससे पहले अफगानिस्तान में अलग-अलग जगहों पर बम धमाके हुए थे। सबसे पहला धमाका उत्तरी मजार-ए-शरीफ में स्थित साई दोकन मस्जिद में हुआ था, जिसमें 30 लोगों की मौत हो गई और अन्य 40 लोग घायल हुए। इसके बाद दूसरा विस्फोट काबुल के दश्त-ए-बरची इलाके में सड़क किनारे हुआ, जिसमें दो मासूम बच्चे बुरी तरह घायल हुए। तीसरा और आखिरी धमाका कुंदुज प्रांत में हुआ, जिसमें वाहन को निशाना बनाया गया था।

रूस ने मारियुपोल पर फिर शुरू किये हमले

कीव,एजेंसी। यूक्रेन के दक्षिणी शहर मारियोपुल पर जीत और एक विशाल इस्पात संयंत्र पर कब्जा नहीं करने की घोषणा के कुछ ही दिनों बाद रूसी सेना ने संयंत्र में छिपे अंतिम यूक्रेनी रक्षकों पर अपना हमला फिर से शुरू कर दिया है। खलीज टाइम्स ने रविवार को यह जानकारी दी।अखबार ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के हवाले से बताया कि देश की सेना अभी तक बंदरगाह शहर की घेराबंदी तोड़ने की कोशिश करने की स्थिति में नहीं है। मारियुपोल पर हमला इस युद्ध की अब तक की सबसे बड़ी लड़ाई है, जो हफ्तों से जारी है। इस शहर पर कब्जा करना क्रीमिया के साथ पूर्वी डोनबास क्षेत्र को जोड़ने के रूस के प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। श्री जेलेंस्की ने बताया कि रूसी हमलों में काला सागर के ओडेसा बंदरगाह में कम से कम आठ लोग मारे गये। यूक्रेन के सशस्त्र बलों ने बताया कि दो मिसाइलों ने शनिवार को एक सैन्य अड्डे पर हमला किया और दो आवासीय तथा दो अन्य भवनों को नष्ट कर दिया। अनुमानों के अनुसार मारियुपोल में दसियों हजार नागरिक मारे गये हैं और अब भी करीब 1,00,000 नागरिक वहां फंसे हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र और रेड क्रॉस ने मारे गये नागरिकों की संख्या हजारों में बतायी है। ओडेसा बंदरगाह और काला सागर के पास स्थित शहर मायकोलाइव में रविवार तड़के से पहले हवाई हमले के सायरन सुनाई दिये, लेकिन ताजा हमलों के बारे में तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं मिली। इस बीच, अमेरिका के शीर्ष राजनयिक, विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन रविवार को यूक्रेन की राजधानी कीव का दौरा करेंगे और संकट के तीसरे महीने में प्रवेश करने पर यूक्रेन की हथियारों की जरूरत पर चर्चा करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय 'व्हाइट हाउस' ने हालांकि श्री ब्लिंकन और श्री ऑस्टिन की यूक्रेन यात्रा की योजना की अब तक पुष्टि नहीं की है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन को मिले अज्ञात मूल के हेपेटाइटिस के 170 मामले

जिनेवा,एलेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बच्चों में अज्ञात मूल के हेपेटाइटिस के लगभग 170 मामले दर्ज किये हैं। उसका कहना है कि कम से कम एक मौत पहले ही हो चुकी है। डब्ल्यूएचओ ने शनिवार को कहा, 21 अप्रैल 2022 तक, डब्ल्यूएचओ यूरोपीय क्षेत्र के 11 देशों और डब्ल्यूएचओ अमेरिकी क्षेत्र के एक देश से अज्ञात मूल के तीव्र हेपेटाइटिस के से कम से कम 169 मामले सामने आए हैं। ज्यादातर मामले ब्रिटेन (114) में दर्ज किये गए हैं। अन्य प्रभावित क्षेत्रों में अमेरिका, स्पेन, इजराइल, डेनमार्क, नेदरलैंड और इटली का नाम शामिल है। नॉर्वे और फ्रांस में दो-दो मामले सामने आए हैं जबकि रोमानिया और बेल्जियम में सिर्फ एक मामला दर्ज किया गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा, एक महीने से लेकर 16 वर्ष तक के बच्चों में मामले दर्ज किये गृजा रहे हैं। 17 बच्चों को लिवर प्रत्यारोपण की जरूरत पड़ी है। कम से कम एक मृत्यु भी दर्ज की गयी है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, इनमें से करीब 20 मरीज कोरोनावायरस संक्रमित भी पाए गए, जबकि 19 मरीज कोविड-19 और एडेनोवायरस से सह-संक्रमित थे। डब्ल्यूएचओ ने कहा, तीव्र वायरल हेपेटाइटिस का कारण बनने वाले सामान्य वायरस (हेपेटाइटिस वायरस ए, बी, सी, डी और ई) इनमें से किसी भी मामले में नहीं पाए गए हैं। वर्तमान में उपलब्ध जानकारी के आधार पर इसके कारक का पता नहीं चल सका है। संगठन ने कहा कि वर्तमान स्थिति में यात्रा प्रतिबंध आवश्यक नहीं हैं।

नाइजीरिया की तेल रिफाइनरी में विस्फोट, 100 से अधिक लोगों की मौत

पोर्ट हरकोर्ट,एजेंसी। नाइजीरिया की एक अवैध तेल रिफाइनरी में धमाका होने से शनिवार को 100 से अधिक लोगों की मौत हो गई, जबकि बड़ी संख्या में लोग घायल हो गए। इस धमाके से आसपास के क्षेत्र में आग लगने से हालात बेकाबू हो गए। धमाके की वजह और मृतकों के सही आंकड़ों का पता लगाया जा रहा है।

आइमो के राज्य सूचना आयुक्त डेक्लान एमेलुम्बा ने बताया कि नाइजीरिया के रिवर राज्य में एक अवैध तेल शोधन डिपो में विस्फोट होने के बाद आग तेजी से दो तेल डिपो तक फैल गई जिससे 100 से अधिक लोग मारे गए। पेट्रोलियम संसाधनों के राज्य आयुक्त गुडलक ओपिया ने कहा कि लोग इतनी बुरी तरह से झुलसे हुए हैं कि उन्हें पहचानना मुश्किल है। स्थानीय रूप से बंकरिंग के रूप में जाने जाने वाले पेट्रोलियम उत्पादों की चोरी और अवैध शोधन से पहले भी कई हादसे हुए हैं और सैकड़ों लोगों की जान गई है। तेल उत्पादक नाइजर डेल्टा में बेरोजगारी और गरीबी के कारण अवैध कच्चे तेल की रिफाइनिंग काफी बढ़ गई है। कच्चे तेल को प्रमुख तेल कंपनियों के स्वामित्व वाली पाइपलाइनों के एक वेब से टैप किया जाता है। इसके बाद अस्थायी टैंकों में प्रोडक्ट को रिफाइन किया जाता है। इस तरह से खतरनाक प्रोसेस से कई घातक हादसे हो चुके हैं। पिछले साल अक्टूबर में एक अन्य अवैध रिफाइनरी में विस्फोट और आग में कुछ बच्चों सहित कम से कम 25 लोग मारे गए थे। सरकारी अधिकारियों का अनुमान है कि अफ्रीका का सबसे बड़ा तेल उत्पादक और निर्यातक नाइजीरिया, पाइपलाइनों के दोहन या तोड़फोड़ करने वालों के लिए प्रतिदिन औसतन 200,000 बैरल तेल उत्पादन का 10त्न से अधिक नष्ट कर देता है। इसने तेल कंपनियों को नियमित रूप से तेल और गैस निर्यात पर अप्रत्याशित घटना की घोषणा करने के लिए मजबूर किया है।

श्रीलंका की मदद को बढ़े हाथ, आर्थिक मदद के साथ 50 करोड़ डॉलर कर्ज भी देगा भारत

कोलंबो,एजेंसी। भीषण आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका की मदद को वैश्विक संस्थानों के हाथ बढ़ रहे हैं। विश्व बैंक के साथ मिलकर 15.29 हजार करोड़ रुपये की आर्थिक मदद के अलावा भारत ने 50 करोड़ डॉलर अतिरिक्त कर्ज देने का भी फैसला किया है। आर्थिक संकट से त्रस्त श्रीलंका में महंगाई चरम पर है। ऐसे में भारत समेत कई देशों ने जहां श्रीलंका की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है, वहीं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की ओर से भी राहत पैकेज का एलान हुआ है। श्रीलंका के वित्त मंत्री अली साबरी ने दावा किया कि भारत और विश्व बैंक मिलकर श्रीलंका को 15.29 हजार करोड़ रुपये की मदद देने वाले हैं।

इस बीच आर्थिक संकट से बाहर आने के लिए श्रीलंका ने चीन और जापान से भी बातचीत शुरू की है। श्रीलंका के वित्त मंत्री ने दावा किया कि विश्व बैंक अगले चार महीनों में 30 करोड़ से 60 करोड़ डॉलर के बीच मदद देने की योजना बना रहा है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से पुनर्वास पैकेज मिलने में देरी के बीच भारत और मदद के लिए आगे आया है। भारत ने पचास हजार करोड़ डॉलर का अतिरिक्त कर्ज देने पर सहमति जताई है। श्रीलंका के वित्त मंत्री अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से पुनर्वास पैकेज पर बातचीत के लिए इस समय वाशिंगटन में हैं। श्रीलंका को भीषण आर्थिक संकट से निपटने के लिए कम से कम 4 अरब डॉलर की जरूरत है। श्रीलंका के पास तेल आयात करने का भी पैसा नहीं है। उसका विदेशी मुद्रा कोष खाली हो चुका है और मुद्रा का भी अवमूल्यन हो गया है।

जो बाइडेन का दावा, क्वाड की बढ़ती ताकत से घबरा गए थे शी जिनपिंग

वाशिंगटन,एजेंसी। क्वाड्रीलेटरल सिक्योरिटी डायलॉग यानी क्वाड में भारत की सक्रियता से सिर्फ पाकिस्तान ही परेशान नहीं है, चीन भी इसे लेकर असहज महसूस करता है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने दावा किया है कि ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका के संयुक्त संगठन क्वाड की बढ़ती ताकत से चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी घबरा गए थे और उन्होंने इसे चीन के खिलाफ बताते हुए आपत्ति भी जताई थी।

हिंद प्रशांत क्षेत्र में सक्रिय देशों अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान व भारत ने मिलकर क्वाड्रीलेटरल सिक्योरिटी डायलॉग यानी क्वाड का गठन किया है। इसे लेकर पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान तो कहते ही रहे हैं कि क्वाड में भारत की सक्रियता इस देश की स्वतंत्र विदेश नीति की परिचायक है। अब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने क्वाड को लेकर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की चिंताओं का रहस्योद्घाटन किया है। बाइडेन ने कहा कि क्वाड की सक्रियता और बढ़ती ताकत को देखकर

जिनपिंग घबरा गए थे। उन्होंने एक बार बाइडेन से यहां तक कह दिया था कि वे चीन के खिलाफ क्वाड को मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। दरअसल बाइडेन द्वारा क्वाड के मंच से अमेरिका के साथ ऑस्ट्रेलिया, भारत व जापान को लामबंद करने के प्रयासों की बात कहे जाने पर जिनपिंग ने कहा था कि ऐसा सिर्फ चीन को प्रभावित करने के लिए किया जा रहा है। इस पर बाइडेन ने जवाब दिया था कि ऐसा हिंद प्रशांत क्षेत्र में काम कर देशों को एक साथ रखने के लिए किया जा रहा है।

यूक्रेन को भारी हथियार देने पर चर्चा करने के लिए ब्लिंकन और ऑस्टिन कीव जाएंगे

कीव,एजेंसी। रूसी सेना के साथ आगे की लड़ाई के लिए शक्तिशाली हथियार मांगने के अनुरोध पर यूक्रेन से चर्चा करने के लिए अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन रविवार को कीव का दौरा करेंगे। सर्वोच्च स्तरीय अमेरिकी अधिकारियों की यह यूक्रेन यात्रा 24 फरवरी से युद्ध की शुरुआत के बाद से पहली होगी। हालांकि व्हाइट हाउस ने ब्लिंकन और ऑस्टिन की किसी यात्रा योजना की पुष्टि नहीं की है।

इस संबंध में विदेश विभाग और पेंटागन ने टिप्पणी से इनकार किया है लेकिन यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने शनिवार को अमेरिकी अधिकारियों की इस यात्रा के बारे में जानकारी दी है। ज़ेलेंस्की ने शनिवार की शाम को एक भूमिगत मेट्रो स्टेशन में एक चर्चा के दौरान कहा कि कल हम अमेरिका से हथियारों की सटीक सूची और डिलीवरी की गति पर चर्चा करेंगे।

ज़ेलेंस्की की टिप्पणी ऐसे समय आई है जब रूस ने मारियुपोल में एक स्टील प्लांट में जमे यूक्रेनी सैनिकों पर फिर से हमला शुरू कर दिया है। मारियुपोल पर कब्जे के लिए रूस पिछले कई हफ्तों से हमला कर रहा है। पूर्वी डोनबास क्षेत्र को क्रीमिया से जोड़ने के रूस के प्रयासों के लिए मारियुपोल पर कब्जा करना महत्वपूर्ण माना जाता है। मॉस्को समर्थित अलगाववादियों ने वर्षों से डोनबास क्षेत्र में कब्जा कर लिया है, जिसमें डोनेट्स्क के क्षेत्र, मारियुपोल और लुहान्स्क शामिल हैं। लुहांस्क के गवर्नर सेरही गदाई ने कहा कि ईस्टर की छुट्टी पर भी लड़ाई जारी थी। गदाई ने अपनी पोस्ट में बताया कि लुहांस्क क्षेत्र में सात चर्चों को रूसी सेना ने अपनी तोपों से नष्ट कर दिया है।

आज अंकारा में अर्दोआन और गुटेरेस की बैठक

संयुक्त राष्ट्र,एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस सोमवार, 25 अप्रैल को तुर्की का दौरा करेंगे। यूएन की प्रेस सेवा के अनुसार वहां उनके तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयब अर्दोआन से मिलने की उम्मीद है।

यूएन ने शनिवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा, महासचिव अंकारा, तुर्की का दौरा करेंगे, जहां 25 अप्रैल को राष्ट्रपति रेसेप तैयब अर्दोआन उनकी अगवानी करेंगे। शुक्रवार को यूएन महासचिव के एक प्रवक्ता ने घोषणा की कि संयुक्त राष्ट्र ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मिलने के लिए एंटोनियो गुटेरेस की मास्को की आगामी यात्रा की पुष्टि की है। क्रेमलिन ने भी संयुक्त राष्ट्र महासचिव की यात्रा की पुष्टि करते हुए कहा कि पुतिन और लावरोव 26 अप्रैल को वार्ता के लिए गुटेरेस की अगवानी

करेंगे। गुरुवार, 28 अप्रैल को, गुटेरेस के यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की और विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा के साथ कीव में मिलने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री के रैली स्थल से 12 किमी दूर संदिग्ध विस्फोट

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में जम्मू जिले के ललियान गांव स्थित एक मैदान में रविवार तड़के एक रहस्यमय विस्फोट हुआ, जो सांबा जिले के पल्ली गांव के उस स्थान से महज 12 किलोमीटर दूर है, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज रैली को संबोधित करने वाले हैं। सूत्रों ने बताया कि तड़के करीब 4:25 बजे बिश्नाह के ललियान गांव के पास एक जोरदार आवाज सुनाई दी, जिसके बाद स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गई। उन्होंने बताया कि पुलिस दल अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ मामले की जांच करने घटनास्थल पर पहुंच गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह विस्फोट एक खुले मैदान में हुआ। उन्होंने कहा, जम्मू के बिश्नाह स्थित ललियान गांव के निवासियों ने एक खुले मैदान में संदिग्ध धमाके की सूचना दी थी। हमें शक है कि यहां बिजली गिरी है या जमीन से कोई उल्का पिंड टकराया है। पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंच गयी है और जांच शुरू कर दी गयी है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री की रैली से दो दिन पहले जम्मू के सुंजुवान में शुक्रवार सुबह एक मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद संगठन के दो आतंकवादी मारे गए, जबकि सीआईएसएफ का एक एएसआई शहीद हो गया और 11 सुरक्षाकर्मी घायल हो गये।

यूक्रेन पर हमले का 60वां दिनः मारियुपोल में मिली एक और सामूहिक कब्र, जी-20 का सदस्य बना रहेगा रूस

कीव,एजेंसी। यूक्रेन पर रूस के हमले के 60 दिन हो चुके हैं। मारियुपोल शहर पर रूस के कब्जे के एलान के बाद यूक्रेनी प्रशासन वहां नरसंहार के दावे कर रहा है, अब मारियुपोल में एक और सामूहिक कब्र मिली है। वहीं, अतरराष्ट्रीय स्तर पर तमाम दबावों के बावजूद रूस जी-20 देशों का सदस्य बना रहेगा। इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रूस की स्वीकार्यता बने रहने के रूप में देखा जा रहा है।

यूक्रेन के सबसे बड़े बंदरगाह शहर मारियुपोल पर कब्जे का एलान रूस कर चुका है। अब मारियुपोल के मेयर की ओर से शहर के बाहर एक और सामूहिक कब्र मिलने का दावा किया गया है। उपग्रह से ली गयी एक तस्वीर के हवाले से कहा गया है कि 45 मीटर लंबी और 25 मीटर चौड़ी इस सामूहिक कब्र में रूसी सैनिकों द्वारा मारियुपोल के एक हजार से अधिक नागरिकों को मारकर दफना दिया गया है। इस बीच रूस ने पूर्वी यूक्रेन में सेना भेजना शुरू कर दिया है। मारियुपोल पर कब्जे के बाद मारियुपोल बंदरगाह से ये सैन्य इकाइयां रवाना की जा रही हैं। यूक्रेन की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव ओलेक्सी डैनिलोव ने कहा कि अब रूस ने

सीरिया और लीबिया के एक लाख से अधिक भाड़े के सैनिकों को उतार दिया है। उन्होंने यूक्रेन के सामने मुश्किल स्थिति होने की बात कही किन्तु दावा किया कि यूक्रेन की सेना मुस्तैदी से देश की रक्षा कर रही है। उधर, रूस को पश्चिमी देशों द्वारा अलग-थलग करने की कोशिशें सफल नहीं हो रही हैं। ऑस्ट्रेलिया, जापान, ब्राजील, ब्रिटेन, कनाडा, चीन, भारत, दक्षिण अफ्रीका जैसे बीस देशों के समूह जी-20 से रूस को बाहर करने के प्रयास भी विफल हो रहे हैं। चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका समेत कई देशों ने जी-20 में रूस की सदस्यता के समर्थन का दावा किया है। ऐसे में रूस का जी-20 देशों का सदस्य बना रहेगा।

लापता नाव काजू-1 के नौ यात्री बचाए गए

टोक्यो,एजेंसी। जापान के होकाइडो द्वीप के तट से शनिवार को 26 यात्रियों के साथ गायब हुई नाव से कम से कम नौ लोगों को बचा लिया गया है। तटरक्षक दल ने रविवार को इसकी सूचना दी। सीएनएन ने तटरक्षक दल का हवाला देते हुए कहा कि लापता यात्रियों को केप शिरेतोको से बचाया गया है। उन्होंने कहा कि बचाए गए नौ में से चार यात्री बेहोश अवस्था में मिले थे। पांच की स्थिति अभी भी अज्ञात है। सीएनएन के अनुसार, एनएचके प्रसारक ने सूचना दी थी कि शनिवार को काजू-1 पर्यटक नाव के कर्मीदल द्वारा उसमें पानी भरने की शिकायत के बाद अधिकारियों से संपर्क टूट गया था। नाव पर दो बच्चों और चालक दल के दो सदस्यों सहित कुल 26 लोग थे। सीएनएन ने जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी के क्षेत्रीय कार्यालय की वेबसाइट के हवाले से बताया कि जिस क्षेत्र में नाव नीचे गई थी, उसके आसपास के समुद्र के पानी का तापमान 35 से 37 डिग्री फ़ारेनहाइट (3 डिग्री सेल्सियस से थोड़ा कम) था।

दक्षिण यूक्रेन पर कब्जा करना चाहता है रूस, रूसी जनरल ने दिया बयान

कीव/मारियुपोल/मास्को,एजेंसी। दक्षिण यूक्रेन पर रूस कब्जा करने की इच्छा रखता है, यह खुलासा एक रूसी जनरल ने किया है। जनरल के इस बयान ने रूस के पहले के बयान को गलत साबित कर दिया, जिसमें रूस ने कहा था कि वह यूक्रेन के इलाकों पर कब्जा नहीं करना चाहता है। एक रिपोर्ट के अनुसार रूसी सेना ने खार्किव क्षेत्र के बड़े आर्म्स डिपो पर अपना कब्जा कर लिया है, जहां हजारों टन गोला-बारूद और हथियार मौजूद है। रूस के केंद्रीय सैन्य जिले के डिप्टी कमांडर रुस्तम मिनेकेयेव ने कहा कि दक्षिणी यूक्रेन पर पूर्ण नियंत्रण उसे पश्चिम में मोल्दोवा के एक अलग, रूसी कब्जे वाले हिस्से तक पहुंच प्रदान करेगा। इसके साथ वह यूक्रेन के प्रमुख शहरों माइकोलाइव और ओडेसा की तरफ आगे बढ़ेगा।

रूसी सेना की तरफ से जारी बयान के अनुसार उसने डोनबास समेत लगभग समूचे दक्षिणी यूक्रेन पर कब्जा कर लिया है। अब वो दक्षिण में मोल्दोवा की तरफ बढ़ रहे हैं। रूस के मुताबिक सेना ने दूसरे चरण के युद्ध के लक्ष्य को पा लिया है। यूरोपियन यूनियन के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि आगामी कुछ हफ्ते युद्ध के लिए निर्णायक साबित होंगे। मॉस्को का कहना है कि वह यूक्रेन को असैन्य करने और अपनी आबादी को उन लोगों से मुक्त करने के

लिए एक विशेष सैन्य अभियान चला रहा है, जिसे वह खतरनाक राष्ट्रवादी कहता है। यूक्रेन और उसके पश्चिमी सहयोगी रूस के आक्रमण को आक्रमण का अनुचित युद्ध बताते हैं। क्रेमलिन ने यूक्रेन पर आरोप लगाया गया कि यूक्रेन की सरकार ने इन लोगों के साथ कभी भी समान दृष्टिकोण नहीं अपनाया और भेदभाव किया। रूस की तरफ से ये भी कहा गया कि नाटो ने रूस की सीमा पर संकट बढ़ाने का काम किया है। वहीं इस युद्ध को समाप्त करने की पहल को लेकर संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव एंटोनिया गुटेरेस मास्को की यात्रा पर जाने वाले हैं। जानकारी के मुताबिक यूएन महासचिव 26 अप्रैल को मास्को पहुंचेंगे और राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात करेंगे।

एक नजर

अठारहवें दिन भी स्थिर रहे पेट्रोल और डीजल के दाम

नई दिल्ली,एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कमीतों में करीब दो प्रतिशत की जारी गिरावट की बदौलत घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों आज अठारहवें दिन भी कोई बदलाव नहीं हुआ। रूस-यूक्रेन संघर्ष को लेकर अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जारी उतार-चढ़ाव के बीच रविवार को सिंगापुर में अमेरिकी क्रूड 1.97 प्रतिशत गिरकर 101.75 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड भी 106.65 डॉलर प्रति बैरल पर सपाट रहा। सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी तले विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के अनुसार, दाम में टिकाव की वजह से आज दिल्ली में पेट्रोल 105.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 96.67 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 137 दिन की स्थिरता के बाद गत 22 मार्च से बढ़नी शुरू हुई थीं। कंपनियों ने पिछले 30 दिन में 14 बार पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि की। इस दौरान इनके भाव में करीब 10 रुपये प्रति लीटर की तेजी आयी है। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की नित्य प्रतिदिन समीक्षा होती है और उसके आधार पर प्रतिदिन सुबह छह बजे से नयी कीमतें लागू की जाती हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार 31.1 करोड़ डॉलर गिरकर 603.7 अरब डॉलर पर

मुंबई,एजेंसी। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 15 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में लगातार पांचवें सप्ताह गिरता हुआ 31.1 करोड़ डॉलर कम होकर 603.7 अरब डॉलर डॉलर पर आ गया। इसके पिछले सप्ताह यह 2.47 अरब डॉलर घटकर 604 अरब डॉलर और 01 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में यह रिकॉर्ड 11.17 अरब डॉलर कम होकर 606.48 अरब डॉलर पर रहा था। इसी तरह 25 मार्च को समाप्त सप्ताह में 2.03 अरब डॉलर गिरकर 617.65 अरब डॉलर पर रहा। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 15 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 87.7 करोड़ डॉलर घटकर 536.8 अरब डॉलर पर आ गया। हालांकि इस दौरान स्वर्ण भंडार में वृद्धि हुई और यह 62.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 43.15 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 4.4 करोड़ डॉलर घटकर 18.7 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 1.6 करोड़ डॉलर की गिरावट के साथ पांच अरब डॉलर रह गई।

कोलकाता और अहमदाबाद में खेले जाएंगे आईपीएल के प्लेऑफ़ मुक़ाबले

मुम्बई,एजेंसी। अहमदाबाद और कोलकाता में खेले जाने वाले आईपीएल के प्लेऑफ़ मुक़ाबले दर्शकों की पूरी क्षमता के साथ खेले जाएंगे। कोलकाता के ईडन गार्डन का मैदान 24 और 25 मई को क्वालिफ़ायर एक और एलिमिनेटर की मेज़बानी करेगा। एक दिन के ब्रेक के बाद अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम 27 मई को क्वालिफ़ायर दो की मेज़बानी करेगा। साथ ही फ़ाइनल मुक़ाबला भी 29 मई को इसी स्टेडियम में खेला जाएगा।

दो वर्षों में ऐसा पहली बार होगा जब आईपीएल का कोई मुक़ाबला दर्शकों की पूरी क्षमता के बीच खेला जाएगा। पिछले दो सीज़न कोरोना की वजह से या तो खाली मैदान में खेले गए या मैदान में दर्शकों को सीमित संख्या में ही आने की अनुमति दी गई। आईपीएल 2022 में पहले मैदान में 25 फ़ीसदी दर्शकों के आने की अनुमति दी गई। हालांकि भारत में कोरोना की सामान्य स्थिति को देखते हुए मैदान में 50 फ़ीसदी दर्शकों की मौजूदगी की रज़ामंदी दे दी गई। इस सीज़न में महाराष्ट्र के चार मैदानों में ही सभी मुक़ाबले खेले जा रहे हैं। मुंबई में वानखेड़े और ब्रेबोर्न स्टेडियम, नवी मुंबई में स्थित डीवाई पाटिल स्टेडियम और पुणे का एमसीए स्टेडियम लीग मैचों की मेज़बानी कर रहे हैं।

अहमदाबाद और कोलकाता दोनों ही स्टेडियम में भारत और वेस्टइंडीज़ की श्रृंखला खेली गई थी। हालांकि अहमदाबाद में खेले गए वनडे सीरीज़ के मुक़ाबलों में दर्शकों को आने की अनुमति नहीं थी, लेकिन कोलकाता में खेले गए टी20 मुक़ाबलों में 75 फ़ीसदी दर्शकों के आने की अनुमति दी गई थी।बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा, आईपीएल के नॉकआउट मुक़ाबले कोलकाता और अहमदाबाद में खेले जाएंगे। 22 मई को लीग स्टेज के मुक़ाबले समाप्त होने के बाद शेष मुक़ाबले दर्शकों की 100 फ़ीसदी क्षमता के साथ खेले जाएंगे। गांगुली ने महिला चैलेंजर्स ट्रॉफ़ी की भी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि 24 से 28 मई के बीच सभी मुक़ाबले लखनऊ में खेले जाएंगे।

तीरंदाजी वर्ल्ड कपः भारतीय रिकर्व मिक्सड टीम ने जीता गोल्ड

अंताल्या,एजेंसी। रिद्धि और तरुणदीप राय की रिकर्व मिक्सड टीम ने रविवार को यहां तीरंदाजी विश्व कप के पहले चरण में दो स्वर्ण पदक जीतकर अपने अभियान को समाप्त किया। भारत ने स्वर्ण पदक के इस करीबी मुकाबले में चौथे सेट के अंत में स्कोर 4-4 से बराबरी करने के बाद 18-17 शूट-ऑफ (निशाने में) में ब्रिटेन को हराया। रिद्दि और रॉय ने पहली बार एकसाथ किसी मुकाबले में भाग लिया।

जीत के बाद राय ने कहा, यह पहली बार है कि हम दोनों एक साथ खेला है, वह सिर्फ 17 साल की है और उसका भविष्य उज्ज्वल है। रिद्दि के साथ अनुभव काफी अच्छा रहा और हर बार निशाने लगाते हुए मैनें इच्छा जतायी की भारतीय टीम स्वर्ण पदक जीते। विश्व कप का खिताब जीतना एक बड़ी उपलब्धि है और यह अनुभव एशियन खेलों में पदक जीतने में हमारी मदद करेगा। रिद्दि ने कहा, यह पहली बार नहीं है जब मैं कोई फाइन खेल रही हूं, मैं अपना पहला विश्व कप खेल रही हूं। मैं यहां फाइनल खेलने के लिए उत्साहित थी और किसी सीनियर टूर्नामेंट में यह मेरा अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। भारत जोड़ी की शुरूआत खराब रही। टीम ने दूसरे दौर में यूक्रेन के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत की और 6-2 से जीत दर्ज की। भारत का यह प्रदर्शन क्वाटरफाइनल में पोलैंड को 5-1 से हराकर और सेमीफाइनल में स्पेन को 5-3 से हराकर बरकरार रहा। इससे पहले शनिवार को अभिषेक वर्मा, अमन सैनी और रजत चौहान की पुरुष कंपाउंड टीम ने रोमांचक मुकाबले में फ्रांस को 232-230 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। अभिषेक और मुस्कान किरार की मिकस्ड टीम क्रोएशिया से 156-157 से हारकर कांस्य पदक अपने नाम करने से चूक गयी थी।

अगर बेन स्टोक्स कप्तान नहीं बनना चाहते तो इंग्लैंड क्रिकेट के लिए बड़ी मुसीबत है : इयान चैपल

लंदन,एजेंसी। जो रूट जब यॉर्कशायर की कप्तानी करते थे तब समर्थकों ने उनकी कप्तानी की आधार पर उन्हें एक अपमानजनक उपनाम दिया था। शायद इंग्लैंड के क्रिकेट अधिकारियों को समझ जाना चाहिए था कि इंग्लैंड के कप्तानी के लिए उनकी योग्यता पर यह सवालिया निशान था।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल ने क्रिकइंफो पर अपने कालम में लिखा, रूट ने इंग्लैंड कप्तानी से अपनी ग़लतियों के चलते ही हाथ धोया है और इसके बाद इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने रॉबर्ट की को प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त किया है। रूट के ख़ुद इस घोषणा करने से की उन्हें कप्तानी से हटाने के एक विवादित फ़ैसला लेने से बच गए। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम से इस बात को नहीं झुठलाया जा सकता है कि ईसीबी अपनी ग़लतियों को सुधारने के लिए अत्यधिक समय लेती है। चैपल ने लिखा, रूट के कार्यकाल में इंग्लैंड विश्व क्रिकेट में पिछड़ने लगा था और रॉबर्ट के लिए इस प्रक्रिया को रोकना ही सबसे बड़ा काम होगा। रूट का इस्तीफ़ा और उसके बाद उनके उत्तराधिकारी पर चल रही बहस ही साक्षी है कि ईसीबी में निर्णयन शक्ति कितनी कमज़ोर है। रूट की कप्तानी के शुरुआती दिनों में ही साफ़ था कि उनमें एक अच्छे कप्तान के गुण मौजूद नहीं हैं। वर्तमान टीम में बहुत कम ऐसे खिलाड़ी हैं जो एक प्राकृतिक कप्तान लगते हैं और यह भी ईसीबी की ग़लती है। हर प्रथम एकादश में कुछ विकल्प साफ़ नज़र आने चाहिए। उन्होंने कहा कि रॉबर्ट के पदभार संभालने से पहले कई नाम लिए जा रहे थे। स्टुअर्ट ब्रॉड एक बुद्धिमान और विद्वत्तापूर्ण क्रिकेटर हैं लेकिन उन्हें कप्तानी नहीं देनी चाहिए। वह एक उम्रदराज़ खिलाड़ी हैं और गेंदबाज़ी और फ़ील्ड प्लेसमेंट के हिसाब से काफ़ी सुरक्षात्मक सोच के क्रिकेटर हैं। जॉस बटलर एक टेस्ट विकेटकीपर नहीं हैं और प्रथम एकादश में जगह नहीं बना पाते।

आरएफडीएलःआरएफ यंग चैम्प्स ने मुंबई सिटी को 2-0 से पीटा

गोवा,एजेंसी। रिलायंस फाउंडेशन यंग चैम्पस (आरएफवाईसी) ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रिलांयस फाउंडेशन डेवलपमेंट लीग (आरएफडीएल) के तीसरे राउंड के मुकाबले में अपने स्थानीय प्रतिद्वंद्वी मुंबई सिटी एफसी को 2-0 से हरा दिया। शनिवार रात यहां बेनाउलिम ग्राउंड में खेले गए फुटबॉल मुकाबले में गुलाब हिमबहादुर ने सातवें और राशिद सीके ने 45वें मिनट में गोल करके युवा टीम की प्रतियोगिता में पहली जीत सुनिश्चित की। इससे पूर्व यंग चैम्पस अपने शुरुआती दो मुकाबले में प्रभावी प्रदर्शन करते नजर आए थे।

भारत के पूर्व अंतरराष्ट्रीय फुटबॉलर और मुख्य कोच अराता इज़ुमी के लड़के शुरुआत से ही आक्रामक नजर आए और मुंबई पर दबाव बना रहे थे। कोल्ट्स को सात मिनट में बढ़त मिल गई, जब सूरदास मेइतेई ने सनन मोहम्मद को बेहतरीन फॉरवर्ड पास से ढूंढा और फिर सनन के क्रॉस पर हिमबहादुर ने बेहद करीब से वॉली लगाकर गेंद को गोलजाल तक पहुंचा दिया। 20 वर्ष की औसत आयु वाली टीम मुंबई मिले मौकों पर स्कोर नहीं कर सकी। अमन सीके ने एक आसान कोण से सीधे गोलकीपर के हाथों में शॉट मारकर अवसर को जाया कर दिया। लेकिन 17 वर्ष की औसत आयु वाली टीम आरएफ यंग चैंप्स ने मुंबई के डिफेंडरों को बार-बार परेशान रखा, सनन का शॉट मध्यांतर से पहले क्रॉसबार पर जा लगा। हाफटाइम ब्रेक से ठीक पहले आरएफ यंग चैंप्स की बढ़त दोगुनी हो गई, जब मेइतेई ने राशिद की तरफ गेंद माइनस करते हुए चतुराई के साथ बेहतरीन पास दिया। इस पास से मुंबई के केविन डिसूजा निपटना सकते थे, लेकिन वो नाकाम रहे और राशिद ने गोल करके 2-0 की बढ़त बनाई। दूसरी हाफ में अवसर कम बने और इस दौरान अराता के लड़कों ने अपनी बढ़त बनाए रखते हुए मुकाबले को अपने पक्ष में करने का साहस दिखाया।

पांच टी-20 मैचों के लिए भारत का दौरा करेगा द. अफ़्रीका

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को घोषणा की कि दक्षिण अफ़्रीका के विरुद्ध पांच टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों की सीरीज़ की शुरुआत दिल्ली में होगी। बाक़ी चार मैच कटक, विशाखापटनम, राजकोट और बेंगलुरु में खेले जेंगे। 19 जून को अंतिम मैच के साथ इस सीरीज़ की समाप्ति होगी। 29 मई को खेले जाने वाले आईपीएल 2022 के फ़ाइनल मुक़ाबले के 10 दिन बाद इस सीरीज़ का आग़ाज़ होगा। यह पांच मैच नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में खेले जाने वाले पुरुष टी20 विश्व कप के दृष्टिकोण से काफ़ी महत्वपूर्ण होंगे। दक्षिण अफ़्रीका ने मार्च 2020 में तीन वनडे मैचों की सीरीज़ के लिए भारत का दौरा किया था। हालांकि बारिश के कारण पहले मैच के रद्द होने के बाद, कोरोना महामारी के चलते इस सीरीज़ को स्थगित कर दिया गया था। इन दोनों टीमों ने आख़िरी बार सितंबर 2019 में टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज़ खेली थी। पिछले साल भारत ने तीन टेस्ट और तीन वनडे मैचों के लिए दक्षिण अफ़्रीका का दौरा किया था। सेंचुरियन में पहला टेस्ट मैच जीतने के बावजूद भारत को दोनों सीरीज़ में हार का सामना करना पड़ा था। चोटिल दीपक चाहर के अलावा भारतीय टी20 अंतर्राष्ट्रीय टीम के सभी सदस्य आईपीएल में हिस्सा ले रहे हैं। साथ ही क्विंटन डिकॉक, एडन मारक्रम, डेविड मिलर, ड्वेन प्रिटोरियस, कैगिसो रबादा, रैसी वान डेर डुसेन, लुंगी एनगिडी, एनरिक नोर्त्जे के रूप में कई दक्षिण अफ़्रीकी सुपरस्टार भी आईपीएल खेल रहे हैं।

दक्षिण अफ़्रीका के भारत दौरे का कार्यक्रम

9 जून-पहला टी20 अंतर्राष्ट्रीय, दिल्ली

12 जून- दूसरा टी20 अंतर्राष्ट्रीय, कटक

14 जून- तीसरा टी20 अंतर्राष्ट्रीय, विशाखापटनम

17 जून- चौथा टी20 अंतर्राष्ट्रीय, राजकोट

19 जून- पांचवां टी20 अंतर्राष्ट्रीय, बेंगलुरु

लखनऊ ने केएल राहुल और गेंदबाजों के दम पर 36 रनों से जीत हासिल की

मुंबई,एजेंसी। कप्तान केएल राहुल के शतक के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत लखनऊ सुपरजाइंट्स ने रविवार को वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए आईपीएल के मुकाबले में मुंबई इंडियंस को 36 रनों से हरा दिया हैं। लखनऊ सुपरजाइंट्स के गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत 169 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई आठ विकेट खोकर 132 रन ही बना सकी। टूर्नामेंट में उसकी लगातार आठवीं हार है।

मुंबई के रोहित शर्मा के 39 रनों ने टीम को तेज शुरूआत दिलायी। लेकिन पावरप्ले के बाद लखनऊ ने मुंबई पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। शीर्ष बल्लेबाज इशान किशन को रवि बिश्नोई ने आठ रनों पर स्लिप में कैच कराकर मुंबई की उम्मीदों को बरकरार रखा। जेसन होल्डर ने 18वें ओवर में तिलक को आउट कर दिया।

पोलार्ड को आउट करते हुए पांड्या ने इस मैच में तीन विकेट अपने नाम किए। इससे पहले टॉस जीतकर लखनऊ को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित करने वाली मुंबई ने पावरप्ले अपना दबदबा बनाए रखा। हालांकि राहुल ने अपने बल्ले का कमाल दिखाते हुए टीम के लिए रन जोड़ते रहे। उन्होंने 12 चौकों और चार छक्कों की मदद से 62 गेंदों पर नाबाद 103 रन बनाए। लखनऊ ने निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट खोकर 168 रन बनाए। के एल राहुल के अलावा टीम का कोई भी खिलाड़ी 30 रनों के आंकड़ा भी नहीं छू पाया। जसप्रीत बुमराह ने क्विंटन डी कॉक को 10 रनों पर पवेलियन भेज दिया। मनीष पांडे महज 22 रन बनाकर केरोन पोलार्ड के हाथों अपना विकेट गंवा बैठें। राहुल का इस सीजन में मुंबई के खिलाफ यह दूसरा शतक है।

रायुन कैंपबेल की हालत स्थिर, बेहोशी से आए बाहर

लंदन,एजेंसी। दिल का दौरा पड़ने के बाद कोमा में चले गए नीदरलैंड्स के कोच रायन कैंपबेल की हालत अब स्थिर है। वह बेहोशी की हालत से बाहर आ गए हैं। कैंपबेल के परिवार ने रविवार को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट एसोसिएशन के ज़रिए कैंपबेल के स्वास्थ्य से जुड़ी यह जानकारी साझा की। बीते शनिवार कैंपबेल को दिल का दौरा पड़ा था, जिसके बाद वह कोमा में चले गए थे। उन्हें यूके के एक अस्पताल में आईसीयू में भर्ती किया गया था। जहां वह लगातार डॉक्टरों की निगरानी में थे। चार दिनों के बाद कैंपबेल के भाई मार्क कैंपबेल ने बताया था कि रायन अब कोमा से बाहर आ गए हैं। सोशल मीडिया पर साझा किए गए बयान में कहा गया है, हमारे परिवार को यह घोषणा करते हुए खुशी है कि रॉयल स्टोक यूनिवर्सिटी अस्पताल के स्टाफ़ के अथक परिश्रम के चलते रायन होश में आ गए हैं। उन्होंने बहुत अच्छी प्रतिक्रिया दी है और अब उनकी स्थिति स्थिर है।

हालांकि वह अभी भी बहुत कमज़ोर हैं, लेकिन वह बात कर रहे हैं

आईपीएल में 100 विकेट लेने वाले बने दूसरे विदेशी स्पिनर गेंदबाज बने राशिद खान

मुंबई। गुजरात टाइटन्स (जीटी) के लेग स्पिनर राशिद खान ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली है। राशिद ने आईपीएल में 100 विकेट पूरे कर लिए हैं और वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे विदेशी स्पिनर बन गए हैं। अफगानिस्तानी स्पिनर राशिद ने आईपीएल 2022 के 35वें मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज वेंकटेश अय्यर को आउट कर यह उपलब्धि हासिल की। इसके अलावा वह टूर्नामेंट के इतिहास में 100 विकेट के आंकड़े तक पहुंचने वाले तीसरे सबसे तेज गेंदबाज बन गए हैं। 23 वर्षीय, राशिद वेस्टइंडीज के सुनील

नारायण के बाद 100 विकेट लेने वाले दूसरे स्पिनर और कुल मिलाकर चौथे विदेशी गेंदबाज बन गए हैं। राशिद और सुनील के बाद 100 विकेट लेने वाले अन्य विदेशी गेंदबाज लसिथ मलिंगा और ड्वेन ब्रावो हैं। राशिद ने अपने 83 वें मैच में अपना 100 वां लीग विकेट लिया और बतौर स्पिनर आईपीएल इतिहास में सबसे तेज विकेटों का सैकड़ा पूरा करने के भारतीय लेग स्पिनर अमित मिश्रा के रिकॉर्ड की बराबरी की। राशिद ने युजवेंद्र चहल (84 मैच) और सुनील नरेन (86 मैच) को पीछे छोड़ा।

श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा के नाम सबसे तेज 100 विकेट (70 मैचों में) तक पहुंचने का रिकॉर्ड है। राशिद खान ने 2017 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए आईपीएल में पदार्पण किया और अब नई फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटन्स के उप-कप्तान हैं।

एमसीएक्स में शुरू होगा सोना मिनी का विकल्प वायदा कारोबार

मुंबई,एजेंसी। चांदी मिनी के वायदा कारोबार में कारोबारियों की बढ़ती रूचि को ध्यान में रखते हुए देश के सबसे बड़े वायदा कारोबार बाजार एमसीएक्स ने सोमवार से सोना मिनी का विकल्प कॉन्ट्रैक्ट कारोबार लॉन्च करने की आज घोषणा की।

एमसीएक्स ने रविवार को बताया कि कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के अलावा चांदी मिनी के वायदा कारोबार में व्यापारियों की विशेष रुचि को ध्यान में रखते हुए एक्सचेंज 25 अप्रैल 2022 से सोना मिनी का विकल्प कॉन्ट्रैक्ट कारोबार शुरू करेगा। यदि कारोबारियों की स्थिति विकल्प कॉन्ट्रैक्ट की समाप्ति तिथि पर लाभदायक है तो इसे वायदा में रूपांतरित किया जा सकेगा। इसमें कोई फिज़ीकल डिलिवरी की लेनदेन शामिल नहीं है। वायदा कारोबारियों के लिए यह

एक बड़ा कारण होगा क्योंकि उन्हें विकल्प की स्थिति को हेज करने के लिए वायदा की मदद मिलेगी या दूसरे शब्दों में हेजर्स वायदा और विकल्प के बीच पारस्परिक स्थिति को ऑफसेट करने में सक्षम होंगे। एमसीएक्स सोना मिनी वायदा कॉन्ट्रैक्ट कई वर्षों से चल रहा है और इसमें बहुत अधिक तरलता है। इसका मुख्य कारण इसकी लॉट साइज़ (जो कि केवल 100 ग्राम की है) हो सकता है। सोना मिनी विकल्प की लॉट का आकार भी 100 ग्राम रखा गया है यानी सोना मिनी विकल्प के लॉट का आकार फ्यूचर्स के लॉट आकार जितना ही छोटा है। नतीजतन, छोटे जौहरी या खुदरा निवेशक के साथ-साथ इंट्रा-डे व्यापारी और डेल्टा हेजर्स आसानी से इसका उपयोग कर सकते हैं। एक्सचेंज ने बताया कि ऑप्शन के माध्यम से ट्रेडिंग करने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसमें ट्रेड करने में बहुत ही कम लागत आती है। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि सीटीटी केवल प्रीमियम के टर्नओवर पर ही लगती है, जिसका मूल्य बहुत ही कम होता है। इस प्रकार, वायदा की तुलना में ऑप्शन में लागत कम होने के कारण कई ट्रेडर्स ऑप्शंस में ट्रेडिंग करना अधिक पसंद करते हैं। कहा जाता है कि जितना ज्यादा आप बचत करते हैं, उतना ज्याता कमाते हैं। आप भी गोल्ड-मिनी के ऑप्शंस द्वारा आपकी हेजिंग की कॉस्ट को कम कर सकते हो।

एक नजर

'किसान भागीदारी प्राथमिकता हमारी' अभियान 25 से 30 अप्रैल तक

नई दिल्ली,एजेंसी। कृषि मंत्रालय सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के सहयोग से आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में 25 से 30 अप्रैल तक किसान भागीदारी, प्राथमिकता हमारी अभियान का आयोजन कर रहा है। इस अभियान के दौरान, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग किसानों के लिए क्षेत्रीय स्तर पर राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम आयोजित करेगा। कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग प्रत्येक कृषि विज्ञान केंद्र में कृषि मेला और प्राकृतिक खेती पर प्रक्षेत्र प्रदर्शनी का आयोजन करेगा। केंद्रीय कृषि मंत्री सामान्य सेवा केंद्र (सीएससी) द्वारा आयोजित फसल बीमा पर राष्ट्रव्यापी कार्यशाला लॉन्च करेंगे। ग्रामीण विकास मंत्रालय के साथ-साथ डीएवाई-एनआरएलएम के तहत कृषि परितंत्र और पशुधन प्रथाओं पर एक व्याख्यान आयोजित किया जाएगा। सप्ताह के दौरान वाणिज्य मंत्रालय और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) पर एक वेबिनार आयोजित किया जाएगा। कुल 75 चयनित किसानों और उद्यमियों का एक राष्ट्रीय आत्म निर्भर भारत सम्मेलन भी आयोजित किया जाएगा। सप्ताह के दौरान खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय विभागों की विभिन्न योजनाओं के बारे में एक जिला एक उत्पाद आधारित कार्यशाला, वेबिनार और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करेंगे। उक्त अभियान में देश भर में प्रत्यक्ष (ऑफ़लाइन) और वर्चुअल (ऑनलाइन) माध्यम से एक करोड़ से अधिक किसानों और हितधारकों के भाग लेने की उम्मीद है। उक्त अभियान के दौरान भारतीय स्वतंत्रता के 75 वर्षों में कृषि विकास की उपलब्धियों हरित क्रांति और खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता पर चर्चा की जायेगी। साथ ही, बागवानी फसलों- अदरक, केला, आम और पपीता का सबसे बड़ा उत्पादक; पीली क्रांति (ऑपरेशन गोल्डन फ्लो); मीठी क्रांति, शहद उत्पादन; फसल सिंचाई में सुधार; कृषि में आईसीटी का उपयोग,कृषि में रिमोट सेंसिंग/जीआईएस/ड्रोन का अनुप्रयोग, कृषि में जैव-प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग,जल-संभर विकास कार्यक्रम की सफलता, बीज और उर्वरक में आत्मनिर्भरता, कृषि यंत्रीकरण में उन्नति और मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन (आईएनएम) कीटों का प्रभावी प्रबंधन (आईपीएम) पर प्रकाश डाला जाएगा। 'किसान भागीदारी प्राथमिक हमारी'अभियान भारत सरकार की विभिन्न प्रमुख योजनाओं के तहत गतिविधियों और उपलब्धियों को रेखांकित करेगा, जिनमें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि,प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना-प्रति बूंद अधिक फसल,प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना,किसान क्रेडिट कार्ड, कृषि ऋण;ई-राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-एनएएम),किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ),मृदा स्वास्थ्य कार्ड,जैविक और प्राकृतिक खेती,मधुमक्खी पालन,फार्म मशीनीकरण,राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन,बीज और रोपण सामग्री,बागवानी के समेकित विकास पर मिशन आदि शामिल है।

शाह ने अरबिंदो की 150वीं जयंती समारोह का किया उद्घाटन

पुडुचेरी,एजेंसी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को दर्शानिक संत श्री अरबिंदो की 150वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनके कार्य और विचार सभी के लिए प्रासंगिक हैं और वे हमारे मार्गदर्शक बने हुए हैं। श्री शाह ने आज यहां पांडिचेरी विश्वविद्यालय में श्री अरबिंदो की 150वीं जयंती समारोह का उद्घाटन करते हुए कहा, भारत की आत्मा को समझना चाहते हैं, तो आपको श्री अरबिंदो को सुनना और पढ़ना चाहिए। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी और द्वारका से लेकर बंगाल तक, कहीं न कहीं यही संस्कृति हम सबको बांधती है। उन्होंने कहा, श्री अरबिंदो ने भारतीय संस्कृति की प्राचीन चेतना को नई ऊर्जा, गति और दिशा प्रदान की। जब तक हम श्रीअरविंदो के विचारों को नई पीढ़ी तक नहीं पहुंचाते, उनके मन में जानने की जिज्ञासा नहीं पैदा करते, तब तक श्रीअरविंदो की 150वीं जयंती मनाने का उद्देश्य पूरा नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के पीछे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीन उद्देश्य है। उन्होंने कि यह युवा पीढ़ी के बीच हमारे स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित विचारों को पुनर्जीवित करता है। पिछले 75 वर्षो की उपलब्धियों और अगले 25 वर्षों के बारे में इस विचार को फैलाने के लिए कि राष्ट्र को दुनिया में शीर्ष पर ले जाने और इसे हर क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने का समय है। उन्होंने कहा, श्री अरबिंदो ने स्वराज की अवधारणा को देश के सामने रखा है और उनका मानना था कि भारत के पास दुनिया की समस्या के समाधान की शक्ति हैं। उन्होंने कहा कि स्वराज का मतलब केवल राजनीतिक शक्ति नहीं है, स्वराज का मतलब भारत के लिए स्वदेशी सिद्धांतों, संस्कृति और उसकी महान परंपराओं की अवधारणाओं को आगे ले जाना है।

दिवंगत मंगेशकर परिवार का कर्जदार रहेगा देश: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि देश दिवंगत सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर के परिवार का ऋणी रहेगा। श्री मोदी मुंबई में मास्टर दीनानाथ मंगेशकर स्मृति प्रतिष्ठान चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा घोषित पहला लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार प्राप्त करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, लताजी में जो देशभक्ति की भावना भरी हुई थी, वह उनके पिता ने उनमें जागृत की थी। दीनानाथ जी ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान शिमला में ब्रिटिश वायसराय के कार्यक्रम में वीर सावरकर द्वारा लिखित एक गीत गाया था। सावरकर ने अंग्रेजों के शासन को चुनौती देते हुए गीत लिखा था। यह साहस, यह देशभक्ति, दीनानाथ जी ने अपने परिवार को दिया था। प्रधानमंत्री ने महान गायक के साथ अपने जुड़ाव को याद किया और संगीत के क्षेत्र में उनके अपार योगदान के लिए उनकी प्रशंसा की। उन्होंने लता मंगेशकर को 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत की मधुर प्रस्तुति' करार दिया।

उन्होंने कहा, लता जी ने 30 से अधिक भारतीय भाषाओं में हजारों गाने गाए हैं। उन्होंने कई भाषाओं में संगीत दिया है, जिससे समान प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा कि संगीत मातृत्व और प्रेम की भावना दे सकता है। उन्होंने कहा, संगीत आपको देशभक्ति और कर्तव्य की भावना के शिखर पर पहुंचा सकता है। हम सभी भाग्यशाली हैं कि हमने लता दीदी के रूप में संगीत की शक्ति को देखा है। उन्होंने लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार देशवासियों को समर्पित किया। उन्होंने कहा, लता जी ने मुझे हमेशा एक बहन का बिना शर्त प्यार दिया। मैं यह पुरस्कार देश के हर नागरिक को समर्पित करता हूं। जिस तरह लताजी सभी के लिए जिया, यह पुरस्कार सभी को समर्पित है। उन्होंने कहा कि लता दीदी जैसी बड़ी बहन का प्यार पाने से बड़ा सौभाग्य क्या हो सकता है, जिन्होंने पीढ़ियों को प्यार और भावना का उपहार दिया है। जब पुरस्कार लता दीदी जैसी बड़ी बहन के नाम पर होता है, तो प्रधानमंत्री ने कहा, यह उनकी एकता और मेरे लिए प्यार का प्रतीक है। इसलिए, मेरे लिए पुरस्कार स्वीकार नहीं करना संभव नहीं है। भारत रत्न लता मंगेशकर की स्मृति में स्थापित लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार प्रत्येक वर्ष विशेष रूप से एक व्यक्ति को राष्ट्र निर्माण में अनुकरणीय योगदान के लिए और राष्ट्र के लिए पथ-प्रदर्शक, शानदार तथा अनुकरणीय योगदान देने वाले व्यक्ति को दिया जाएगा। ट्रस्ट ने एक बयान में कहा,वह (प्रधानमंत्री) एक अंतरराष्ट्रीय राजनेता हैं, जिन्होंने भारत को वैश्विक नेतृत्व के रास्ते पर खड़ा किया है। हमारे प्यारे राष्ट्र में हर पहलू और आयाम में जो शानदार प्रगति हुई है, और जो हो रही है, वह उन्हीं से प्रेरित और प्रेरित है। उन्होंने कहा,वह वास्तव में हमारे महान राष्ट्र के हजारों वर्षों के गौरवशाली इतिहास में सबसे महान नेताओं में से एक हैं, और हमारा परिवार और ट्रस्ट इस पुरस्कार को स्वीकार करने के लिए उनका आभारी है।

मन की बात: आजादी का अमृत महोत्सव जन-आंदोलन का रूप ले रहा: मोदी

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश के लिए यह गौरव की बात है कि आजादी का अमृत महोत्सव एक जन-आंदोलन का रूप ले रहा है। श्री मोदी ने अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात में रविवार को कहा कि देश के प्रधानमंत्रियों के योगदान को याद करने के लिए आजादी के अमृत महोत्सव से अच्छा समय और क्या हो सकता है। देश के लिए यह गौरव की बात है कि आजादी का अमृत महोत्सव एक जन-आंदोलन का रूप ले रहा है। इतिहास को लेकर लोगों की दिलचस्पी काफी बढ़ रही है और ऐसे में प्रधानमंत्री संग्रहालय युवाओं के लिए भी आकर्षण का केंद्र बन रहा है जो देश की अनमोल विरासत से उन्हें जोड़ रहा है। उन्होंने कहा, आप सब जानते हैं कि 18 मई को पूरी दुनिया में इंटरनेशन म्यूजियम डे मनाया जाएगा। इसे देखते हुए अपने युवा साथियों के लिए मेरे पास एक आइडिया है। क्यों न आने वाली छुट्टियों में आप अपने दोस्तों की मंडली के साथ स्थानीय म्यूजियम देखने जाएं। आप अपना अनुभव म्यूजियम मेमोरीज के साथ जरूर साझा करें। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस 14 अप्रैल को बाबा साहेब अम्बेडकर की जयन्ती पर प्रधानमंत्री संग्रहालय का लोकार्पण हुआ है। इसे, देश के नागरिकों के लिए खोल दिया गया है। इस संग्रहालय में महात्मा गाँधी, सरदार पटेल, डॉ0 अम्बेडकर, जय प्रकाश नारायण और हमारे प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के बारे में भी बहुत ही रोचक जानकारियाँ हैं। श्री मोदी ने कहा कि अब तो, संग्रहालयों के महत्व की वजह से कई लोग, खुद आगे आकर उनके लिए काफ़ी दान भी कर रहे हैं7 बहुत से लोग अपने पुराने कलेक्शन को, ऐतिहासिक चीज़ों को भी दान कर रहे हैं। उन्होंने कहा, आप जब ऐसा करते हैं तो एक तरह से आप एक सांस्कृतिक पूँजी को पूरे समाज के साथ साझा करते हैं। भारत में भी लोग अब इसके लिए आगे आ रहे हैं। मैं, ऐसे सभी निजी प्रयासों की भी सराहना करता हूँ।

नौसेना के कमांडर रूस-यूक्रेन संघर्ष से बदले हालातों पर करेंगे विचार मंथन

- समुद्री मामलों पर चर्चा करने के लिए 25 से 28 अप्रैल तक दिल्ली में इकट्ठा होंगे
- तीनों सेनाओं में तालमेल और तैयारी बढ़ाने के मुद्दों पर भी होगी सम्मेलन में चर्चा

नई दिल्ली। नौसेना के कमांडर सैन्य-रणनीतिक स्तर पर महत्वपूर्ण समुद्री मामलों पर चर्चा करने के लिए 25 से 28 अप्रैल तक दिल्ली में इकठ्ठा होंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित मामलों पर नौसेना कमांडरों के साथ बातचीत करेंगे। सम्मेलन का मुख्य मुद्दा रूस-यूक्रेन संघर्ष के कारण उभर रहे परिवर्तनों पर भी केंद्रित होगा। सम्मेलन में तीनों सेनाओं के बीच तालमेल और तैयारी बढ़ाने के मुद्दों पर चर्चा की जानी है।

नौसेना प्रवक्ता कमांडर विवेक मधवाल ने बताया कि यह सम्मेलन नौसेना कमांडरों को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित मामलों पर नौसेना कमांडरों को संबोधित करेंगे। नौसेना प्रमुख आर. हरि कुमार नौसेना कमांडरों के साथ पिछले छह महीनों में किए गए प्रमुख परिचालन, सामग्री, रसद, मानव संसाधन विकास, प्रशिक्षण और प्रशासनिक गतिविधियों की समीक्षा करेंगे। सम्मेलन में नौसेना की महत्वपूर्ण गतिविधियों और पहलों के लिए भविष्य की योजनाओं पर कमांडरों के साथ विचार-विमर्श भी किया जाना है। सम्मेलन का मुख्य मुद्दा रूस-यूक्रेन संघर्ष के कारण उभर रहे परिवर्तनों पर भी केंद्रित होगा। भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना के प्रमुख तीनों सेनाओं के साथ सामान्य परिचालन वातावरण बनाने के लिए नौसेना कमांडरों के साथ बातचीत करेंगे। इसके अलावा तीनों सेनाओं के बीच आपसी तालमेल और तैयारी को बढ़ाने के रास्ते पर भी सम्मेलन में चर्चा की जानी है। उन्होंने बताया कि भारतीय नौसेना भविष्य में नए दृष्टिकोण के साथ युद्ध के लिए तैयार होने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। नौसेना ने भारत के बढ़ते समुद्री हितों के अनुरूप पिछले कुछ वर्षों में अपने परिचालन कार्यों में उल्लेखनीय वृद्धि की है। पसंदीदा सुरक्षा भागीदार के रूप में भारतीय नौसेना की स्थिति भी हाल के दिनों में बढ़ी है। 2020-21 में भारतीय नौसेना के जहाजों ने हिन्द महासागर क्षेत्र के तटवर्ती देशों को भोजन और चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए कई आउटरीच मिशन शुरू किए हैं।

जनता त्रस्त है और शिवराज जी ढोलकी बजा रहे हैं: कमलनाथ

छिंदवाड़ा,एजेंसी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ रविवार को अल्प प्रवास पर छिंदवाड़ा पहुंचे। यहां इमलीखेड़ा हवाई पट्टी पर उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बिजली की अघोषित कटौती निरंतर जारी है। बिजली की बढ़ी हुई दरों और बढ़ती महंगाई से हर वर्ग त्रस्त है। किसानों के साथ अन्याय हो रहा है। आज मप्र की यही तस्वीर है, जो आप सभी के सामने हैं, किन्तु मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ढोलकी बजाकर पूरे देश में यह प्रचार कर रहे हैं कि मप्र बहुत आगे बढ़ रहा है।

कमलनाथ ने कहा कि पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए प्रदेश की जनता अब भाजपा और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की कलाकारी वाली राजनीति को समझ चुकी है। जनता अब भाजपा की कलाकारी के झांसे में नहीं आने वाली है। जब मीडिया ने उनसे सवाल किया कि भोपाल में मंच पर सीएम शिवराज सिंह संबोधन के लिए आए तो पीछे कतार में बैठे प्रदेश के सहकारिता मंत्री अरविंद भदौरिया खड़े होकर ताली बजाने लगे। इसके बाद गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने अरविंद भदौरिया का कुर्ता पकड़कर खींचकर कुर्सी पर बिठा दिया।

जवाब में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा भाजपा कि यह भाजपा की अंतर कलह है, जो अब धीरे-धीरे निकलकर सामने आ रही है। आगे और भी कलह खुलकर सामने आएगी। मलनाथ रविवार को दोपहर में अल्प प्रवास पर छिंदवाड़ा पहुंचे थे।

उनके साथ युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष विक्रांत भूरिया का भी छिंदवाड़ा आगमन हुआ। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से फूल माला पहनाकर नेताद्वय का इमलीखेड़ा हवाई पट्टी पर स्वागत किया। कमलनाथ ने अपने अल्प प्रवास के दौरान हवाई पट्टी पर पार्टी पदाधिकारियों से विभिन्न विषयों पर चर्चा। पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से चर्चा के उपरांत कमलनाथ ने छिंदवाड़ा से प्रस्थान किया।

समाज में सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखना मीडिया की अहम जिम्मेदारी है-कलीमुल हफीज

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन दिल्ली की जानिब से पत्रकारों के लिए इफ्तार पार्टी का आयोजन

सद्भावना टुडे,संवाददाता

नई दिल्ली। देश इस समय बहुत ही संकट के दौर से गुजर रहा है। एक तरफ महंगाई, बेरोजगारी और भुखमरी है और दूसरी तरफ असामाजिक तत्व सांप्रदायिकता को बढ़ावा दे रहे हैं। इसलिए सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने में मीडिया को अपनी सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए।यह विचार ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन दिल्ली के अध्यक्ष कलीमुल हफ़ीज़ ने व्यक्त किए। वह मीडियाकर्मियों और पत्रकारों के लिए मजलिसे इत्तेहादुल मुस्लिमीन दिल्ली द्वारा आयोजित इफ्तार पार्टी में शामिल पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। कलीमुल हफ़ीज़ ने कहा कि गोदी मीडिया देश को नुकसान पहुंचा रहा है, यह समाज में नफरत और दुश्मनी को बढ़ावा देने के लिए दिन-रात खबरें पेश कर रहा है। देश में बढ़ती गरीबी और बेरोजगारी से इसका कोई लेना-देना नहीं है। अब सोशल मीडिया और यूट्यूब मीडिया से जुड़े पत्रकारों की जिम्मेदारी है कि समाज के सामने सच्चाई पेश करें।

उन्होंने कहा कि मुख्यधारा का मीडिया पूरी तरह से स्वार्थी हो गया है लेकिन मैं आप सभी को बधाई देता हूं जो झूठ के खिलाफ मजबूती से खड़े हैं, मैं आपके साहस और धैर्य को सलाम करता हूं। अध्यक्ष ने कहा कि फासीवादी ताकतें देश के सामाजिक ताने-बाने को नष्ट करना चाहती हैं। त्यौहार जो खुशियाँ लाते हैं और उन्हें भी यह भय और आतंक का विषय बनाना चाहती हैं। मुसलमानों को निशाना बनाकर समाचार प्रकाशित किए जा रहे हैं, लेकिन ऐसा करके वे देश को नुकसान पहुँचा रहे हैं। कलीमुल हफ़ीज़ ने कहा कि पत्रकार समाज का सबसे सतर्क व्यक्ति होता है। इसलिए समाज को जगाना उसकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। मजलिस-दिल्ली अपनी वर्तमान सफलता में आप सभी को भागीदार मानती है। आपके प्यार ने मुझे हिम्मत दी है। मुझे आशा है कि आप भविष्य में भी मेरी मदद करते रहेंगे। इफ्तार का आयोजन होटल रिवर व्यू अबुल फजल एन्क्लेव, जामिया नगर में किया गया। इफ्तार में 100 से अधिक मीडियाकर्मियों ने भाग लिया। मीडिया प्रभारी अब्दुल ग़फ़्फ़ार सिद्दीक़ी ने प्रतिभागियों का शुक्रिया अदा किया।

85 मुस्लिम मेधावी छात्राओं को वितरित की गयी सत्रह लाख की राशि

नैनीताल। मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक मेधावी बालिका प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत नैनीताल जिले में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाली 85 मुस्लिम मेधावी बालिकाओं को 1705000 प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया गया। इस आशय की जानकारी देते हुए जिलाधिकारी धीरज सिंह गर्ब्याल ने बताया कि इस योजना के तहत अल्पसंख्यक समुदाय की उन अविवाहित मेधावी छात्राओं को प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया जाता है जिन्होंने उत्तराखंड बोर्ड व मदरसा बोर्ड के अधीन किसी विद्यालय, कॉलेज व मान्यता प्राप्त मदरसे से हाईस्कूल, मुंशी, मौलवी एवं इण्टरमीडिएट, आलिम परीक्षा संस्थागत छात्रा के रूप में 76 प्रतिशित अथवा उससे अधिक अंकों से उत्तीर्ण की हो। साथ ही जिनकी आयु 20 वर्ष से अधिक न हो तथा जिनके अभिभावक की वार्षिक आय ग्रामीण क्षेत्र में 81000 रुपये तथा शहरी क्षेत्र में 103000 रुपये से अधिक न हो तथा छात्रा पूर्णकालिक/अंशकालिक रूप से सेवायोजित न हो, को लाभान्वित किया जाता है।

फिलहाल नहीं बढ़ेगा जीएसटी टैक्स स्लैब, काउंसिल ने राज्यों से नहीं मांगी राय

नई दिल्ली,एजेंसी। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के टैक्स स्लैब बढ़ने की खबरों पर फिलहाल विराम लग गया है। दरअसल जीएसटी संबंधी मुद्दों पर निर्णय करने वाली सर्वोच्च संस्था जीएसटी काउंसिल ने टैक्स स्लैब (कर दरें) बढ़ाने को लेकर राज्यों से राय नहीं मांगी है।

सूत्रों के मुताबिक मौजूदा जीएसटी दर को युक्तिसंगत बनाने पर विचार कर रही मंत्रियों की समिति ने जीएसटी काउंसिल को अभी तक अपनी रिपोर्ट नहीं सौंपी है। दरअसल मीडिया में जीएसटी स्लैब में बदलाव की चल रही खबरों के बाद यह स्पष्टीकरण आया है। जीएसटी काउंसिल ने 143 वस्तुओं पर जीएसटी की दर बढ़ाने के बारे में राज्यों से कोई राय नहीं मांगी है। आधे से ज्यादा उत्पादों को जीएसटी कर की सर्वाधिक 28 फीसदी की श्रेणी में रखने संबंधी प्रस्ताव को खारिज किया गया है। उल्लेखनीय है कि जीएसटी काउंसिल ने मौजूदा कर की दरों को युक्तिसंगत बनाकर राजस्व बढ़ाने के बारे में सुझाव के लिए पिछले वर्ष राज्यों के मंत्रियों की समिति का गठन किया था। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई इस समिति के प्रमुख हैं। फिलहाल जीएसटी के चार टैक्स स्लैब 5, 12, 18 और 28 फीसदी हैं। इसके अलावा सोना और स्वर्ण आभूषणों पर 3 फीसदी की दर से जीएसटी लगता है। जीएसटी काउंसिल में केंद्रीय वित्त मंत्री और राज्यों के वित्त मंत्री शामिल होते हैं।

जम्मू-कश्मीर में भारतीय सेना ने की इफ्तार पार्टी

फोटो शेयर करने के बाद ट्वीट हटाने पर उठे सवाल

नई दिल्ली,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में डोडा जिले के अरनोरा में माह रमजान पर भारतीय सेना की ओर से रोजा इफ्तार करने के बाद विवाद छिड़ गया है। भारतीय सेना हर साल सीमा पर सैनिकों के साथ ईद, दीपावली, होली और रक्षा बंधन जैसे त्योहार मनाते हुए और पाकिस्तानी सैनिकों के साथ मिठाई का आदान-प्रदान करते हुए तस्वीरें जारी करती रही हैं। इस बार रोजा इफ्तार की तस्वीरें ट्वीट करने के बाद डिलीट करने पर सवाल उठने लगे हैं।

पीआरओ डिफेन्स जम्मू के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से 21 अप्रैल को रात 11.32 बजे इफ्तार की तस्वीरें ट्वीट करते हुए कहा गया कि धर्मनिरपेक्षता की परंपराओं को जीवित रखते हुए भारतीय सेना ने डोडा जिले के अरनोरा में एक इफ्तार का आयोजन किया। तस्वीरों में इफ्तार पार्टी में सेना की राष्ट्रीय राइफल्स के डेल्टा फोर्स के जनरल ऑफिसर कमांडिंग, स्थानीय मुसलमानों के साथ बातचीत करते हुए और एक वर्दीधारी व्यक्ति को नागरिकों के साथ नमाज अदा करते हुए दिखाया गया। पीआरओ डिफेन्स जम्मू के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से किये गए इस ट्वीट को सेना की अन्य इकाइयों ने भी रीट्वीट किया और काफी संख्या में लाइक मिले। इसके बाद सेना के इस सर्वधर्म समभाव वाले ट्विट को एक तथाकथित पत्रकार ने रीट्वीट के साथ कमेन्ट कर दिया कि- अब यह बीमारी भारतीय सेना में भी घुस गई है? दुखद। इस टिप्पणी पर सेना या पीआरओ डिफेन्स की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई, बल्कि सेना के ट्विटर हैंडल से मूल ट्वीट डिलीट कर दिया गया। इतना ही नहीं, पीआरओ रक्षा (जम्मू) लेफ्टिनेंट कर्नल देवेंद्र आनंद ने ट्वीट को हटाने पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हालांकि इससे पहले भारतीय सेना हर साल सीमा पर सैनिकों के साथ ईद, दीवाली, होली और रक्षा बंधन जैसे त्योहार मनाते हुए और

- पूर्व सैन्य अधिकारियों ने कहा, सेना को स्थानीय आबादी तक पहुंचाते हैं इस तरह के कार्यक्रम
- इन कार्यक्रमों का धर्म या राजनीति से कोई लेना-देना नहीं, महज आतंकवाद से लड़ने का साधन

पाकिस्तानी सैनिकों के साथ मिठाई का आदान-प्रदान करते हुए तस्वीरें जारी करती रही है। इस बार रोजा इफ्तार की तस्वीरें ट्वीट करने के बाद डिलीट करने पर सवाल उठने लगे हैं। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पश्चिमी कमान के पूर्व जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, लेफ्टिनेंट जनरल तेज सप्रू (सेवानिवृत्त) का कहना है कि ट्वीट में कुछ भी गलत नहीं था जिसका जोरदार बचाव किया जाना चाहिए था। सेना के इस तरह के कार्यक्रम स्थानीय आबादी तक पहुंचने और आतंकवादियों से लड़ने के अभिन्न अंग हैं। उन्होंने कहा कि हम ऐसा पूर्वोत्तर में भी ईसाई आबादी तक पहुंचकर करते हैं।

इसका धर्म या राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है और यह विशुद्ध रूप से स्थानीय लोगों को अपने साथ लेकर आतंकवाद से लड़ने का एक साधन है। सेवानिवृत्त अधिकारी मेजर जनरल यश मोर ने भी मूल ट्वीट का बचाव करते हुए कहा कि भारतीय सेना अंतरधार्मिक सद्भाव में सबसे आगे रही है। एक अधिकारी के रूप में हमें इस बात पर गर्व है कि हमारा कोई धर्म नहीं है, हम सिर्फ अपने जवानों का धर्म अपनाते हैं, जिनकी हम कमान संभालते हैं। उत्तरी कमान के पूर्व जीओसी-इन-सी लेफ्टिनेंट जनरल एचएस पनाग (सेवानिवृत्त) ने कहा कि संबंधित पीआरओ और सेना में रमजान के दौरान इफ्तार आयोजित करने की परंपरा की रक्षा करने का साहस होना चाहिए था। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। यह स्थानीय आबादी का दिल और दिमाग जीतने की सेना की नीति का हिस्सा है। जम्मू-कश्मीर में इफ्तार आयोजित करने में कोई नई बात नहीं है और यह कई वर्षों से एक प्रथा है।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी, सैफुल्लाह सिद्दिकी द्वारा आरडी प्रिंटिंग एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-08, नोएडा (यूपी), से छपवा कर एन-81, बटला हाउस, जामिया नगर पुलिस स्टेशन, जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 से प्रकाशित किया। सर्वाधिकार सुरक्षित, किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा। (संपादक- सैफुल्लाह सिद्दिकी)